{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 02 दिसम्बर 2025
मार्गशीर्ष शुक्ल 12 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 70
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	85,641.90
निफ्टी	-	26,175.75
सोना	-	1,30,480
चांदी	-	1,88,000
डॉलर	-	89.62

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

खड़गे का मोदी सरकार पर हमला, संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाए

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार ने लगातार संसदीय मर्यादा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अपमान किया है। एक्स पर पोस्ट में कांग्रेस नेता खड़गे ने पीएम मोदी पर भटकाने का आरोप लगाकर कहा कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाए। खड़गे ने दावा किया कि सिर्फ पिछले मानसून सत्र के दौरान कम से कम 12 बिल जल्दबाजी में पास किए गए। इसमें से कुछ 15 मिनट से भी कम समय में और कुछ बिना किसी चर्चा के पास हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि विवादास्पद कानून जैसे कृषि कानून, जीएसटी और इंडियन सिविल सिक्योरिटी कोड संसद में जबरदस्ती पारित हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी संवेदनशील मुद्दों पर मौन रहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा, जब मणिपुर का मामला संसद में उठा, तब तक आप चुप रहे, जब तक विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया। एसआईआर को लेकर खड़गे ने बीएलओ की स्थिति पर भी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में अत्यधिक कार्यभार के कारण बीएलओ जान गंवा रहे हैं।

वंदे मातरम और जय हिंद कहना कब से शिष्टाचार का उल्लंघन हो गया सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आदेश पर उठाया सवाल

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी आदेश पर आपत्ति जाहिर की हैं, जिसमें सदन में वंदे मातरम और जय हिंद सहित विभिन्न नारों के इस्तेमाल पर रोक लगाने की सलाह दी गई थी। राज्यसभा सांसद चतुर्वेदी ने बताया कि इन नारों परप्रतिबंध लगाना ब्रिटिश काल के शासन जैसा है और उनकी पार्टी मामले पर सचिवालय से जवाब मांगेगी। हमारी पार्टी का मुख्य एजेंडा राज्यसभा सचिवालय और केंद्र से जवाब मांगना है कि वंदे मातरम और जय हिंद कहना कब से शिष्टाचार और नियमों का उल्लंघन हो गया। यह ब्रिटिश काल की शासन-व्यवस्था जैसा है। राज्यसभा सचिवालय के नोटिस को राष्ट्र-विरोधी बताकर उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि वंदे मातरम और जय हिंद हमारे देश और इसके स्वतंत्रता संग्राम के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये नारे हमारा देश प्रेम के कारण है, लेकिन अब वे जो कर रहे हैं, वहां राष्ट्र-विरोधी है।

फाईल फोटो

हार्डकोर माओवादी रामधेर, चुरेंदर, चंदू और छोटा दीपक की तलाश

बालाघाट खैरागढ़ गोंदिया के बार्डर क्षेत्र में शीर्ष नक्सली लीडरों की तलाश में दिन- रात जुटी तीन राज्यों की टीम,बड़ा सर्च ऑपरेशन जारी

दर्रेकसा दलम के 15 में से 11 माओवादियों ने किया समर्पण, चार की और तलाश

एक्सप्रेस विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

अब एक बार फिर एमएमसी जोन के हार्डकोर माओवादी सेन्ट्रल कमेटी मेंबर रामधेर सुरक्षा बलों के निशाने पर हैं. तीन राज्यों की 5 जिलों की पुलिस और हॉक फोर्स जैसी दक्ष टीमें दिन रात उन्हें तलाश रही हैं। खबर है की रामधेर और उनकी टीम के लिए आने वाले दिन बेहद महत्वपूर्ण होने वाले हैं. प्रवक्ता अनंत के लगातार जारी किये जाने वाले प्रेस नोट के बाद भी उनकी कोई प्रतिक्रिया ना आना कई संदेहो को जन्म देता है।

गत दिनों गोंदिया पुलिस के सामने आत्म समर्पण करने वाले 11 नक्सलियों के बाद दर्रेकसा दलम के बचे 4 नक्सलियों की तलाश जहां अभी भी चल रही है, वहीं दूसरी ओर एमएमसी के बड़े नक्सली लीडरों की तलाश में अब पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़ा ऑपरेशन शुरू किया है।

ऐसा समझा जा रहा है कि 40 से 50 नक्सली अभी भी बालाघाट, गोंदिया, खैरागढ़, राजनांदगाव और गढ़चिरोली आदि सीमावर्ती जिलों के जंगलों में अपनी सक्रियता बनाए हुए हैं।

यह उल्लेखनीय है कि गत 18 नवंबर को कनघुर्रा के जंगल में पुलिस और नक्सली मुठभेड़ के दौरान बालाघाट का हॉक फोर्स का एक निरीक्षक आशीष शर्मा शहीद हो गया था, जिसके बाद से जब पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया, तब दबाव में आकर दर्रेकसा दलम के 11 एसजेडसी मेंबर विकास नगपुरे उर्फ अनंत के नेतृत्व में गोंदिया पुलिस के सामने दर्रेकसा में जंगल से निकल कर आत्म समर्पण कर दिया है। बताया गया है कि दर्रेकसा दलम के अभी भी शेष चार नक्सलियों ने समर्पण नहीं किया है। जो काफी संदिग्ध है. ये चार माओवादी भी अनंत के साथ थे किन्तु अंतिम समय में उससे अलग हो गए और अनंत को अपने 11 साथियों के साथ ही समर्पण करना पड़ा।

तीनों राज्यों की पुलिस के मुताबिक इसके बाद एमएमसी जोन के बचे बड़े नक्सलियों की तलाश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की पुलिस ने एक बड़ा सर्चिंग अभियान शुरू कर दिया है। तीनों राज्यों की सीमाओं से सटे कवर्धा, बालाघाट के अलावा खैरागढ़-छुई खदान - गंडई और राजनांदगाव जिले के सीमावर्ति साल्हेवारा और बालाघाट जिले के बैहर तहसील के सालेटेकरी, मछुरदा के घने जंगलों में नक्सलियों की तलाश चल रही है। सूत्र बता रहे हैं कि एमएमसी जोन में अभी भी 40 से 50 नक्सली सक्रिय हैं। बालाघाट की हॉकफोर्स से लेकर डीआरजी पुलिस और एसटीएफ की टुकड़ी जंगलों में अलग-अलग ग्रुप में फैले नक्सलियों की तलाश में जुटी हुई है।

बताया जा रहा है कि नक्सलियों पर आत्म समर्पण किए जाने का दबाव बना हुआ है। सीसी मेम्बर रामधेर से लेकर चुरेन्दर और चंदू तथा छोटा दीपक के साथ अन्य नक्सलियों को घेरने की कोशिश जारी है। नक्सलियों की तलाश में दिन-रात जुटी पुलिस नक्सलियों को घेरने में लगी हुई है, वहीं 11 नक्सलियों द्वारा आत्म समर्पण किए जाने से नक्सली अभियान को एक बड़ा धक्का लगा है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि निर्धारित समयावधि में या तो नक्सलियों का सफाया कर दिया जाएगा।या वे हथियार डालकर मुख्य

डिजिटल अरेस्ट स्कैम की जांच अब सीबीआई के हवाले

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट स्कैम को बेहद गंभीर मानते हुए इसके सभी मामलों की जांच सीबीआई को सौंप दी है। कोर्ट ने कहा कि इस तरह के साइबर फ्रॉड पर तुरंत कार्रवाई की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि डिजिटल अरेस्ट स्कैम पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अन्य स्कैम से अलग सीबीआई अब सबसे पहले डिजिटल अरेस्ट स्कैम के मामलों की जांच करेगी।

डिजिटल अरेस्ट स्कैम से जुड़े सभी मामलों की जांच अब सीबीआई करेगी। साइबर क्राइम में जिन बैंक अकाउंट्स का इस्तेमाल हुआ है, उनकी जांच के लिए सीबीआई को पूरी स्वतंत्रता दी गई है। संबंधित बैंक अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा सकेगी। यह फैसला देशभर में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड पर नकेल कसने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट स्कैम को बेहद गंभीर मुद्दा मानते हुए इसकी जांच अब सीबीआई को सौंप दी है और इसके साथ ही एजेंसी को कई खास अधिकार भी प्रदान किए हैं। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने सीबीआई को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत उन बैंक अधिकारियों की जांच करने की भी पूरी अनुमति दी है, जिनके बैंक खातों का इस्तेमाल डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड में किया गया है।

सभी एजेंसियां देंगी सीबीआई को सहयोग

कोर्ट ने निर्देश दिया है कि आईटी इंटरमीडियरी रूल्स के तहत सभी प्राधिकरण सीबीआई को पूरा सहयोग देंगे। जिन राज्यों ने अभी तक सीबीआई को सामान्य अनुमति नहीं दी है, उन्हें आईटी एक्ट 2021 के मामलों की जांच के लिए विशेष मंजूरी देनी होगी ताकि देशभर में कार्रवाई एक साथ चल सके। कोर्ट ने सीबीआई को यह भी कहा है कि जरूरत पडने पर इंटरपोल के साथ समन्वय कर कार्रवाई करें।

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू- पीएम मोदी बोले-

सदन में ड्रामा नहीं, डिलीवरी चाहिए

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो गया। सदन की कार्यवाही से पहले पीएम मोदी ने संसद के बाहर मीडिया से 10 मिनट बात की। उन्होंने कहा, विपक्ष हाल के चुनावों में पराजय की निराशा से बाहर निकले और सदन में मजबूत मुद्दे उठाए। अगर विपक्ष चाहे तो मैं उन्हें टिप्स देने के लिए तैयार हैं कि कैसे परफॉर्म किया जाए। पीएम ने कहा- यह सत्र पराजय की हताशा या विजय के अहंकार का मैदान नहीं बनना चाहिए। नई पीढ़ी के सदस्यों को अनुभव का लाभ मिलना चाहिए। यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। यहां जोर नीति पर होना चाहिए, नारों पर नहीं।

धनखड़ को फेयरवेल नहीं मिला, इसका दुख

पीएम ने इसके बाद राज्यसभा में नए सभापति सीपी राधाकृष्णन का स्वागत किया और उनके अभिवादन में स्पीच दी। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति का अभिवादन किया। खड़गे ने इस दौरान पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा- मुझे इस बात का दुख है कि सदन को पूर्व सभापति को फेयरवेल देने का मौका नहीं मिला।

डॉक्टर को तकलीफ बताइए

खड़गे की टिप्पणी पर भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने पलटवार किया। नड्डा ने कहा- आपको बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र की हार ने काफी तकलीफ पहुंचाई है। आपको अपनी तकलीफ डॉक्टर को बताना चाहिए।

पान मसाला पर सेस लगाने वाले दो बिल पेश किए

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में दो अहम बिल पेश किया। दोनों बिल उन उत्पादों पर नई कर व्यवस्था से जुड़े हैं, जिन पर अभी जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस लगता है- जैसे सिगरेट, तंबाकू और पान मसाला। इसके जरिए केंद्रीय उत्पाद शुल्क एक्ट, 1944 में संशोधन कर सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर क्षतिपूर्ति सेस खत्म होने के बाद एक्साइज ड्यूटी के जरिए राजस्व संग्रह जारी रखा जाएगा। इसे केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 नाम दिया गया है। वित्त मंत्री ने स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा सेस विधेयक, 2025 भी पेश किया। नया सेस उन उत्पादों पर लगेगा जिनसे राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा जोखिम माना जाता है। पान मसाला जैसे उत्पादों पर यह सेस लगाया जाएगा। तंबाकू और पान मसाला जैसी हानिकारक उत्पादों पर अभी 28 प्रतिशत जीएसटी लगता है। क्षतिपूर्ति सेस खत्म होने के बाद, तंबाकू और संबंधित उत्पादों की बिक्री पर 40 प्रतिशत जीएसटी और उत्पाद शुल्क लगेगा, जबकि पान मसाला पर 40 प्रतिशत जीएसटी और स्वास्थ्य सुरक्षा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सेस भी लगेगा। केंद्रीय उत्पाद शुल्क संशोधन बिल में सिगार/चुरूट/सिगरेट पर 5,000 रुपए से लेकर 1,000 स्टिक पर 11,000 रुपए तक उत्पाद शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा, इसमें कच्चा तंबाकू पर 60-70 प्रतिशत और निकोटीन और सूंघने वाले उत्पादों पर 100 प्रतिशत टैक्स लगाने का प्रस्ताव है। अभी सिगरेट पर कीमत के अनुसार 5 प्रतिशत क्षतिपूर्ति सेस और 1,000 स्टिक पर 2,076-3,668 रुपए का सेस लगता है।

हंगामा करना लोकतंत्र के खिलाफ

लोजपा(आर) सांसद और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि 2014 में जब वे संसद आए थे, तो एक दिन का भी स्थगन होने पर उन्हें दुख होता था क्योंकि वे अपने क्षेत्र के मुद्दे नहीं उठा पाते। उन्होंने कहा कि अगर कोई केवल हंगामा करने और अपनी छवि चमकाने के लिए ऐसा करता है, तो यह लोकतंत्र के खिलाफ है। सांसदों को अपने मुद्दे उठाने के लिए संसदीय प्रक्रिया का पालन करना चाहिए।

पूर्व उपराष्ट्रपति के लिए आपने अभद्र शब्द कहा था

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में खड? पर पलटवार किया। रिजिजू ने कहा- मैं सदन को बस यह याद दिलाना चाहता हूं कि आप लोगों ने पूर्व उपराष्ट्रपति और पूर्व सभापति का अपमान करने के लिए जिस भाषा का इस्तेमाल किया, क्या वह भूल गए हैं। पूर्व सभापति के बारे में आपने अभद्र शब्द इस्तेमाल किए थे। उसकी एक कॉपी अभी भी हमारे पास है। आज आप यहां ज्ञान दे रहे हैं।

अपने आसन से उस तरफ ज्यादा न देखें, खतरा है

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति का स्वागत कर कहा कि आप तो सीपी राधाकृष्णन के हमनाम हैं। आशा है, आप उनकी तरह ही व्यवहार करेंगे और विचार रखेंगे। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने सभापति से कहा कि यह अपील करना चाहूंगा। आप अपने आसन से ज्यादा उस तरफ न देखें, उसमें खतरा है। आप इधर नहीं देखेंगे, तो भी खतरा है। आप दोनों तरफ संतुलन बनाए रखेंगे तो अच्छा होगा। खडगे ने कहा, आप जिस बैकग्राउंड से आए हैं, प्रधानमंत्री ने जिक्र किया। ठीक है, हम मानते हैं, लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि आप कांग्रेस के घराने से आए हैं। प्रधानमंत्री जोरदार तकरीर करके बाहर आए हैं, इसका जवाब हम यहां देंगे। आपके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामना।

दिल्ली ब्लास्ट की मास्टरमाइंड डॉ. शाहीन के घर एनआईए ने की छापेमारी, पिता-भाई से 5 घंटे तक पूछताछ

लखनऊ। दिल्ली ब्लास्ट की मास्टरमाइंड डॉ. शाहीन के घर पर सोमवार को एनआईए (नेशनल इंवेस्टीगेशन एजेन्सी) की टीम ने छापेमारी की। इस दौरान एटीएस भी मौजूद रही। टीम ने शाहीन के पिता और भाई से पांच घंटे तक पूछताछ की। डिजिटल उपकरण समेत अन्य दस्तावेज जब्त कर लिए। इस दौरान पूरे मोहल्ले में पुलिस का सख्त पहरा रहा। टीम घर के अंदर दरवाजा बंद कर पूछताछ करती रही जबकि बाहर पुलिस तैनात रही। लखनऊ के अलावा टीम ने जम्मू कश्मीर में भी 9 जगहों पर छापेमारी की।

सोमवार की सुबह एटीएस के साथ एनआईए की टीम लखनऊ के लालबाग स्थित खंदारी बाजार पहुंची। यहां पर डॉ. शाहीन का घर है। शाहीन के पिता सईद अंसारी और उनका बड़ा बेटा शोएब इसी घर में रहते हैं। काफी देर तक एनआईए की टीम ने शाहीन के पिता और बड़े भाई से पूछताछ की। टीम सुबह से करीब दोपहर 11:45 तक दोनों से पूछताछ करती रही। कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में हलचल रही। टीम ने करीब 5 घंटे तक छापेमारी की। टीम में एक महिला अफसर समेत करीब 10 लोग शामिल थे। टीम के बाहर निकलते समय मीडिया ने अफसरों से रेड के बारे में पूछताछ की, लेकिन कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं हुआ। कुछ ही देर में अफसर कार में बैठकर निकल गए।

इससे पहले जम्मू कश्मीर पुलिस और एटीएस की टीम ने 11 नवंबर को भी शाहीन के घर छापेमारी की थी। 20 दिन बाद एएनआई की टीम रेड डालने पहुंची। छापेमारी के बाद शाहीन के पिता ने अंदर से घर का दरवाजा बंद कर लिया था। उन्होंने घर से बाहर निकलना तक बंद कर दिया था। उनका कहना था कि बेटी ऐसा कुछ कर रही है, इस पर विश्वास नहीं हो रहा है। उस दौरान भी पुलिस ने डॉ. शाहीन के घर के आसपास पहरा बैठा दिया था। वहां पर किसी भी तरह के वाहनों के आने जाने व लोगों के निकलने पर पाबंदी लगा दी थी। सोमवार की छापमारी के बाद भी घर के सदस्यों ने टीम के जाते ही दरवाजा बंद कर लिया।

कुछ ना कहना

चंडीगढ़ में नहीं बनेगी हरियाणा की अलग विधानसभा

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने प्रपोजल रद्द किया

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हरियाणा सरकार की चंडीगढ़ में नए विधानसभा भवन बनाने की मांग को खारिज कर दिया है। मंत्रालय ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को साफ सलाह दी है कि इस मामले में अब चंडीगढ़ प्रशासन से किसी तरह की आगे की कार्रवाई न करें।

केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ को स्वतंत्र यूनियन टेरेटरी का ऐलान करने के लिए 131वें शोध बिल को वापस लेने के बाद पंजाब के लिए यह दूसरा बड़ा फैसला लिया है। यह मुद्दा तब चर्चा में आया था जब जुलाई 2022 में जयपुर में हुई उत्तरी जोनल काउंसिल की बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हरियाणा को नई विधानसभा के लिए भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। इसके बाद जुलाई 2023 में यूनियन टेरेटरी प्रशासन ने 10 एकड़ जमीन हरियाणा को देने पर सहमति जताई थी। यह जमीन चंडीगढ़ के आईटी पार्क के पास रेलवे लाइट पॉइंट के नजदीक है और इसकी कीमत करीब 640 करोड़ रुपए आंकी गई।

योजना के तहत हरियाणा ने बदले में पंचकूला के सेक्टोरियल क्षेत्र के पास 12 एकड़ जमीन देने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन जनवरी 2024 में यूनियन टेरेटरी प्रशासन ने विस्तृत सर्वे के बाद इसे खारिज कर दिया। शहरी नियोजन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार यह जमीन नीची थी, बीच से नाला गुजरता था और कनेक्टिविटी भी उचित नहीं थी। इसे सार्वजनिक उपयोग के लिए अनुपयुक्त बताया गया।

बाहुबली की पत्नी विभा देवी नहीं पढ़ पाई शपथ

पटना। 18वीं विधानसभा के पहले सत्र में नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली। बाहुबली राजबल्लभ की पत्नी और नवादा से जदयू विधायक विभा देवी शपथ पत्र नहीं पढ़ पाईं। अटक-अटक के किसी तरह से शपथ पढ़ रही थीं। इस बीच उन्होंने पास बैठी विधायक मनोरमा देवी से बताने को कहा। फिर मनोरमा देवी के प्रॉम्प्ट करने के बाद उन्होंने टूट-फूटे शब्दों में शपथ ली। वहीं बाहुबली अशोक महतो की पत्नी और वारिसलीगंज विधायक अनीता देवी ने बहुजन के नेताओं कोट करते हुए शपथ लेना शुरू किया। उन्होंने कहा, मैं बहुजन समाज की बेटी अनीता, रुहानी आशीर्वाद लेते हुए बाबा साहब को याद करते हुए शपथ लेती हूं.... जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने उन्हें टोका। उन्होंने दोबारा अपना नाम लेते हुए शपथ पढ़ी। बेतिया से बीजेपी विधायक और पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी ने सदन में गलत शपथ ली। जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने उन्हें टोका और फिर से शपथ पढ़वाई। प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। 3 दिसंबर को दोनों सदनों की बैठक को राज्यपाल संबोधित करेंगे। 4 दिसंबर को राज्यपाल के भाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर सरकार जवाब देगी।

जीडीपी में रिकॉर्ड बढ़त, फिर भी धड़ाम हुआ रुपया

डॉलर के मुकाबले 89.79 के नए लो पर पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय रुपया सोमवार को इंट्राडे ट्रेड में डॉलर के मुकाबले रुपया 89.79 के रिकॉर्ड लो पर पहुंच गया। प्रतिकूल व्यापार और पोर्टफोलियो प्रवाह तथा अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के अभाव ने शानदार विकास से मिली बढ़त को फीका कर दिया। यह गिरावट भारत द्वारा सभी उम्मीदों से बढकर जीडीपी के शानदार आंकड़े जारी करने के ठीक बाद आई। सितंबर तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत बढ़ी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में 3 नवंबर से अब तक करीब 1 रुपये की गिरावट आई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर में मजबूती और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण भी भारतीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। इसके अलावा आयातकों की ओर से डॉलर की भारी मांग स्थानीय मुद्रा पर लगातार दबाव बना रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 89.45 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह अंतर-दिवसीय कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.79 (अस्थायी) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 34 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.45 पर बंद हुआ था। रुपया 21 नवंबर को 98 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.66 के अपने सर्वकालिक निम्न स्तर पर बंद हुआ। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.50 पर आ गया। रुपया 2025 में अब तक 4.77 प्रतिशत कमजोर हो चुका है। 1 जनवरी को रुपया डॉलर के मुकाबले 85.70 के स्तर पर था, जो अब 89.79 के लेवल पर पहुंच गया है। रुपए में गिरावट का मतलब है कि भारत के लिए चीजों का इम्पोर्ट महंगा होना है। इसके अलावा विदेश में घूमना और पढना भी महंगा हो गया है। मान लीजिए कि जब डॉलर के मुकाबले रुपए की वैल्यू 50 थी, तब अमेरिका में भारतीय छात्रों को 50 रुपए में 1 डॉलर मिल जाता था। अब 1 डॉलर के लिए छात्रों को 89.79 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। इससे फीस से लेकर रहना-खाना और अन्य चीजें महंगी हो जाएंगी।

ज्यादातर केंद्रों में धान बेचने नही पहुँचे किसान,केवल 54 किसानों ने बेचा!!

पहले दिन 2430 क्विंटल धान खरीदी,बाकी केंद्रों मे,पूरे दिन छाई रही वीरानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम दिलाने और उन्हें बिचौलियों से बचाने के लिए शासन द्वारा प्रतिवर्ष समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जाती है प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी शासन द्वारा प्रदेश भर में 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू की गई है। जिसके लिए जिले में 185 केंद्र बनाए गए हैं। पहले दिन 54 किसानों से 2430 क्विंटल धान खरीदी गई है।जबकि बाकी केंद्रों में पहले दिन धान की खरीदी शुरू नहीं हो पाई है। जिले के ज्यादातर केंद्र सूने नजर आए, तो वहीं धान बेचने के लिए इक्का-दुक्का किसानो ने केंद्र पहुँचकर स्लाट बुक कराया। हालांकि स्लॉट बुक करने वाले किसानो ने वादे के मुताबिक 3100रु धान का समर्थन मूल्य ना मिलने पर अपनी नाराजगी भी जताई है।

इन केंद्रों में हुई धान की खरीदी

01 दिसम्बर को धान खरीदी के पहले दिन 54 किसानों से 2430 क्विंटल धान की खरीदी की गई। इनमें सेवा सहकारी समिति खारा, खमरियॉ, बड़गांव, डोकरबंदी, पलाकामथी, बिरनपुर, कनकी, बल्हारपुर, गारापुरी और सावंगी सहित अन्य केंद्रों का शमावेश है।

बाकी जगह धान खरीदने के लिए केंद्र प्रभारी करते रहे किसानों का इंतेजार

जिले में 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य शुरू कर दिया गया है जो आगामी 20 जनवरी तक चलेगा।लेकिन पहले दिन जिले के ज्यादातर किसान अपनी धान बेचने के लिए केंद्र नही पहुचे।जिसके चलते ज्यादातर धान खरीदी केंद्र वीरान नजर आए।उधर पहला दिन होने के चलते जिले के ज्यादातर धान खरीदी केंद्रों में साफ सफाई कर केंद्र के धान खरीदी प्रभारी,किसानों की राह तकते नजर आए, लेकिन उन केंद्रों में कोई भी किसान धान बेचने नही पहुँचा।जिससे वहां विरानी छाई रही।बात अगर गोगलाई मंडी स्थित बनाए गए धान खरीदी केंद्र की करें तो इस केंद्र में 10 गांव के किसानों की धान खरीदी जानी है लेकिन शाम तक इस केंद्र में धान बेचने के लिए किसान नही पहुचे।वहीं बारदानों की छपाई, मार्किंग के अलावा विधुत की व्यवस्था, किसानों के रुकने ,पानी पीने ,कैंटीन सहित अन्य व्यवस्थाएं बनाते हुए लेबर लिखाई दिए।

केन्द्र में इन गांवो के पंजीकृत किसानों की खरीदी जाएगी धान

गोगलाई मंडी परिसर में बनाए गए धान खरीदी केंद्र में 1253 से अधिक पंजीकृत किसान है। इस धान खरीदी केंद्र में बगदरा, कोसमी, सरेखा, बूढ़ी, खैरी, भटेरा, बालाघाट, गोगलाई, गायखुरी और नवेगांव ऐसे 10 गांव के पंजीकृत किसानों की धान खरीदी जानी है लेकिन इस केंद्र में कोई भी किसान धान बेचने नही पहुँचा, सिर्फ ईक्का दुक्का किसान स्लाट बुक कराने पहुचे थे।जबकि साफ-सफाई, लाइटिंग, पीने के पानी तक के इंतजाम केंद्र में करते हुए दिखाई दिए।

स्लॉट बुक करने में भी किसानो ने नहीं दिखाई रुचि

बात अगर पंजीकृत किसानों की करें तो इस वर्ष जिले में समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए 2लाख 27 हजार से अधिक किसानों ने अपना पंजीयन कराया था, जिनकी धान की खरीदी 1 दिसंबर से शुरू हुई है। लेकिन धान बेचने के लिए अब तक ज्यादातर किसानों ने स्टॉल बुकिंग तक नहीं कराया है।वही बिना स्टॉल बुकिंग के धान खरीदी नहीं हो पा रही है। एक ओर किसान अपना उपार्जन बचने के लिए स्लॉट बुक करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं, वही सर्मथन मूल्य में महज 69 पैसे का इजाफा होने से किसान परेशान है।माना जा रहा है कि 1-2 दिन बाद ही किसान इसमें रुचि दिखाएंगे और उसके बाद ही जिले में धान खरीदी का कार्य शुरू किया जाएगा।

इस वर्ष भी घोषणा के अनुरूप नही मिला समर्थन मूल्य

शासन द्वारा पिछले वर्ष 2300 रु समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की गई थी, जबकि इस वर्ष महज 69 पैसे मूल्य बढाया गया है।जिसके चलते इस वर्ष 2369 रु प्रति क्विंटल के हसाब से धान की खरीदी होनी है। लेकिन किसानों के साथ ही किसान संगठन, जिला सरपंच संघ, किसान गर्जना, और जनपद सदस्य संघ सहित विभिन्न संगठनों, द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान की गई घोषणा के अनुरूप किसानों को उनकी धान की उपज का मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य देने की मांग की जा रही है।

छग में वादा पूरा तो मप्र में क्यो नही ?

उधर किसानों की, सरकार के प्रति नारजगी बढ़ती जा रहा है। जहां 3100 समर्थन मूल्य दिए जाने की मांग किसानों द्वारा की गई है ।बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव के दौरान मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ राज्य में भाजपा के द्वारा 3100 रुपये धान का समर्थन मूल्य दिए जाने की घोषणा की गई थी ।छत्तीसगढ़ में तो वादा को पूरा किया गया लेकिन मध्यप्रदेश में इसे पूरा नहीं किया गया है।जिससे किसान परेशान है।जो मजबूरी में 2369 रुपये के दाम पर फसल बेचने के लिए स्लाट बुक करा रहे है।हालांकि पहले दिन काफी कम संख्या में किसान ने धान बिक्री के लिए स्लाट बुक कराया।

सरकार बनाने के लिए किसानों को ठगा गया है- काशीराम

स्लाट बुक कराने के लिए गोंगलाई मंडी पहुंचे भटेरा के किसान काशीराम गंगोज ने बताया कि आज से धान खरीदी का कार्य शुरू कर दिया गया है, लेकिन स्लॉट बुक नहीं हो पाया था। इसलिए स्लॉट बुकिंग करने आए हैं, हमारे पास करीब 80 से 90 कट्टी धान है ।उन्होंने बताया कि सरकार ने चुनाव के समय 3100रु प्रति क्विंटल धान खरीदने की घोषणा की थी ।लेकिन पिछले वर्ष 2300 रुपए क्विंटल के हिसाब से धान खरीदी की गई,जबकि इस 2369 रुपए क्विंटल के हिसाब से धान की खरीदी की जा रही है। महज 69 पैसे प्रति क्विंटल में इजाफा किया गया है जो ऊंट के मुंह में जरा है। उन्होंने बताया कि किसान मर रहा है, सरकार बनाने के लिए सरकार ने 3100 रु में धान खरीदने का झूठ बोला था। इतने कम दाम में धान खरीदी जा रही है इसमें तो हमारी लागत भी नहीं निकल पाएगी। हम अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। दुनिया के साथ-साथ सरकार भी किसानों को ठगने के काम में लगी हुई है।

समर्थन मूल्य 2369 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है -ठाकुर

जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी आर के ठाकुर ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान की बिक्री के लिए 16 हजार 247 किसानों द्वारा स्लाट बुकिंग की जा चुकी है।पहले दिन 1 दिसंबर को बालाघाट जिले में 54 किसानों से 57 लाख 55 हजार 722 रुपए का 2430 क्विंटल धान खरीदा गया है। समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी के लिए जिले में कुल 185 केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें से 59 केन्द्र गोदाम स्तर पर और 126 केंद्र समिति स्तर पर बनाए गए हैं। एफ ए क्यू क्वालिटी की धान समर्थन मूल्य 2369 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदी जा रही है। चालू खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 20 जनवरी 2026 तक की जाएगी।।

पीएम जनमन योजना से बदला बैगा समुदाय की सुमत्री बाई की जिन्दगी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले के बैहर विकासखंड के ग्राम जत्ता की विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय की महिला सुमत्री बाई का जीवन अब पूरी तरह बदल चुका है। पीएम जनमन योजना ने सुमत्री के सपनों को हकीकत में बदल दिया है। पहले वह मिट्टी और फूस से बने कच्चे घर में रहती थीं, जहां बरसात के दिनों में टपकती छत और टूटती दीवारें हमेशा चिंता का कारण बनी रहती थीं। लेकिन अब उसकी दुनिया बदल गई है। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत उन्हें सीमेंट-कांक्रीट का पक्का मकान मिला है, जिसे देखकर गांव में उनका सम्मान बढ़ा है और उनके जीवन में सुरक्षा व स्थिरता की नई रोशनी आई है। सुमत्री ने बताया कि पक्का मकान मिलने से वह बहुत खुश है। अब उसे बारिश की चिंता नहीं करनी होगी और न ही मेहमान आने पर किसी तरह की शर्मिंदगी का सामना करना होगा। छोटा ही सही पर पक्का घर अब उनके आत्मसम्मान की पहचान बन चुका है। वनोपज संग्रहण और मजदूरी करके परिवार चलाने वाली सुमत्री बाई ने कभी नहीं सोचा था कि उनका अपना मजबूत घर होगा, लेकिन सरकार की योजना ने उनका यह सपना पूरा कर दिया। साक्षर न होने के बावजूद सुमत्री बाई शिक्षा का महत्व बखूबी जानती हैं। वह अपने बच्चों को अच्छी पढ़ाई के लिए प्रेरित करती हैं, ताकि वे उससे बेहतर जीवन पा सकें। सुमत्री बाई को अब गांव में ही मनरेगा में नियमित काम मिल जाता है। साथ ही उन्हें कई योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन के तहत मासिक पेंशन, पोषण आहार योजना से हर माह 1000 रुपये, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत हर माह 35 किलो मुफ्त राशन, आयुष्मान कार्ड, जिससे 5 लाख रुपये तक का मुफ्त उपचार जैसी योजनाओं ने सुमत्री के जीवन की कठिनाइयों को कम किया है और भविष्य को सुरक्षित बनाया है। पीएम जनमन योजना ने केवल एक मकान नहीं दिया, बल्कि सुमत्री बाई के जीवन में सुरक्षा, सम्मान, आत्मविश्वास और भविष्य की नई उम्मीदें भर दी हैं। आज उनका पक्का घर इस बात का प्रतीक है कि सरकारी योजनाएं सही हाथों में पहुंचें तो किसी का जीवन सचमुच बदल सकता है।

बालाघाट के उमंग स्वास्थ्य केंद्र की काउंसलर ने व्यापार मेले में दी सेवाएं

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। दिल्ली में 14 से 27 नवंबर तक भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला का आयोजन किया गया, जहां देश के विभिन्न राज्यों की कला, संस्कृति, पहनावा, खानपान के साथ सरकार की योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई। इस व्यापार मेले में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की भी प्रदर्शनी लगायी गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत 10 से 19 वर्ष की आयु वर्ग के किशोर बच्चों की पोषण आहार, मानसिक स्वास्थ्य और किशोर अवस्था में परिवर्तन विषय पर काउंसलिंग करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा मप्र से 9 काउंसलर का चयन किया गया। जिसमें प्रदेश के चयनित 9 काउंसलर में बालाघाट की रोशनी टेम्भरे ने अपनी सेवाए दी। रोशनी बालाघाट के जिला चिकित्सालय के उमंग स्वास्थ्य केंद्र में किशोर बच्चों को परामर्श देने का कार्य करती हैं। इस उपलब्धि से रोशनी ने जिले का नाम रोशन किया है तथा शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई प्रेषित की है।

क्या है उमंग स्वास्थ्य केंद्र

जिला अस्पताल में किशोर बच्चों के लिए उमंग स्वास्थ्य केंद्र का संचालन होता है। यहां अनुपमा एजुकेशन सोसायटी द्वारा चयनित परामर्शदाता रोशनी टेम्भरे अपनी सेवा देती हैं। रोशनी ने बताया कि किशोर अवस्था मनुष्य के जीवन की बहुत महत्वपूर्ण अवस्था है जिसमें व्यक्ति में कई परिवर्तन होते हैं। इस अवस्था में व्यक्ति अपनी पहचान को खोजता है और अपने व्यक्तित्व का विकास करता है। साथ ही भाग दौड़ भरी जिंदगी में अनियमित दिनचर्या, परिवर्तित होते खानपान, बढ़ते तनाव और बच्चों से बढ़ती हमारी अपेक्षाओं के कारण बच्चों की देखभाल करना बहुत जरूरी हो गया है।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से सरकार का यही लक्ष्य है कि हमारे किशोर शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से स्वस्थ रहें क्योंकि आज के किशोर कल के युवा हैं। उमंग स्वास्थ्य केंद्र में किशोर बच्चों से जुड़े विषयों पर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक काउंसलिंग का कार्य किया जाता है। सप्ताह में दो दिन मंगलवार और शुक्रवार को सरकारी स्कूल, कॉलेज, हॉस्टल, आंगनवाड़ी जैसे संस्थानों में सत्र आयोजित करके बच्चों को जानकारी दी जाती है। साथ ही जो बच्चे सीधे तौर पर काउंसलिंग कराने में असहज महसूस करते हैं उनके लिए जस्ट आस्क चैटबाट (8657024841), टेली मानस हेल्पलाइन नंबर- 14416, मनहित एप्लीकेशन जैसी महत्वपूर्ण सेवा भी सरकार द्वारा संचालित की जा रही है।

चांदनी चौक नेवरगांव में मेले का आयोजन आज

देवी जागरण में मशहूर गायिका शेफाली शाह व रुपाली की होंगी शिरकत, कॉमेडी व रंगारंग कार्यक्रम के होंगे आयोजन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। पिछले 3 वर्षों से निभाई जा रही परम्परा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी 02 दिसम्बर मंगलवार को नेवरगांव (चरेगांव) में दिन -रात का मेले का आयोजन किया गया है ।बताया गया कि नेवरगांव में मेले का चतुर्थ वर्ष है इस मेले का आयोजन चांदनी चौक सार्वजनिक मेला उत्सव समिति द्वारा किया जाता है जिससे ग्राम में एकता व भाईचारा ब ?ता है,साथ ही ग्रामीणजनों का मनोरंजन भी होता है। इस वर्ष मेले में रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए समिति द्वारा रात्रि 8 बजे से देवी जागरण के पश्चात, नागपुर का मशहूर अम्बे म्यूजिकल ग्रुप व आर्केस्ट्रा कार्यक्रम रखा गया है ।आयोजन में मशहूर गायिका शेफाली शाह व रुपाली भी शिरकत करेंगी ,साथ ही अपनी धमाकेदार कॉमेडी के लिए प्रसिद्ध अमित जोसेफ भोपाली, अपनी टीम के साथ उपस्थित होकर मनोरंजन करेंगे। मेला समिति के अध्यक्ष बलराम जैतवार, संतोष रहाँगडाले, आशीष रहाँगडाले, विकास यादव, सागर यादव, दुर्गेश बिसेन,पंकज जैतवार, ऋषि चौहान, मुकेश टरंडे एवं समिति के संरक्षक मंडल, कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा मेले में अधिक से अधिक संख्या में चांदनी चौक पहुंचकर कार्यक्रम व मेले का आनंद लेने की अपील की गई है।

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु युवक-युवती की आवश्यकता है
कंप्यूटर ज्ञान आवश्यक है, वारासिवनी के आसपास के लोग ही संपर्क करें।
-पता-
श्री फाइनेंस वारासिवनी
9329595770

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु चपरासी युवकी की आवश्यकता है
बालाघाट एवं आसपास के रहने वाली ही संपर्क करें
वेतन - 12000+
मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)मो. 9201340520

सांसद भारती पारधी ने संसद में उठाया बच्चों के पोषण और आंगनबाड़ी सुधार का मुद्दा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत के साथ ही बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने छोटे बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और आंगनबाड़ी केंद्रों की गुणवत्ता सुधार से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे को सदन में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। नियम 377 के तहत यह विषय रखा गया, जिसमें प्रतिदिन केवल 30 सदस्यों को ही बोलने का अवसर मिलता है। सत्र के पहले ही दिन सांसद भारती पारधी का 7वें नंबर पर चयन होना उनकी सक्रियता, प्रतिबद्धता और जनता के प्रति संवेदनशील प्रतिनिधित्व का प्रमाण है।

आंगनबाड़ी प्रणाली को सुदृढ़ बनाने पर दिया विशेष जोर

सांसद पारधी ने महिला एवं बाल विकास मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि निजी प्ले-स्कूलों के बढ़ते प्रभाव के कारण 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों की आंगनबाड़ी में उपस्थिति लगातार घट रही है। ऐसे में आंगनबाड़ी केंद्र, जो पहले निःशुल्क पोषण, प्रारंभिक शिक्षण और प्रथम विद्यालय का रूप थे, अब अपनी मूल पहचान खोते जा रहे हैं। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक, आकर्षक और प्रभावी बनाने के लिए कई अहम सुझाव सदन में पेश किए।

सांसद द्वारा रखी गई प्रमुख माँगें

विद्यालयी प्रवेश की न्यूनतम आयु 6 वर्ष निर्धारित की जाए। आंगनबाड़ी पूर्ण करने वाले बच्चों को 'पासआउट प्रमाणपत्र' दिया जाए, जिससे उन्हें सीधे

स्कूलों में प्रवेश मिल सके। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पेशेवर शिक्षक के रूप में प्रशिक्षित किया जाए। 3 वर्ष से आयु-वार संरक्षित पाठ्यक्रम और वार्षिक प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य की जाए। केंद्रों में पर्याप्त स्टोरेज, मोबाइल रजिस्टर, ग्रोथ चार्ट और शिक्षण खिलौनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सभी आंगनबाड़ी केंद्र विभागीय भवनों में संचालित हों ताकि स्थायी और सुरक्षित वातावरण मिल सके। पोषण ट्रैकर जैसे डिजिटल साधनों द्वारा पेपरलेस व्यवस्था लागू की जाए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्थायी कर्मचारी का दर्जा, अलग मानदेय और स्पष्ट पदोन्नति नियम निर्धारित किए जाएँ। हर आंगनबाड़ी केंद्र में डिजिटल वेट मशीन अनिवार्य रूप से स्थापित की जाए।

सांसद की पहल को मिली सराहना

सांसद भारती पारधी द्वारा उठाया गया यह विषय देश के लाखों बच्चों, माताओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से जुड़ा होने के कारण विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन सुधारों को लागू किया जाता है, तो आंगनबाड़ी प्रणाली अधिक प्रभावशाली, सुदृढ़ और बच्चों के समग्र विकास में सक्षम बन सकती है। सत्र के पहले ही दिन इस महत्वपूर्ण मुद्दे को प्राथमिकता से उठाकर सांसद पारधी ने एक बार फिर सिद्ध किया कि वह क्षेत्र की समस्याओं, जनभावनाओं और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर सदैव सजग और सक्रिय रहती हैं।

लामता साख समिति में धान खरीदी हुआ प्रारम्भ

पहले दिन 2 किसानो ने धान खरीदी परिसर में लाये अपनी उपज।

पद्मेश न्यूज ।लामता। शासन के आदेशानुसार आज से सभी धान खरीदी केन्द्रो में धान खरीदी का कार्य प्रारम्भ किया जाना था उसी तारत्मय में लामता साख समिति द्वारा धान खरीदी केंद्र में सभी आवश्यक सामग्री के साथ धान खरीदी करने हेतु श्री गणेश किया गया, खरीदी के प्रथम दिन 9 किसानो ने अपने स्लाड बुक किये, जिसमे से दो किसानो ने अपनी धान की उपज धान खरीदी परिसर में लाया गया, तकनीकी खराबी होने के कारण किसानो से धान नही खरीदा गया। इस अवसर में जिला सहकारी मर्यादित बैंक के मैनेजर श्री बिसेन जी, लामता साख समिति के प्रबंधक मोहन पाटिल, धान खरीदी प्रभारी शैलेन्द्र बेलजी, ऑपरेटर श्री माहुले,, साख समिति के कर्मचारी,पूर्व जनपद सदस्य होमन बागरेश, क्षेत्र के कृषक एवं हमाल के समक्ष तौलक सामग्री की विधि विधान से पूजन किया गया । बैंक मैनेजर श्री बिसेन ने बताया की किसानो के लिए बैठक व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था किया गया हैँ। इसी प्रकार चरेगांव, टाकाबर्रा, घुनाड़ी, चांगोटोला,गुडरू एवं मोहगांव के धान खरीदी केन्द्रो में भी धान खरीदी कार्य का शुभारम्भ किया गया साफ्ट वेयर बंद होने के कारण धान खरीदी नही की गई ।किसानो ने स्लाड बुक कराकर धान खरीदी केंद्र में लाकर रखे हैँ।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

प्रसूता अपने अजन्में बच्चे को बचाने चीखती रही, डॉक्टर बोली-'मेरी ड्यूटी खत्म!!'

अधिक ब्लडिंग होने से, पेट मे थम गई बच्चे की धड़कन, मृत्यु हुई, परिजनों और आशा ने मचाया हंगामा, महिला चिकित्सक पर लगाए लापरवाही के आरोप

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

उपचार में लापरवाही और परिजनों से पैसे मांगने के आरोप में हाल ही में जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर की महिला चिकित्सक गीता बारमाटे को सस्पेंड किया गया है। इसके बावजूद भी जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर के हालात सुधरते नजर नहीं आ रहे हैं। जहां के चिकित्सको पर आए दिनो उपचार में लापरवाही बरतने के आरोप लग रहे है।अक्सर विवादों और अव्यवस्थाओं के लिए मशहूर जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में सोमवार की सुबह उस वक्त हंगामा मच गया, जब अत्यधिक मात्रा में ब्लडिंग होने पर प्रसव के लिए भर्ती एक गर्भवती महिला को सीजर ऑपरेशन के लिए, ऑपरेशन कक्ष के भीतर तो ले जाया गया।लेकिन बिना ऑपरेशन करे ही प्रसूता को महिला चिकित्सक ने यह कहकर वापस कर दिया कि उनकी ड्यूटी का समय खत्म हो गया है।अब दूसरी मैडम आएगी वो प्रसव कराएंगी।उधर अत्यधिक मात्रा में ब्लडिंग होने से गर्भवती महिला के पेट मे ही बच्चे की धड़कने थम गई।जिससे बच्चे की मौत हो गई। बावजूद इसके भी चिकित्सक द्वारा इमरजेंसी में भी उपचार न करने और इंतजार के बाद भी समय पर दूसरी मैडम ड्यूटी पर ना आने पर आशा कार्यकर्ता और प्रसूता के परिजन नाराज हो गए और उन्होंने महिला चिकित्सक पर लापरवाही बरतने और उपचार न किए जाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा मचाया।तो वही आशा कार्यकर्ता अनिता जामुनपाने ने महिला चिकित्सक पर बदसलूकी कर, अपशब्दों का उपयोग किए जाने का आरोप लगाया गया है।जिन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच कर, महिला चिकित्सक श्रीमती रश्मि बाघमारे पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना वारासिवनी ग्राम शेरपार निवासी 20 वर्षीय गर्भवती महिला झरना पति अजय डहरवाल को रात्रि करीब 4 बजे प्रसव पीड़ा होने के साथ ही साथ ब्लडिंग शुरू हो गई।जिसपर आशा को सूचित कर सोमवार की सुबह करीब 6 बजे प्रसूता को जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था।जहां इमरजेंसी केस में पहले ब्लड लेने के लिए आशा व परिजनों को परेशान होना पड़ा, आशा के मुताबिक अत्यधिक मात्रा में ब्लड का रिसाव होने और महिला चिकित्सक के न होने की शिकायत जब उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से की तब कहीं जाकर रश्मि

बागमरे मैडम ने प्रसूता को देखा। इमरजेंसी केस होने पर महिला को ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया,लेकिन बाद में यह कहते हुए वापस कर दिया कि उनकी ड्यूटी का समय खत्म हो गया है,और बच्चे की धड़कन भी नहीं चल रही है अब जो मैडम ड्यूटी पर आएगी वह ऑपरेशन करेंगी। ऐसा कह कर मैडम चली गई। जहां आशा ने महिला चिकित्सक पर अपशब्द कहे जाने का आरोप लगाते हुए परिजनों के साथ हंगामा मचाया। तब कहीं जाकर ड्यूटी पर आई दूसरी महिला चिकित्सक द्वारा ऑपरेशन कर प्रसूता के पेट से मरे हुए बच्चे को बाहर निकाला गया।

आशा और परिजनों ने की कार्यवाही की मांग

उधर पेट में ही बच्चे की मौत होने पर प्रसूता के परिजनों ने महिला चिकित्सक रश्मि बाघमारे पर उपचार में लापरवाही और आशा के साथ बदसलूकी किए जाने का आरोप लगाते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर ड्यूटी चिकित्सक व स्टाफ पर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

लापरवाही से हुई है बच्ची की मौत- परिजन

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान प्रसूता की सास संगीता डहरवाल और परिजन लता उचबगले ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रसूता को बहुत ज्यादा तकलीफ हो रही थी, हमने मैडम से ऑपरेशन करने के लिए कहा तो मैडम भड़क गई, उन्होंने ऑपरेशन करने से इनकार कर दिया। हमारे अलावा आशा कार्यकर्ता के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। जैसे तैसे ऑपरेशन थ्रेटर में सीजर के लिए ले गए, लेकिन ड्यूटी खत्म हो गई बोलकर उसे वापस कर दिया। यहां पर चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ हम पर ही हावी हो रहे हैं यदि समय पर उपचार मिल जाता तो बच्ची की जान बच जाती, लापरवाही से ही बच्ची की मौत हुई है।

मामले में की जाए वैधानिक कार्यवाही- अनीता

गर्भवती महिला का प्रसव करने हितग्राही को ट्रामा सेंटर लेकर पहुंची जिला आशा उषा सहयोगिनी संगठन जिला अध्यक्ष अनीता जमुनपाने ने बताया कि प्रसूता को समय पर उपचार नहीं मिला, रश्मि मैडम हितग्राही से पूछ रही थी कि सिजर करना है या नॉर्मल डिलीवरी करना है, जबकि केस देखकर मैडम ने पहले ही सीजर कर देना था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। हमने जब सीजर कर बच्चे को बाहर निकालने कहा तो मैडम भड़क गई, उल्टा सीधा बोलने लगी,अपशब्दों का प्रयोग करने लगी, बोलने लगी की आशा की यहां पर कोई जरूरत नहीं है। जबकि हमारी नियुक्ति ही इसी काम के लिए हुई है, जब भी कोई आशा पेशेंट लेकर यहां आती है तो हमसे अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता, इसकी जानकारी हमने सीएचएमओ को दे दी है। हमारी मांग है कि यहां 24 घंटे चिकित्सक की व्यवस्था होनी चाहिए, इस केस में लापरवाही के चलते प्रसूता के गर्भ में ही बच्चे की मौत हो चुकी है। मैडम ने सीजर के लिए उसे ऑपरेशन थ्रेटर तक ले गई और समय खत्म हो गया कहते हुए उसे वापस कर दी प्रसूता का ऑपरेशन नहीं किया गया। यह लापरवाही का मामला है इसकी जांच होनी चाहिए, साथ में वैधानिक कार्यवाही भी की जानी चाहिए।

हमे जानकारी लगी है कि अस्पताल लाने के पूर्व ही बच्चा मर गया था-उपलप

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जिला चिकित्सा एवं मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि,वे फिलहाल बाहर है। जैसे ही उनके संज्ञान में यह मामला आया था, वैसे ही तुरन्त उन्होंने ब्लड व्यवस्था करा दी थी।ड्यूटी महिला चिकित्सक से सीजर कराकर मृत बच्चे को पेट से निकाला गया है।उन्हें जानकारी लगी थी कि बच्चा पहले ही पेट मे मर चुका था, उसके बाद गर्भवती को जिला अस्पताल लाया गया था।वे अस्पताल आने के बाद इस मामले में आशा और चिकित्सक स्टाफ से जानकारी लेंगे।

एकलव्य मार्शल आर्ट के खिलाड़ियों ने इंटर स्कूल स्टेट कराटे चैम्पियनशिप में जीते 12 मेडल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। सौसर जिले में 30 नवंबर को आयोजित इंटर स्कूल स्टेट कराटे चैम्पियनशिप में

बालाघाट जिले के एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 12 मेडल अपने नाम किए और जिले का मान बढ़ाया। प्रतियोगिता कुशाभाऊ ठाकरे मंगल भवन, सौसर में आयोजित की गई थी, जिसमें प्रदेशभर के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बालाघाट से कुल छह खिलाड़ी और दो रेफरी इस प्रतियोगिता में शामिल हुए। खिलाड़ियों ने काता और कुमिते दोनों वर्गों में अपनी क्षमता का लोहा मनवाया। बालाघाट के पदक विजेता खिलाड़ी त्रिदीप मन्ना काता, रजत पदक, कुमिते, कांस्य पदक, लुषिखा बंसपाल काता, कांस्य पदक, कुमिते, कांस्य पदक, सुजल , काता, रजत पदक, कुमिते- कांस्य पदक , आर्या रहांगडाले ङ्क काता-कांस्य पदक, कुमिते- रजत पदक , विहान बिसेन , काता-स्वर्ण पदक, कुमिते, स्वर्ण पदक , यथार्थ गर्दे , काता- स्वर्ण पदक, कुमिते, रजत पदक जीता हैं , प्रतियोगिता में रेफरी , प्रवीण नन्हेट और छाया नरवास को उनके योगदान के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। साथ ही, बेस्ट टीम ट्रॉफी भी बालाघाट की टीम को प्रदान की गई। अकादमी के प्रशिक्षकों और अभिभावकों ने खिलाड़ियों की मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यातायात जन जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सीपीआर का महत्व समझाया जा रहा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। इन दिनों यातायात जन जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा को लेकर विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ लगातार आयोजित की जा रही हैं। इसके तहत यातायात पुलिस द्वारा लोगों को दुर्घटना के समय अपनाए जाने वाले प्राथमिक उपायों तथा यातायात नियमों के पालन की अनिवार्यता के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला मुख्यालय के समीप स्थित ग्राम कनकी में यातायात पुलिस द्वारा एक व्यावहारिक प्रदर्शन आयोजित किया गया। इसमें सड़क दुर्घटना के दौरान गंभीर चोट लगने की स्थिति में कैसे प्राथमिक उपचार देकर किसी व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है, इसकी जानकारी दी गई। यदि दुर्घटना के समय किसी व्यक्ति की सांस रुक जाए या दिल का दौरा पड़ जाए, तो सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) शुरू करना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। पुलिस टीम ने एक व्यक्ति के माध्यम से सड़क पर दुर्घटना जैसी स्थिति प्रस्तुत की ।

जिले में 26 नवंबर से 10 दिसंबर तक यातायात जन जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चल रहे इस अभियान के तहत आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा और सुरक्षित यातायात के नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यातायात थाना प्रभारी यीना रहांगडाले ने बताया कि अभियान के दौरान स्कूल, कॉलेज, प्रमुख बाजार और सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी जा रही है, ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके और जागरूक नागरिकों की संख्या बढ़े। इसी क्रम में जिला मुख्यालय के पास स्थित ग्राम कनकी में सड़क किनारे यातायात पुलिस द्वारा सीपीआर का डेमो प्रस्तुत किया गया। इस दौरान दुर्घटना के दौरान उत्पन्न आपातकालीन स्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह बताया गया कि यदि किसी व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ जाए, सांस रुक जाए, या ऑक्सीजन न मिल पाए, तो सीपीआर तकनीक तुरंत शुरू करना अत्यंत आवश्यक होता है। डेमो में सीने पर दाब और मुंह से सांस देने की प्रक्रिया के क्रम को व्यावहारिक रूप से प्रदर्शित कर ग्रामीणों को जीवनरक्षक तकनीक का महत्व समझाया गया। यातायात थाना प्रभारी ने यह भी बताया की सिर्फ वाहन चलाना ही नहीं, बल्कि सुरक्षित तरीके से चलाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। दोपहिया वाहन चालक हेलमेट अवश्य पहनें। चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाएँ। साथ ही वाहन बीमा कराना भी आवश्यक है, ताकि दुर्घटना की स्थिति में बीमा सुरक्षा कवच की तरह सहायता प्रदान कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि लोग यातायात नियमों का पालन करें और प्राथमिक उपचार की जानकारी रखें, तो दुर्घटनाएँ कम होंगी और कई अनमोल जीवन बचाए जा सकते हैं।

नपा. की योजना शाखा बंद मिलने से आमजन को हुई परेशानी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। नगर पालिका बालाघाट परिसर में बुधवार को योजना शाखा के सामने लोगों की लंबी लाइन देखी गई। जानकारी के अनुसार कई नागरिक अपने कार्यों के निपटारे के लिए योजना शाखा पहुंचे थे, लेकिन शाखा निर्धारित समय में खुली ही नहीं। मौके पर मौजूद नागरिकों से चर्चा में उन्होंने बताया कि वे सुबह 10:00 बजे से योजना शाखा के सामने प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन शाखा का कार्यालय 1:00 बजे तक बंद रहा। नागरिकों ने कहा कि काम की आवश्यकता के चलते वे कई दिनों से नगर पालिका के चक्कर लगा रहे हैं, और आज शाखा के बंद रहने से उन्हें फिर से परेशानी का सामना करना पड़ा। 1 दिसंबर को नगर पालिका बालाघाट की योजना शाखा के बाहर सुबह से ही लोगों की भीड़ बढ़ने लगी। कई नागरिक अपने कार्यों के लिए शाखा पहुंचे थे, लेकिन शाखा के बंद होने से सभी असमंजस में दिखाई दिए। शुरूआत में लोगों के बीच यह

चर्चा भी रही कि संभवत: आज योजना शाखा की छुट्टी होगी, लेकिन जब विभागीय कर्मचारियों से संपर्क किया गया तो स्पष्ट हुआ कि योजना शाखा सुबह से खोली ही नहीं गई है। जानकारी के अनुसार शाखा के सभी कर्मचारी सांदीपनि विद्यालय में आयोजित गीता जयंती कार्यक्रम में चले गए थे, जिसके कारण शाखा बंद कर दी गयी थी । इस स्थिति के चलते हितग्राही सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 से 1:30 बजे तक योजना शाखा के सामने बैठे रहे और अपने कामों के लिए प्रतीक्षा करते रहे। मौके पर मौजूद नागरिकों ने कहा कि वे जरूरी काम से नगर पालिका आए थे लेकिन शाखा के बंद रहने से दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोग दूर-दराज के क्षेत्रों से आए थे, जिन्हें बिना काम हुए वापस लौटना पड़ा। कुछ हितग्राहियों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यक्रम में कर्मचारियों का जाना गलत नहीं है, लेकिन पूरे स्टाफ का एक साथ अनुपस्थित होना और योजना शाखा को बंद कर देना बिल्कुल उचित नहीं है। कम से कम कुछ कर्मचारियों को शाखा में उपस्थित रखा जाना चाहिए था, ताकि नागरिकों को परेशानी न होती। लोगों ने यह भी कहा कि योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए बनाए गए कार्यालय का योजनाओं के समय ही बंद रहना विडंबना है। साथ ही विभाग को इस प्रकार की स्थिति में पूर्व सूचना या नोटिस बोर्ड लगाने की व्यवस्था करनी चाहिए थी, ताकि अनावश्यक भीड़ और प्रतीक्षा से बचा जा सके।

बालिकाओं को आत्मरक्षा के लिये दिया जा रहा प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले के शासकीय स्कूल की बालिकाओं को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह कार्यक्रम जिला परियोजना अधिकारी राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव के निर्देशन में और शिवदयाल शेडे, अर्चना बोरिकर के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण पुलिस विभाग की स्वयं सिद्ध महिला सुरक्षा योजना के तहत

आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य प्रदेश के 2 से 3 लाख शासकीय एवं अशासकीय स्कूल की बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देना है। प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन मुख्य कराटे प्रशिक्षक संतोष पारधी कर रहे हैं। विकासखंड कटंगी सहित जिले के विभिन्न स्कूलों में सहायक प्रशिक्षकों और स्कूल स्टाफ के सहयोग से बालिकाओं को मार्शल आर्ट और अन्य आत्मरक्षा तकनीकें सिखाई जा रही हैं। इसमें कन्या माध्यमिक शाला कटंगी, संदीपनी विद्यालय लेडेझरी, हाई स्कूल बिरसोला, पीएम श्री स्कूल अमेडा, लामता, चंगूटोला, लालबर्रा और जाम स्कूल शामिल हैं।

नाबालिग को छेड़छाड़ करने के आरोप में अजय को 3 वर्ष की सश्रम कारावास

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश गौतम सिह मरकाम की विद्वान अदालत ने एक नाबालिक लड़की से छेड़छाड़ करने के मामले में आरोपी अजय पिता बसंत टेकाम 28 वर्ष को 3 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई विद्वान । यह आरोपी ग्राम भरगा पोस्ट गगई तहसील लखनादौन जिला सिवनी निवासी है। जिसे विद्वान अदालत ने 3000 रुपये अर्थदंड से भी दंडित किये है। अजय टेकाम ग्रामीण थाना नवेगांव के अंतर्गत आने वाले रेत घाट तुमड़ीटोला मैं काम करता था। 13 जून 2024 को दिन के 12:30 बजे जब यह नाबालिक लड़की अपने घर के सामने खेल रही थी तभी अजय टेकाम ने इस लड़की के साथ छेड़छाड़ कर दी थी। जिसके चिल्लाने पर उसकी मां दौड़ी और अजय टेकाम को झापड़ मारी और लकड़ी से मारपीट की थी। भागते समय अजय टेकाम रास्ते में गिर गया था। लड़की की मां के द्वारा की गई रिपोर्ट पर ग्रामीण थाने में अजय टेकाम के विरुद्ध भारतीय दंड विधान और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया और इस अपराध में अजय टेकाम कर अभियोग पत्र पेश किया गया था। हाल ही में यह मामला लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विद्वान विशेष न्यायाधीश गौतम सिह मरकाम की अदालत में चला। जहां अभियोजन पक्ष अजय टेकाम के विरुद्ध आरोपित अपराध सिद्ध करने में सफल रहा। जिसके परिणाम स्वरुप विद्वान अदालत ने मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी अजय टेकाम को धारा 354-क(1)(i) भादवि के तहत अपराध में 1 वर्ष का सश्रम कारावास और 1000 रुपये अर्थदंड, धारा 7/8 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के अनुकल्पित धारा 354 भादवि के तहत अपराध में 3 वर्ष का सश्रम कारावास और 2000 रुपये अर्थदंड से दंडित किये। अभियोजन की ओर से इस मामले की पैरवी सहायक संचालक अभियोजन कपिल कुमार डेहरिया के मार्गदर्शन में श्रीमती आरती कपले विशेष लोक अभियोजन द्वारा की गई थी।

अंडर 18 और सीनियर पुरुष क्रिकेट खिलाडियों का चयन आज

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिला क्रिकेट संघ सचिव निशांत मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आगामी समय मे अंडर 18 व सीनियर पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है।जिसके लिए बालाबाट जिले की मजबूत टीम बनाने के लिए खिलाडियों का चयन उनके उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर मंगलवार की शाम करीब 4 बजे नगर के मुलना स्टेडियम में किया जाएगा। जिसमें मुख्य चयनकर्ता, शशी वर्मा, सलीम अन्सारी, वासीद कुरैशी और महेन्द्र सोनवाने दोनों ही आयु वर्ग की मजबूती टीम के लिए खिलाडियों का चयन करेंगे। चयनकर्ता खिलाडियों की फिटनेस, तकनीक, खेल कौशल और प्रदर्शन के आधार पर टीम का गठन करेंगे।जिला क्रिकेट संघ ने कहा है कि यह अवसर उन खिलाडियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जो जिला और राज्य स्तर पर क्रिकेट में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। ट्रायल में अधिक संख्या में खिलाडियों की भागीदारी से जिले की मजबूत और प्रतिभाशाली टीम तैयार करने में मदद मिलेगी।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लामटा में गीता पाठ का किया आयोजन

पद्मेश न्यूज ।लामता। मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लामटा में आज शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा श्रीमद्भगवद् गीता पाठ का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्यतिथि स्मिता तेकाम जिला पंचायत सदस्य एवं ब्लाक कोर्डिनेटर अशोक चौधरी के उपस्तिथि में गीता पाठ किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, आत्म-अनुशासन और आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना और मंत्रोच्चारण से हुई, जिसके पश्चात् अध्यापकों ने गीता के विभिन्न अध्यायों का सामूहिक पाठ करवाया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए गीता के उपदेशों—कर्तव्य, समर्पण और सदाचार—को समझा। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि ऐसे आयोजन छात्रों में सकारात्मक सोच, मानसिक एकाग्रता और चरित्र निर्माण को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। समापन पर प्रधानाचार्य द्वारा सभी को गीता के संदेशों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया।

विद्या के साथ-साथ संस्कारों को भी विद्यार्थियों के जीवन में स्थापित करना है - किशोर

सांदीपनि स्कूल में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन, विद्यार्थियों ने जाना गीता का महत्व

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनि स्कूल लालबर्रा में 1 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम शिक्षा समिति सभापति किशोर पालीवाल के मुख्य आतिथ्य, जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, भाजपा मंडल प्रसन्न अवधिया, विधायक प्रतिनिधि सुमित स्वामी, अधिवक्ता बाबूलाल सर्राठे, विकासखंड शिक्षा अधिकारी वायआर गजभिये, बीआरसी श्रीराम तुरकर व अन्य जनप्रतिनिधि के विशेष आतिथ्य एवं स्कूल प्राचार्य सनत दुबे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात पंडित आचार्य विमल मिश्रा के द्वारा मंत्रोच्चारण एवं श्रीमद् भागवत गीता के पन्द्रहवें अध्याय के श्लोकों का वाचन किया गया। जिसके बाद शंखनाद, स्वस्तिवाचन, प्रेरणागीत, गायनानुगायन, स्वास्ध्यायपत्रक सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान श्रीमद् भागवत गीता पाठ का विद्यार्थियों ने गीता के श्लोकों का पाठ किया, उसके अर्थ को सरल शब्दों में प्रस्तुत किये। वहीं विद्यार्थियों ने गीता जयंती महोत्सव कार्यक्रम के माध्यम से गीता के महत्व के बारे में जाना और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक हुए। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों को गीता जयंती महोत्सव के महत्व के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह कर्म, धर्म और जीवन जीने की कला सिखाने वाला एक महान दर्शन है। इसलिए अपने जीवन में निष्काम कर्म के सिध्दांत को अपनाने की आवश्यकता है सहित अन्य आवश्यक जानकारियां भी दी ताकि गीता के सार्वभौमिक सत्य और ग्रंथ को सभी जान सके। शिक्षा समिति सभापति किशोर पालीवाल ने बताया कि एक ओर जहां शिक्षण संस्थानों में पुस्तकों, विभागों और विषयों के माध्यम से शिक्षा का ज्ञान प्राप्त होता है, वहीं सार्वजनिक जीवन में संस्कारों का हास होता जा रहा है। इस गंभीर विषय को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। श्री पालीवाल ने बताया कि इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य विद्या के साथ-साथ संस्कारों को भी छात्र और छात्राओं के जीवन में पुन: स्थापित करना है और ब'चों को सनातन धर्म के प्रति जागरूक कर आगे बढ़ाना है। भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव को प्रदेशभर में मनाकर सनातनियों का मान बढ़ाया गया है और इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चें बचपन से ही भागवत गीता के बारे में जानकर भारतीय संस्कृति से जुडेगें। आज का दिन हम सब के लिए ऐतिहासिक दिन है कि प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव जी ने अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव मनाकर सभी को सनातनी धर्म से जोड़ने एवं गीता, भागवत के महत्व को समझने की बात कही है और स्कूली बच्चें भी इस कार्यक्रम से भागवत गीता के महत्व को जाना है। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन शिक्षक सुनिल बाहेश्वार के द्वारा किया गया। इस अवसर पर संजीव अवधिया भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष लालबर्रा, रामनाथ स्वामी समाजसेवी, शिक्षक धनपाल चौधरी, लक्ष्मी ठाकरे, श्रीमती अंजूलता सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मार्केटिंग सोसायटी खरीदी केन्द्र में समर्थन मूल्य में धान खरीदी कार्य का हुआ श्रीगणेश

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। शासन के निर्देशानुसार बालाघाट जिले सहित लालबर्रा विकासखण्ड में 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य में धान खरीदी कार्य शुरू हो चुकी है। इसी निर्देश के परिपालन में नगर मुख्यालय के समीप मानपुर स्थित मार्केटिंग सोसायटी धान खरीदी केन्द्र में 1 दिसंबर को समिति प्रबंधक श्री चंदेल के द्वारा विधि-विधान से पूजा अर्चना कर समर्थन मूल्य में धान खरीदी कार्य का श्रीगणेश किया गया है। लेकिन प्रथम दिन एक भी किसान से उपज नही खरीदा गया क्योंकि 3 दिसंबर की तिथि से स्लाट बुक किसानों ने करवाया गया है। यानि की सुचारू रूप से 3 दिसंबर से किसानों की उपज समर्थन मूल्य 2369 रूपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जायेगी। वहीं समर्थन मूल्य में धान खरीदी की तैयारी समिति के द्वारा पूरी कर ली गई है। इसी तरह जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली 9 सेवा सहकारी समितियों में बनाये गये 14 धान खरीदी केन्द्रों में भी 1 दिसंबर से धान खरीदी का कार्य प्रारंभ हो चुका है और किसान अपनी सुविधानुसार खरीदी केन्द्रों में पहुंचकर उपज विक्रय कर रहे है। चर्चा में मार्केटिंग सोसायटी मानपुर के प्रबंधक श्री चंदेल ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य में धान खरीदी के निर्देश मिले थे। इसी निर्देश का परिपालन करते हुए 1 दिसंबर को तौलने का काटा एवं अन्य मशीनों की पूजा अर्चना कर धान खरीदी कार्य का श्रीगणेश किया गया है और प्रथम दिन उपज विक्रय करने के लिए किसी भी किसान ने स्लाट बुक नही करवाये थे इसलिए प्रथम दिन सिर्फ धान खरीदी कार्य का श्रीगणेश किया गया है। 3 दिसंबर के बाद से किसानों ने उपज विक्रय करने के लिए स्लाट बुक करवाये है इसलिए 3 दिसंबर से किसान उपज लेकर आयेगें और समर्थन मूल्य 2369 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जायेगी। किसानों से अपील है कि खरीदी केन्द्र पहुंचकर उपज विक्रय करें। इस अवसर पर समिति के कर्मचारी, तौलक एवं हम्माल मजदूर उपस्थित रहे।

28 वर्ष की सेवा के बाद शिक्षक युवराज ठाकरे हुए सेवानिवृत्त

गोंडीटोला सेलवा के शास. प्राथ. स्कूल में विदाई समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन, बैंड-बाजे के साथ दी गई विदाई

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर ग्राम पंचायत बगदेही के अंतर्गत आने वाले ग्राम सेलवा के गोंडीटोला स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे समर्पित व कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक युवराज ठाकरे 28 वर्ष की शैक्षणिक यात्रा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गये। शिक्षक युवराज ठाकरे के सेवानिवृत्त होने पर शासकीय प्राथमिक स्कूल गोंडीटोला सेलवा में 1 दिसंबर को विदाई समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम संकुल प्राचार्य आरसी बिसेन, सेवानिवृत्त शिक्षक युवराज ठाकरे सहित अन्य शिक्षकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सेवानिवृत्त शिक्षक युवराज ठाकरे का तिलकवंदन कर शाल, श्रीफल, उपहार और सम्मान-पत्र प्रदान कर उनके सेवाभाव और समर्पण के लिए हृद्यपूर्वक सम्मानित कर उन्हे विदाई दी। आपकों बता दे कि जनपद पंचायत लालबर्रा के ग्राम सेलवा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला गोंडीटोला में 3 नवम्बर 1997 को शिक्षक के पद पर पदस्थ हुए युवराज ठाकरे ने 1 दिसम्बर 2025 को अपनी सेवाओं का सफलतापूर्वक 28 वर्ष पूर्ण कर सेवानिवृत्ति ग्रहण कर ली। उनकी सेवानिवृत्ति पर विद्यालय परिसर में एक भावनात्मक एवं गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। वहीं विदाई समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों ने सेवानिवृत्त शिक्षक श्री ठाकरे के शिक्षा क्षेत्र में दिये गये योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी लम्बी सेवा अवधि में विद्यालय में शिक्षण व्यवस्था, अनुशासन, नैतिक शिक्षा व छात्र विकास को सर्वों'च प्राथमिकता दी है। वहीं विदाई समारोह के पश्चात ग्रामवासी एवं विद्यालय परिवार ने बैंड-बाजे के साथ शोभायात्रा निकालकर सेवानिवृत्त शिक्षक श्री ठाकरे को सम्मानपूर्वक उनके घर तक पहुंचाया। यह दृश्य सभी के लिए भावुक एवं अविस्मरणीय रहा। चर्चा में सेवानिवृत्त शिक्षक युवराज ठाकरे ने बताया कि मैं भले ही विभाग से सेवानिवृत्त हो गया हूं, लेकिन शिक्षा से मेरा संबंध कभी समाप्त नहीं होगा। मैं अपने गांव के बच्चों को आगे भी शिक्षित करने का कार्य करता रहूंगा और शिक्षा को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहूंगा। इस अवसर पर संकुल प्राचार्य आरसी बिसेन, सेवानिवृत्त शिक्षक के परिजन, शिक्षा विभाग के शिक्षकगण, गणमान्य नागरिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव एवं विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ, रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में 1 दिसंबर को "अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव एवं विश्व एड्स दिवस" कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भगवान श्रीकृष्ण के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात शासन के निर्देशानुसार भागवत गीता पाठ का 15 वें अध्याय का सीधा प्रसारण महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के समक्ष किया गया एवं भगवान श्रीकृष्ण व भागवत गीता से संबंधित प्रदर्शनीय का भी आयोजन किया गया। इस तरह से अंतर्राष्टीय गीता जयंती महोत्सव एवं विश्व एड्स दिवस मनाकर दोनों के बारे में विद्यार्थियों को बताया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. नरेश सौलखे के द्वारा गीता महोत्सव के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला गया। डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने एड्स की जागरूकता के संबंध में जानकारी प्रदान की। वहीं महावद्यिालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा ने विद्यार्थियों को गीता के महत्व के बारे में बताते हुए जीवन में उनके विचारों को उतारने की सलाह दी। साथ ही विद्यार्थियों को एड्स के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दी एवं इसके फैलने के कारणों, रोकथाम के उपाय भी बताये। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं डॉ. देवराज चौरे द्वारा भगवत् गीता के सार पर प्रकाश डालते हुए उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, श्रीमती संध्या परते, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, व्यंकटरमन नगपुरे, सरिता ऐड़े, श्रीमती वंदना कुर्वे, रामदयाल मथारे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

विकासखण्ड स्तरीय दिव्यांग खेल-कूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कुर्सी दौड़, रंगोली, गायन, दौड़ एवं नृत्य सहित अन्य प्रतियोगिता में दिव्यांग बच्चों ने दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल खेल मैदान में 3 दिसंबर को मनाये जाने वाले विश्व विकलांग दिवस के उपलक्ष्य में जनपद शिक्षा केन्द्र के द्वारा 1 दिसंबर को विकासखंड स्तरीय दिव्यांग खेल-कूद प्रतियोगिता संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर के मुख्य आतिथ्य एवं बीआरसी श्रीराम तुरकर की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस विकासखण्ड स्तरीय दिव्यांग खेल-कूद प्रतियोगिता में 50 मीटर, 100 मीटर दौड़, कुर्सी दौड़, मटकी फोड़, रंगोली, नृत्य एवं गायन सहित अन्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विकासखण्ड स्थित शासकीय स्कूलों में कक्षा पहली से आठवीं कक्षा में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चें शामिल हुए और इन खेलों में दिव्यांग बच्चों ने उत्साह के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं आयोजित खेल-कूद प्रतियोगिता में चयनित बच्चें आगामी 3 दिसंबर को विश्व विकलांग दिवस पर जिला स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता में विकासखण्ड का प्रतिनिधित्व करेगें। इस तरह से दिव्यांग बच्चों ने न केवल शारीरिक खेलों में, बल्कि रचनात्मक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और 50 मीटर और 100 मीटर दौड़ जैसी एथलेटिक स्पर्धाओं में दिव्यांग बच्चों ने दृढ़ संकल्प का परिचय दिया है। इन प्रतियोगिताओं में उन्होंने यह साबित कर दिया कि वे किसी भी चुनौती से निपटने में सक्षम हैं। वहीं खेल-कूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों के हस्ते प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने विश्व विकलांग दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते से दिव्यांग बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा की और कहा कि यह आयोजन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि इन बच्चों की क्षमता और अदम्य भावना का उत्सव है। सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी इसी उत्साह से आगे बढ़ने की बात कही। चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि विकासखण्ड स्तरीय दिव्यांग ब'चों की खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 50 मीटर, 100 मीटर की दौड़, मटकी फोड़, कुर्सी दौड़ और रंगोली जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं संपन्न करवाई गई। साथ ही दिव्यांग बच्चों ने विभिन्न खेल गतिविधियों में अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया है एवं चयनित बच्चें आगामी 3 दिसंबर को जिला स्तरीय दिव्यांग खेल-कूद प्रतियोगिता में विकासखण्ड का प्रतिनिधित्व करेगें। इस अवसर पर शिक्षक, बच्चों के अभिभावक एवं दिव्यांग ब'चें उपस्थित रहे।

रामजीटोला माँ बड़ी खेरमाई मंदिर में भक्तिभाव से हुई शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाली ग्राम रामजीटोला में स्थित माँ बड़ी खेरमाई मंदिर के समीप बने नवनिर्मित शिव मंदिर में 1 दिसंबर को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर में पंडित राहुल तिवारी के द्वारा यजमान लक्ष्मण हरदे सहपत्नि की उपस्थिति में विधि-विधान से पूजा अर्चना करवाकर मंदिर में भगवान भोलेनाथ की शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न करवाई गई है। तत्पश्चात हवन-पूजन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिसमें उपस्थित ग्रामीणजनों ने हवनकुण्ड में पुर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये जिसके बाद आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस तरह से ग्राम रामजीटोला स्थित माँ बड़ी खेरमाई मंदिर के शिव मंदिर में भक्तिभाव के साथ भगवान भोलेनाथ की शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हुआ। वहीं ग्राम में शिव मंदिर नही होने पर श्रध्दालुओं को भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने के लिए पांढरवानी स्थित मंदिर जाना पड़ता था। अब ग्राम में ही शिव मंदिर बन जाने से श्रध्दालुओं को पूजा अर्चना करने में सुविधा होगी एवं मंदिर में विविध धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेगें। इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खरीदी केन्द्रो में सिंगल यूज बारदाने की जगह फटे-पुराने बारदाने आ रहे

धान खरीदी प्रारंभ व्यवस्था बनाने में जुटे खरीदी प्रभारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र में शासन की समर्थन मूल्य पर धान खरीदी १ दिसंबर से प्रारंभ हो गई है। किंतु सर्वाधिक खरीदी केंद्र खाली नजर आ रहे हैं जहां किसानों के द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई गई है। प्रथम दिन चुनिंदा खरीदी केंद्र प्रारंभ हो पाए हैं बाकी स्थान पर खरीदी के लिए व्यवस्था बनाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान देखने में आ रहा है कि शासन के द्वारा नए बारदाने सभी खरीदी केंद्र में दे दिए गए है,किंतु इसके अलावा खरीदी केन्द्रो को व्यापारियों के द्वारा बारदाने उपलब्ध कराए जाने थे। जिसमें शासन ने सिंगल युस बारदाने उपलब्ध कराने के लिए कहा था । परंतु खरीदी केन्द्रो में सिंगल युस बारदाने की जगह ५ साल पुराने कटे फटे थेगड़ लगे बारदाने भेजे जा रहे हैं। जिससे धान खरीदी करने में सोसायटी और उनमें धान भरने के लिए किसानों को काफी समस्या का सामना करना पड़ेगा। जबकि पूर्व की धान खरीदी बैठक में प्रशासन के द्वारा स्पष्ट वर्ष २०२४ के बारदाने खरीदी केंद्र में देने के लिए निर्देश दिये थे। जिसका स्पष्ट रूप से उल्लंघन होता हुआ देखने को मिल रहा है। यह स्थिति क्षेत्र के किसी एक खरीदी केंद्र की नहीं सभी केन्द्रो में यही स्थिति बनी हुई है, ऐसे में कई स्थानों पर खरीदी प्रभारी के द्वारा बरदानों को वापस किया जा रहा है। तो वहीं सेवा सहकारी समिति थानेगांव के खरीदी केंद्र सिकंदरा में ऐसे ही फटे पुराने बारदाने में खरीदी भी प्रारंभ कर दी गई है । जिससे धान नीचे गिर रहा है। तो वहीं स्टॉल बुकिंग पोर्टल भी १ दिसंबर को प्रारंभ होने से किसानों के द्वारा पोर्टल पर स्लॉट बुक करने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान सबसे ज्यादा समस्या वह ग्राम के किसानों के सामने उत्पन्न हो गई है जिन्हें अपने ग्राम की सोसायटी छोड़कर दूसरी सोसायटी में जाकर धान देना होगा। क्योंकि उनके यहां की समिति को इस बार खरीदी केंद्र नहीं बनाया गया है । इसमें किसानों को आर्थिक भार के रूप में भाड़े का वहन करना पड़ेगा। वहीं इस ठंडी के मौसम में रुकना खाने.पीने जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ेगा जिसको लेकर किसान परेशान हैं। तो वहीं किसानों की बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए खरीदी केन्द्रो के द्वारा भी व्यापक स्तर पर तैयारी करने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान सेवा सहकारी समितियों के द्वारा केंद्र में अच्छे बारदाने उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है।

शासन ने ९ गांव का एक केंद्र बना बनाया जहां दिक्कत और असुविधा होगी-सुभाष

मजदूर किसान अध्यक्ष सुभाष पारधी ने बताया कि आज से धान खरीदी प्रारंभ होना था। परंतु कुछ जगह धान खरीदी प्रारंभ हुई है तो कहीं कहीं जगह धान खरीदी बंद है। जिसका कारण बारदाना नहीं पहुंचाना किसानों का स्लॉट बुक ना होना जैसी समस्या है। तो वहीं कुछ ग्राम के सेंटर बाहर कर दिए गए हैं इसमें किसानों को अब दूसरे ग्राम जाकर धान बेचना है जहां उन्हें भाड़ा अधिक लगेगा। जैसे मेंढ़की के लोग भेंडारा जाएंगे जबकि पूर्व की तरह केंद्र को रखना था किसानों को सहूलियत होती। थानेगांव के सिकंद्रा सेंटर में खरीदी प्रारंभ हो गई है। इसमें वह किसान जिसे दूसरे सेंटर जाना है उसके सामने ट्रांसपोर्टेशन खाने पीने रहने जैसी समस्या है, शासन ने ९ गांव का एक केंद्र बना दी है वहां दिक्कत होगी और आगे असुविधा भी होगी। इस पर सरकार और जिला कलेक्टर को ध्यान देना चाहिए। सिकंद्रा में पुराने बारदाने दे रहे हैं जो कटे फटे हैं किसान इसमें अपनी धान दे तो देगा परंतु समिति पर यह नुकसान साबित होगा यह जो बारदाने दिए गए हैं वह चार से पांच वर्ष पुराने हैं।

फटे बारदाने मिलने से किसानों और खरीदी केन्द्रों में भारी परेशानी होगी-रविंद्र

खरीदी प्रभारी रविंद्र पारधी ने बताया कि आज से धान खरीदी प्रारंभ होना था हमारे यहां स्लॉट बुक नहीं हुआ है तो किसान नहीं आया कल से किसान आयेंगे। व्यापक तौर पर हमने तैयारी कर ली है १५००० नया बारदाना शासन से प्राप्त हो चुका है इसी के साथ पुराने बारदाने भी खरीदी के लिए मिलने हैं जिसमें ६ साल पुराने बारदाने मिल रहे हैं। जबकि शासन का मापदंड है कि सिंगल युज बारदाना व्यापारी को देना है ताकि खरीदी अच्छी हो। यह पुराने बारदाने कटे.फटे दे रहे हैं इसमें जब हम धान भरेंगे तो सिलाई नहीं कर पाएंगे क्योंकि मशीन नहीं चलेगी सिलाई टूटेगी। शायद हर जगह यह स्थिति है अब हम यह बारदाने छाटने का काम करेंगे या अपनी खरीदी पर ध्यान देंगे। साफ सुथरा बारदाना हमें देना चाहिए ताकि हमारा और किसानों का समय बचे जल्द से जल्द खरीदी संपन्न हो सके। वारासिवनी के किसी भी केंद्र में आज खरीदी प्रारंभ नहीं हुई है । एक से दो सेंटर हैं जहां खरीदी की गई है सभी केंद्र कल से चालू होंगे।

मनुष्य जीवन में सभी तरह के उतार चढ़ाव में गीता का संदेश बेहद उपयोगी -प्रदीप

सांदीपनि विद्यालय में विकासखण्ड स्तरीय गीता महोत्सव का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सांदीपनि टिहलीबाई शासकीय विद्यालय में शासन के निर्देशानुसार विकासखण्ड स्तरीय गीता महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें श्री कृष्ण परपंरा के आचार्यो की सन्निधि में गीता प्रेमियों के द्वारा श्रीमदभागवत गीता के १५ वें अध्याय का सामुहिक सस्वर पाठ का वाचन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदीप जायसवाल पूर्व केबिनेट मंत्री, विशिष्ट अतिथि कार्तिकेय जायसवाल एसडीएम, सुश्री दीक्षा जैन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जप, आचार्य संतोष शास्त्री, कुंजीलाल चौहान संकुल प्राचार्य कमला नेहरू शास. कन्या विद्यालय, संदीप मिश्रा ,हरिप्रसाद शर्मा ,प्रित कटरे,विरेन्द्र कुमार बनोटे विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की हम सभी की जीवन में प्रत्येक उतार चढाव के समय गीता का संदेश बेहद उपयोगी होता है। भगवान श्रीक्रष्ण ने कहा है की जब भी सत्य व धर्म की हानि होगी वें अवश्य अवतार लेगें। गीता का संदेश यह भी है की अगर सामने करीबी भी खडा हो तो सत्य व धर्म की रक्षा के लिये उसके साथ दुश्मनरूपी व्यवहार आवश्यक होता है। इसी तरह गीता हमे कर्म का ज्ञान भी सिखाती है की हम अच्छा सोचेंगे तो हमारे साथ अच्छा ही होंगा। श्री जायसवाल ने कहा कि राजनिति से देश चलता है हमसे भी सभी विधार्थीगण विधालय में तरह तरह सुविधा, ग्रामीणजन सड़क आदि विकास कार्यो की मांग करते है। इसलिये राजनिति में धर्म का जुडाव जरूरी होता है। इससे राजनिति शुध्द व अच्छी होगी और जनकल्याण के कार्य ज्यादा संपन्न होगें। वहीं सुश्री दीक्षा जैन मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा की गीता को समझने में पुरा जीवन लग सकता है। किंतू गीता का सार यही है की समर्पण के साथ किये गये कर्म से अच्छा ही फल मिलता है। हम अगर आम को बोयेंगे तो आम के फल ही मिलेंगे। कार्यक्रम के प्रोटोकॉल के अनुसार गीता वितरण, तिलक,गीत गायन, गीता अमृत गान पुस्तक से अनुगमन,दीप प्रज्वलन, सरस्वती, गीता पूजन, शंखनाद, स्वस्तिवाचन, स्वाध्याय पत्र ब्रह्मनाद से गीता महात्म्य तक अनुगमन, श्रीमद्भगवद्गीता पाठ अध्याय, आरती, अक्षय निधि समर्पण, पुष्पांजलि, जयघोष कल्याण मंत्र का जाप किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत भगवान श्री कृष्ण की लिलाएं कथाएं एवं नृत्य बच्चों के द्वारा प्रदर्शित की गई। संस्था से लगभग ६०० विद्यार्थियों एवं ५० शिक्षकों ने भाग लिया। साथ ही विकासखण्ड वारासिवनी अंतर्गत अनेको स्कूल के विधार्थीयो ने सहभागीता भी की। इस दौरान श्रीमती वंदना शर्मा, श्रीमती उषा चौबे, साधुलाल अटरे ,लखन रिनायत, डेलेन्द्र मेश्राम, मुकेश देशकर, सुश्री रितिका जैन, श्रीमती लक्ष्मी बिसेन ,हिमांशु कटरे ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन कमल टेंभरे के द्वारा किया गया।

विकासखंड स्तरीय दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जनपद शिक्षा केंद्र में १ दिसंबर को विकासखण्ड स्तरीय दिव्यांग खेल प्रतियोगिता एवं मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हर्ष उल्लास के साथ की गई। यह आयोजन बीआरसी सतेन्द्र शरणागत की अध्यक्षता में प्रारंभ किया गया। इस दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता में विभिन्न प्रतियोगिता करवा कर जहां देर शाम पुरस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का समापन किया गया। इस दौरान वारासिवनी विकासखंड अंतर्गत प्राथमिक ,माध्यमिक शाला के दिव्यांग बच्चो के द्वारा बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कर प्रतियोगिता में भाग लिया गया। जहां पर मटकी फोड़,१०० मीटर, २०० मीटर, गीत गायन, नृत्य, चित्रकला, रंगोली,कुर्सी दौड़ सहित अन्य प्रतियोगिता आयोजित कराई गई। जिसमें समस्त छात्र छात्राओं के द्वारा बढ़.चढ़कर प्रतियोगिता में भाग लिया गया जिनके द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान यह प्रतियोगिता बालक बालिका दोनों वर्ग में आयोजित की गई । जिसमें वर्ग समूह में बालक बालिकाओं के द्वारा भाग लेकर अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन दिया गया। हालांकि इस दौरान विद्यार्थियों की उपस्थिति कम नजर आई,जबकि जनपद शिक्षा केंद्र वारासिवनी अंतर्गत १५० प्राथमिक और ७५ माध्यमिक इस प्रकार २२५ शासकीय स्कूल संचालित होते हैं। जिसमें से करीब ४० विद्यार्थियों का प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित होकर अपना प्रदर्शन देना चिंताजनक स्थिति को निर्मित करता रहा। परंतु देखने में आया कि ३ दिसंबर को जिला स्तर पर दिव्यांग प्रतियोगिता आयोजित करना है जिसको लेकर एक दिवस पहले ही प्रतियोगिता के लिए निर्देशित किया गया। ऐसे में स्थानीय और जिला प्रशासन केवल औपचारिकता के रूप में उक्त कार्यक्रमों को समेटता हुआ दिखाई दे रहा है। सामान्यत: यह स्थिति सभी जगह देखने को मिल रही है। इस आयोजन में सुबह से विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित की गई। जिसमें बच्चों ने भाग लिया और उन्हें प्रोत्साहित करने प्रथम ,द्वितीय और तृतीय स्थान पर चयन किया गया। जिन्हे कार्यक्रम के अंत में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर समापन किया गया। चर्चा में बीआरसी सतेन्द्र शरणागत ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विकासखंड से पहुंचे छात्र छात्राओं के द्वारा भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। यह कार्यक्रम आयोजन करने का उद्देश्य है कि दिव्यांग बच्चे जो स्वयं को सामान्य लोगों से अलग मानते हैं और वह सामान्य की तरह प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते हैं । जिसको देखते हुए शासन के द्वारा उनके लिए अलग से प्रतियोगिता आयोजित कराई जाती है। वह इस प्रकार के प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने आप को गौरवान्वित समझते हैं । यही कॉन्फिडेंस उनके अंदर तैयार करने के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिता लगातार की जाती है। हमें जिला प्रशासन से शनिवार को आदेश हुआ जिसके बाद सोमवार को यह प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई है। आज जनपद पंचायत के द्वारा भी ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न स्थान पर प्रतियोगिता आयोजित की गई है। जिसके कारण सामान्यत: विद्यार्थियों की उपस्थिति कम दिख रही है। इस अवसर पर शिक्षक शिक्षिका छात्र छात्राएं सहित पलक गण मौजूद रहे।

महाविद्यालय में गीता जयंती का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एस.एस.पी. महाविद्यालय में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार १ दिसंबर २०२५ को गीता जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया। दीप प्रज्जवलन प्राचार्य डॉ. एस एस गेडाम, डॉ. सरिता कोल्हेकर,कृष्णा पराते, सरिता नागवंशी, टीना राहंगडाले, श्रीमती विभूति पुरोहित, कार्यक्रम प्रभारी रक्षा निकोसे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. सरिता कोल्हेकर ने कहा कि गीता के कर्म संदेश के साथ छात्र-छात्राओं को नैतिक एवं चारित्रिक विकास की बात की गई। वहीं कृष्णा पराते, सरिता नागवंशी, टीना राहंगडाले, श्रीमती विभूति पुरोहित के द्वारा कर्म के प्रभाव एवं छात्र जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. एस एस गेडाम के द्वारा गीता ग्रंथ की व्यापकता एवं उसके वैश्विक प्रभाव की चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में शासन के निर्देशानुसार गीता के १५ वें अध्याय की विडियो दिखाकर छात्र छात्राओं को प्रेरित किया गया। कार्य के समापन पर प्रभारी रक्षा निकोसे के द्वारा सभी का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

मारपीट के आरोपी राजकुमार को ६ माह का कारावास

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। वारासिवनी न्यायालय के विद्वान न्यायाधीश देवांश यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत में मारपीट के आरोपी राजकुमार बघेल को ६ माह का कारावास एवं २००० रूपये के अर्थदंड से दंडित कर सजा सुनाई है। इस संबंध में प्रणव राजनेगीं सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी ने बताया कि ४ अप्रैल २०१९ के समय १० बजे राजकुमार बघेले अपने घर के सामने खड़ा होकर प्रार्थी को कहने लगा कि प्रार्थी ने उसकी मां को जादूखोर कहा है और गाली गलौच कर उसका अनादर करने लगा। प्रार्थी ने गाली गुप्तार करने से मना किया तो वहीं पर पड़ी लकड़ी से उसके बांये हाथ के कंधे पर मारा एवं दाया हाथ बांयी पसली में मारा जिससे चोट आकर दर्द हो रहा था। अभियुक्त द्वारा यह धमकी दी गई थी कि दोबारा उसकी मां को जादूखोर कहा तो वह जान से खत्म कर देगा। पुलिस थाना लालबर्रा द्वारा प्रकरण में आवश्यक विवेचना पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था यह प्रकरण वारासिवनी न्यायालय में विचाराधीन था। जिसमें न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी देवांश यादव के द्वारा आरोपी राजकुमार पिता लखनलाल बघेले उम्र ३८ वर्ष निवासी खुडपुडी थाना लालबर्रा का दोष सिद्ध होने पर भादवी की धारा ३२५ के अपराध में ६ माह का सश्रम कारावास एवं २००० रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया गया एवं अर्थदण्ड के व्यतिक्रम में १५ दिवस का सश्रम कारावास भुगताया जाने का आदेश पारित किया गया। इस प्रकरण में सहायक निदेशक कपिल कुमार डेहरिया के कुशल मार्गदर्शन में अभियोजन की ओर से पैरवी प्रणव राजनेगी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी वारासिवनी के द्वारा की गई।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

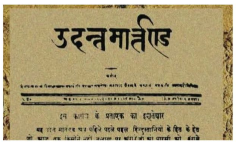

ऐसे वक्त में, जब विश्व बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर अग्रसर है, उम्मीद की जानी चाहिए कि रुसी राष्ट्रपति पुतिन की इस हफ्ते होने वाली भारत यात्रा न केवल द्विपक्षीय आर्थिक, रक्षा व सामरिक हितों को मजबूत करेगी, बल्कि वैश्विक शांति व स्थिरता का एक वैकल्पिक मॉडल भी प्रस्तुत करेगी।

उम्मीदों भरी मुलाकात

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का इस हफ्ते होने वाला भारत दौरा सिर्फ इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है, कि करीब चार साल बाद यह यात्रा हो रही है, बल्कि इसलिए भी है कि लंबे समय से चले आ रहे वैश्विक संघर्षों और अमेरिकी टैरिफ के दबाव से खंडित हो रही वैश्विक भू-राजनीति में यह एक स्वतंत्र और संतुलित विदेश नीति के पक्ष में दोनों देशों के रणनीतिक सहयोग को पुनः संकल्पित करने की दिशा में एक अहम मोड़ हो सकता है। उल्लेखनीय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत से पहले दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के वार्षिक सम्मेलन हुआ करते थे, लेकिन कथित तौर पर राष्ट्रपति पुतिन द्वारा यूक्रेन युद्ध में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी के बाद से ये बैठकें बंद हो गईं। भारत और रूस के संबंध काफी पुराने हैं, जो शीत युद्ध के समय से ही चले आ रहे हैं। भारत रूसी हथियारों के सबसे बड़े खरीदारों में से एक है और नहीं भूला जाना चाहिए कि रूसी एस-400 एयर डिफेंस प्रणाली ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के लिए कितनी उपयोगी रही थी। उम्मीद है कि दोनों नेताओं की ताजा मुलाकात में भी एस-400 की खरीद, इनकी प्राप्ति में देरी और सुखोई-57 की खरीद के मुद्दों पर बात होगी। इसके अतिरिक्त, दोनों देशों के बीच ऊर्जा सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। नहीं भूला जाना चाहिए कि यूक्रेन युद्ध के बाद से रूस ने भारत को सस्ते तेल की आपूर्ति बढ़ाई, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था को राहत मिली। भारत के कुल तेल आयात का 35 फीसदी रूस से होता है, लेकिन दो बड़ी रूसी तेल कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों ने भारत को भी इस खरीद में कमी लाने पर मजबूर किया है। लिहाजा ऊर्जा व्यापार के लिए एक स्थायी व स्थिर तंत्र को कायम करना भी इस मुलाकात में चर्चा का विषय हो सकता है, जिस पर अमेरिका की भी नजर होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा रूस-यूक्रेन शांति समझौते का जो प्रस्ताव दिया गया है, उसका झुकाव रूस की ओर होने के बावजूद दोनों देशों के संबंधों में भरोसे का तत्व कम ही दिखता है। दूसरी तरफ, भारत ने बदलती वैश्विक परिस्थितियों में समायोजित होने के लिए राष्ट्रीय हितों व जरूरतों को वैश्विक साझेदारियों का आधार बनाया है। रूस के साथ तो भारत के रिश्ते हमेशा से ही अच्छे रहे हैं, लेकिन वह राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के आधार पर अमेरिका और चीन को भी संतुलित किए हुए है। बहरहाल, ऐसे वक्त में, जब विश्व बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर अग्रसर है, भारत का रूस के साथ गहरा सहयोग न केवल आर्थिक, रक्षा व सामरिक हितों को मजबूत करेगा, बल्कि इसके साथ ही वैश्विक शांति व स्थिरता का एक वैकल्पिक मॉडल भी प्रस्तुत करेगा।

आर्थिक प्रोपेगेंडा

झूठे आंकड़ों का भूखा है देश का मध्यवर्ग

असत्य और हिंसा को गले लगा चुका भारतीय मध्यवर्ग महज उपभोक्तावादी वस्तुओं का ही भूखा नहीं है। उसे प्राचीन भारत के गौरव-बोध के साथ ही चाहिए ऐसे आंकड़े जिससे हर क्षेत्र में भारत की तूती बोलती नजर आए। वह आंकड़ों का मायाजाल इस प्रकार रचना चाहता है जिससे एक ओर अल्पसंख्यकों की आबादी हिंदुओं के मुकाबले ज्यादा तेजी से बढ़ती दिखे तो दूसरी और घुसपैठियों से देश की सुरक्षा खतरे में दिखे। मध्ययुगीन भारत में हिंदुओं के उत्पीड़न की कहानी रचते हुए वह आधुनिक युग में हिंदू आबादी को खतरे में डालकर यह भी दिखाना चाहता है कि अघोषित रूप से हिंदू राष्ट्र हो चुका भारत आर्थिक क्षेत्र में तीव्र गति से तरक्की कर रहा है। इसीलिए वह न तो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के आंकड़ों में यकीन करता है और न ही अपने ही देश के प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के आंकड़ों पर।

पिछली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की तरक्की की 8.2 प्रतिशत की दर ने दुनिया ही नहीं देश के अर्थशास्त्रियों को हैरत में डाल दिया है। हैरानी की बात यह है कि भारतीय सांख्यिकी कार्यालय ने यह आंकड़े तब जारी किए जब कुछ ही दिनों पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ ने भारतीय आंकड़ों की गुणवत्ता को 'सी' ग्रेड दे दिया था। इससे पहले कि भारतीय अर्थशास्त्री देश की अर्थव्यवस्था का सही आकलन करे सरकार ने आईएमएफ के जवाब में तोप का गोल दाग दिया। आईएमएफ ने कुल मिलाकर यही कहा था कि भारत सरकार के आंकड़े अनिश्चित और अविश्वसनीय हैं इसलिए उन्हें सावधानी से विश्लेषित करने की जरूरत है। यह बात भारतीय अर्थशास्त्री लंबे समय से कह रहे थे कि असंगठित क्षेत्र के आंकड़े सटीक नहीं हैं और न ही वस्तुनिष्ठ तरीके से जुटाए गए हैं। इसलिए उन पर संगठित क्षेत्र के आंकड़ों को आरोपित करके की जाने वाली जीडीपी की गणना दोषपूर्ण है। लेकिन मौजूदा सरकार को जिस तरह से चुनावों में धड़ाधड़ विजय हासिल करने की पड़ी रहती है वैसे ही उसे अपनी अर्थव्यवस्था को तीव्र गति से बढ़ती हुई भी दिखाने की लगी रहती है। यह 'मागा' यानी अमेरिका को फिर से महान बनाने के साथ 'मीगा' यानी भारत को फिर से महान बनाने के नारे की जुगलबंदी है। हमेशा जीतते रहने और महान बनने का नशा ऐसा होता है कि उसमें सत्य और असत्य, हिंसा और अहिंसा, न्याय और अन्याय का ध्यान ही नहीं रखा जाता। उसमें सिर्फ ध्वजारोहण का एक सतत कार्यक्रम चलता रहता है। चाहे वह धर्मध्वजा का रोहण हो या फिर राजनीतिक और आर्थिक पताका का फहराया जाना हो।

भारत सरकार के विकास के आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए देश के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रोफेसर अरुण कुमार का तो कहना है कि सकल घरेलू उत्पाद में जो वास्तविक वृद्धि की जो दर है वह सरकारी दावे की 48 प्रतिशत है। यानी वास्तविक विकास दर 8.2 प्रतिशत नहीं बल्कि 3.5 प्रतिशत और चार प्रतिशत के बीच है। वे तो यह भी कहते हैं कि भारत के चौथी अर्थव्यवस्था बन जाने का दावा भी खोखला है। हमारी अर्थव्यवस्था का वास्तविक आकार 3.8 खरब डॉलर नहीं बल्कि 2.5 खरब डॉलर के आसपास है। एक अन्य अर्थशास्त्री प्रणव सेन का कहना है कि हमारे पास तिमाही के प्रामाणिक आंकड़े नहीं हैं। क्योंकि ज्यादातर वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री का सटीक ज्ञान नहीं है। इसलिए हम असंगठित क्षेत्र को बढ़ाचढ़ाकर प्रस्तुत करते हैं। यही वजह है कि वृद्धि दर दो गुनी दिखाई पड़ती है। वे कहते हैं कि हमने यह वादा किया था कि हर पांच साल पर मूल्य सूचकांक को संशोधित करेंगे। लेकिन वैसा नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा यह कैसे हो सकता है कि नोमिनल जीडीपी 8.7 प्रतिशत है और मुद्रास्फीति 0.5 प्रतिशत।

वास्तव में मौजूदा सरकार एक तरफ अपने को पहले की यूपीए सरकार से श्रेष्ठ दिखाने के लिए यह साबित करने पर तुली रहती है कि एनडीए के कार्यकाल में यूपीए के कार्यकाल से अधिक तेजी से तरक्की हो रही है। दूसरी ओर वह अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं की नजर में अपने को श्रेष्ठ दर्शाने के लिए तमाम आंकड़ों को अतिरेकपूर्ण तरीके से प्रस्तुत करती रहती है। हालांकि यूपीए के कार्यकाल में भी गरीबी मापने के लिए

जो आंकड़े पेश किए जाते थे उस पर निरंतर सवाल उठते थे। सरकार उन सवालों का जवाब भी देती थी। लेकिन अच्छी बात है कि वे सवाल सरकार की ओर से नियुक्त की गई कमेटियां उठाती थीं और इसीलिए उन पर सरकारी दायरे में भी चर्चा होती थी। इसी के साथ यह तथ्य भी गौरतलब है कि डॉ मनमोहन सिंह के कार्यकाल में दो समितियां बनी थीं। एक थी इकॉनमिक एडवाइजरी कमेटी तो दूसरी थी पोलिटिकल एडवाइजरी कमेटी। आर्थिक सलाहकार समिति प्रधानमंत्री को सलाह देती थी और राजनीतिक सलाहकार समिति यूपीए की चेयरपर्सन सोनिया गांधी को सलाह देती थी। राजनीतिक सलाहकार समिति अक्सर आर्थिक सलाहकार समिति से टकराव की स्थिति में रहती थी। इससे एक तरफ सही तथ्य बाहर आते थे तो दूसरी ओर जनता का कल्याण भी होता था। असंगठित क्षेत्र पर काम करने वाली अर्जुन सेन गुप्ता कमेटी ने तो यहां तक कह दिया था कि भारत में 80 प्रतिशत लोगों की रोजाना की आय 20 रुपए है। इसी तरह से तेंदुलकर कमेटी ने गरीबी मापने का जो पैमाना तय किया था उस पर भी गंभीर चर्चाएं होती थीं। आजकल सरकार जो आंकड़े पेश कर देती है उसी पर लोगों को यकीन हो जाता है। मीडिया बिना की सवाल उठाए उसे जनता के समक्ष परोसता रहता है।

जबकि मौजूदा सरकार के पास न तो ऐसी कोई मर्यादा है और न ही लोकलाज। उसके मातहत काम करने वाली संस्थाएं वास्तव में संघ परिवार के प्रचार की संस्थाएं बन कर रह गई हैं। वे कभी इतिहास के तथ्यों को मनमाने ढंग से उलटती हैं तो कभी समाजशास्त्र के। कभी राजनीति शास्त्र तो कभी अर्थशास्त्र के। इस सरकार ने 2014 में सत्ताग्रहण करते ही 2011-12 के विकास संबंधी आंकड़ों में संशोधन करना शुरू किया। उसका उद्देश्य यह साबित करना था कि एनडीए के कार्यकाल में यूपीए के कार्यकाल के मुकाबले ज्यादा तेजी से विकास हो रहा है। अर्थशास्त्री इन आंकड़ों को मानने को तैयार नहीं थे। सरकार ने यह काम नीति आयोग को सौंप दिया की वह गणना करके बताया कि सही स्थिति क्या है। नीति आयोग जो योजना आयोग को भंग करके बना था उसे अपने प्रचार के काम में लाया जाने लगा और उसने कह दिया कि एनडीए के कार्यकाल की वृद्धि दर यूपीए के कार्यकाल के मुकाबले तीव्र थी। जबकि इस तरह की गणना के लिए नीति आयोग न तो सक्षम है और न ही अधिकृत। स्वयं तत्कालीन सरकार के आर्थिक सलाहकार के सुब्रहमण्यम का कहना था कि इन आंकड़ों को 2.5 प्रतिशत बढ़ाकर दर्शाया गया है।

दरअसल मौजूदा सरकार की सारी कोशिश अपने उस पाप को ढकने की रही है जो उसने अर्थव्यवस्था के साथ किया है। उन पापों में नोटबंदी और जीएसटी के साथ कोविड-19 के दौरान उठाए गए गलत कदम शामिल हैं। सरकार को अगर किसी प्रकार का अपराधबोध है तो वह उसके नाते अतिश्योक्तिपूर्ण आंकड़ों से उसे ढकती रहती है। या फिर वह यह दिखाना चाहती है कि उसके वे कदम सही थे जिसने असंगठित क्षेत्र और मझोले और लघु स्तर के उद्योगों को तबाह किया और भारी संख्या में लोगों को बेरोजगार किया। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि कृषि के अलावा असंगठित क्षेत्र का आकार भारतीय अर्थव्यवस्था का 30 प्रतिशत है। उसकी स्थिति तब से खराब है जबसे सरकार ने नोटबंदी की। वह लगातार पतन की ओर अग्रसर है। लेकिन सरकारी आंकड़ों में वह संगठित क्षेत्र की तरह ही तरक्की कर रहा है। जब नोटबंदी के कारण 2016 में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर में दो प्रतिशत की कमी आई तब भी सरकार ने उसे 8 प्रतिशत की दर से बढ़ता हुआ दिखा दिया।

विडंबना देखिए कि पांच किलो राशन पर जिंदा रहने वाले आम आदमी को इस पर सवाल करने की फुर्सत नहीं है और असत्य के फास्टफूड पर पलने वाले मध्यवर्ग के पास इन आंकड़ों की भारी भूख है। इसलिए वह वैसे ही अर्थव्यवस्था के साथ भी खेलना चाहता है जैसे कि इतिहास और धर्म के साथ खेल रहा है। उदारीकरण के आरंभ में यह कहा जाता था कि अर्थव्यवस्था इतनी महत्त्वपूर्ण चीज है कि उसे महज राजनेताओं के हाथ में नहीं छोड़ा जा सकता। तब तमाम लोकतांत्रिक और समाजवादी सोच के लोग इस कथन का विरोध करते थे। कभी डॉ लोहिया नेहरू सरकार के आंकड़ों को चुनौती देते थे और उस पर लोकसभा में बहसें होती थीं। लेकिन क्या आज इस अर्थव्यवस्था को राजनेताओं के हवाले छोड़ा जा सकता है? या फिर आर्थिक प्रोपेगंडा से अपने को दूर रखने वाले अर्थशास्त्री कितने बचे हैं जिनके हाथों में इस अर्थव्यवस्था को छोड़ा जाए?

-प्रोफेसर अरुण कुमार त्रिपाठी

जीवन धारा

जीवन की हर परिस्थिति एक दर्पण है

जीवन में जो सुख या विषाद हमारे रास्ते में आते हैं, वे महज घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वे हमारी आत्मा की ऋतुओं की भांति हैं, जो भीतर किसी अनकहे रहस्य, किसी अदृश्य पुकार को जन्म देती हैं। हर अनुभव एक मौन संदेशवाहक है, जो हमें आत्मा की उस पगडंडी पर ले जाता है, जहां हमारा वास्तविक पथ जन्म लेता है। जब तक इन्सान परिस्थितियों को भार मानता है, वे उसे दबाती रहती हैं, लेकिन जैसे ही वह उन्हें अपनी आत्मा के संकेत समझकर स्वीकार करता है, वैसे ही कठिनाइयों का कठोर कवच टूटने लगता है और भीतर छिपा प्रकाश प्रकट होने लगता है। यह वही प्रकाश है, जो हमें जगाता है, बदलता है, और हमें हमारे असली स्वरूप की ओर लौटाता है।

संसार हमें भ्रमित नहीं करता, वरन यह तो हमारे भीतर बोए गए दृष्टिकोणों के अनुसार ही अपने रूप बदल-बदलकर आता है। कभी वह पर्वत बनकर हमारी शक्ति को परखता है, तो कभी शांत झील बनकर हमारी गहराई को। सौभाग्य विनम्रता सिखाता है, विपत्ति जागृति का दीप जलाती है। दोनों ही शिक्षक हैं, और दोनों ही हमारे अंतर्मन की सीढ़ियों को तराशते हैं। मन जितना बाहरी वस्तुओं से चिपकता है, उतना ही वह भय और अस्थिरता से भर जाता है। पर जैसे ही वह अपने भीतर के स्त्रोत-उस शांत, अडिग, अनंत केंद्र-से जुड़ना सीख जाता है, वैसे ही जीवन की अनिश्चितताओं के बीच भी स्थिरता का वृक्ष बन जाता है, जिसकी जड़ें आंधियों से नहीं डिगतीं। अंधकार संसार का नहीं, बल्कि हमारे भीतर की अचेतना का होता है। जैसे ही हम भीतर की ज्योति को खोजने लगते हैं, वैसे ही परिस्थितियां कठोर से कठोर क्यों न हों, वे हमें विखंडित नहीं कर पातीं। सौभाग्य यह नहीं कि मार्ग पर कांटे न हों, बल्कि यह है कि फूल की तरह अनुभव करने का साहस हो, क्योंकि यही वह शक्ति है, जो पीड़ा को वरदान में बदल देती है। दुख को दूर धकेलना हमें कभी मुक्त नहीं करता, पर जब हम दुख की आवाज सुनते हैं, तब पता चलता है कि वह शत्रु नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक है। वह हमें हमारी गहराई, करुणा और दृढ़ता से परिचित कराता है। जो कुछ भी हमारे जीवन में आता है, वह संयोग नहीं होता, बल्कि वह हमारी आत्मा की आवश्यकता के अनुरूप अनुभव होता है, और उन्हें अपनाकर ही हम खुद को पहचानना सीखते हैं। बाहरी दुनिया निरंतर बदलती रहती है, पर आत्मा की दुनिया एक शांत झील की तरह स्थिर रहती है। जब हमारा संबंध उस स्थिर केंद्र से बन जाता है, तब कोई तूफान हमें डिगा नहीं सकता। जीवन की हर परिस्थिति एक दर्पण है, जो हमें हमारे भीतर छिपे भय, इच्छाओं और संभावनाओं का प्रतिबिंब दिखाती है। और जब हम समझ लेते हैं कि प्रत्येक घटना हमारी आत्मा का संदेश है, तब जीवन संघर्ष नहीं रह जाता, वह एक सतत साधना, एक यात्रा, एक आंतरिक जागरण बन जाता है, जो हमें और अधिक पूर्ण, और अधिक मानवीय, और अधिक प्रकाशित बनाता है।

सूत्र- सकारात्मक नजरिया अपनाएं

इन्सान के जीवन में समस्याएं आती हैं, अधिकांश लोग उन समस्याओं में उलझकर रह जाते हैं। हम सभी सकारात्मक नजरिये से सुंदरता बिखेर सकते हैं। भले ही कठिनाइयां आ भी जाएं, तो उन्हें हल करके आगे बढ़ने का साहस दृष्टिकोण ही देता है। हम परिस्थितियों के अधीन न होकर अपने भीतर की सामर्थ्य से उसे नया अर्थ देते हैं।

-हरमन हेस्से

ताजा विवाद

चीन की आंखों का कांटा क्यों बना है अरुणाचल प्रदेश

पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के मुद्दे पर दशकों से भारत और चीन के आपसी संबंधों में तनाव रहा है। चीन हमेशा इसके दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा होने का दावा करता रहा है। अब इस मुद्दे पर दोनों देश एक बार फिर आमने सामने हैं।

अरुणाचल प्रदेश के मालिकाना हक के सवाल भारत और चीन के बीच हमेशा तनातनी रही है। करीब एक महीने से दोनें देशो के बीच कुछ शांति थी। लेकिन अब अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को शंघाई एयरपोर्ट पर कथित रूप से परेशान करने और घंटों बेवजह रोके जाने के कारण यह विवाद एक बार फिर उभर आया है।

बीते सप्ताह भारतीय पासपोर्ट पर लंदन से जापान जाने वाली अरुणाचल प्रदेश की एक महिला प्रेमा वांगजोम थोंगडोक को इमिग्रेशन अधिकारियों ने चीन के शंघाई एयरपोर्ट पर रोक लिया था। उसके बाद उसे कहा गया कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है। इसलिए उसका भारतीय पासपोर्ट वैध नहीं है। उसे चीनी पासपोर्ट के लिए आवेदन करना चाहिए या फिर चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस का टिकट खरीदना चाहिए। घंटों एयरपोर्ट पर रोके जाने के कारण महिला की कनेक्टिंग फ्लाइट छूट गई। उसने बाद में किसी तरह चीन स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क किया और करीब घंटे भर बाद उच्चायोग के अधिकारी एयरपोर्ट पहुंचे और उनको बाहर निकाला।

प्रेमा ने भारतीय विदेश

मंत्रालय को पत्र भेज कर अपने साथ घटी घटना की विस्तार से जानकारी दी है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने भी इस घटना की निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करार दिया है। जानकार सूत्रों के मुताबिक, भारत ने इस मुद्दे पर चीन सरकार के समक्ष अधिकृत रूप से विरोध दर्ज कराया है। सरकार ने चीनी अधिकारियों की इस हरकत को सिविल एविएशन से जुड़े शिकागो और मॉन्ट्रियल कन्वेंशन का उल्लंघन करार दिया है।

लेकिन दूसरी ओर, चीन अपने इस दावे पर अड़ा है कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा रहा है और उसका नाम जांगनान है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि जांगनान चीन का हिस्सा है। हमने कभी अवैध रूप से बसाए गए अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं दी है। उनका कहना था कि तय कानूनों के तहत ही उस महिला यात्री की जांच की गई और उनके अधिकारों का उल्लंघन नहीं किया गया।

अरुणाचल प्रदेश को लेकर विवाद नया नहीं वैसे अरुणाचल प्रदेश के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच विवाद कोई नया नहीं है। चीन ने इससे पहले वर्ष 2005 में अरुणाचल प्रदेश के लोगों को स्टेपल वीजा देने की नीति अपनाई थी। उसकी दलील थी कि वह अरुणाचल के लोगों को

चीनी मानता है। इसलिए उनको नियमित वीजा नहीं दिया जा सकता। उस दौरान बाकी राज्यों में रहने वाले भारतीयों को नियमित वीजा जारी होते रहे। उस मुद्दे पर काफी विवाद हुआ था। भारत ने यह कहते हुए स्टेपल वीजा को मानने से इंकार कर दिया था कि इसका मतलब यह स्वीकार करना होगा कि अरुणाचल के लोग भारतीय नागरिक नहीं हैं। वर्ष 2013 में युवा विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में अरुणाचल प्रदेश के दो तीरंदाजों को स्टेपल पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के मुद्दे पर दशकों से भारत और चीन के आपसी संबंधों में तनाव रहा है। चीन हमेशा इसके दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा होने का दावा करता रहा है। दोनों देश इसे लेकर एक बार फिर आमने सामने हैं।

वीजा जारी होने के बाद भारत ने उनको चीन जाने से रोक दिया था। इसी तरह करीब दो साल पहले जुलाई, 2023 में चीन के चेंगदू में होने वाले विश्व विश्वविद्यालय खेलों में शामिल होने के लिए मार्शल आर्ट्स के तीन एथलीटों को भी ऐसा ही वीजा जारी किया गया था। इसके विरोध में पूरी भारतीय टीम ने ही उस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने से इंकार कर दिया था। इसके विरोध में खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी खेलों के उद्घाटन के लिए चीन का दौरा रद्द कर दिया था।

शुरुआत कब और कैसे हुई

भारत और चीन के बीच अरुणाचल प्रदेश के मुद्दे पर आखिर विवाद क्यों है और इसकी शुरुआत कब से हुई ? राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इसकी जड़ें ब्रिटिश शासन में छिपी हैं। मार्च 2014 में शिमला सम्मेलन के दौरान मैकमोहन लाइन की स्थापना हुई थी। सम्मेलन में तिब्बत, चीन और ब्रिटिश शासन के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई थी। हालांकि सम्मेलन में शामिल चीनी प्रतिनिधिमंडल ने मैकमोहन लाइन को स्वीकार नहीं करते हुए मुख्य समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए थे।

लेकिन इसके बावजूद मैकमोहन लाइन को ही भारत और तिब्बत के बीच सीमा माना गया। देश की आजादी के बाद से ही भारत इसे चीन के साथ अपनी सीमा मानता रहा है। वर्ष 1937 में सर्वे ऑफ इंडिया की ओर से प्रकाशित एक नक्शे में मैकमोहन लाइन को तिब्बत के साथ अधिकृत सीमा के तौर पर दिखाया गया था। लेकिन दिक्कत यह है कि चीन मैकमोहन लाइन को नहीं मानता। वह कई बार भारत से नए सिरे से बातचीत कर सीमा निर्धारित करने का दबाव देता रहा है। अक्सर दबाव बढ़ाने के मकसद से वह कभी अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों के नाम बदलता रहता है तो कभी उसे अपने नक्शे में दिखाता रहा है। चीन सरकार प्रधानमंत्री से लेकर बौद्ध नेता दलाई लामा के अरुणाचल दौरे पर भी विरोध जताता रहा है।

नई विज्ञान महाशक्ति बना चीन, अब क्या करेंगे अमेरिका और यूरोप

बीते साल सीमावर्ती इलाके तवांग को साल के बारहों महीने देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली सेला टनल के निर्माण और उसके उद्घाटन के लिए शीर्ष नेताओं के दौरे पर भी उसने आपत्ति जताई थी। अरुणाचल प्रदेश की 3,488 किमी लंबी सीमा तिब्बत से जुड़ी है। चीनी सैनिकों के अक्सर अरुणाचल प्रदेश में घुसपैठ और स्थानीय युवकों के अपहरण की खबरें भी आती रही हैं। देशों के सैनिकों के बीच झड़पें भी हो चुकी हैं।

अरुणाचल प्रदेश के ग्रामीण इलाके में बसे इन लोगों की रिहाइश पर सियांग नदी पर बांध बनाने वाले इलाके में कई बार दोनों प्रोजेक्ट से डूबने का खतरा है, जिसे लेकर समुदाय ने अगस्त 2025 में विरोध जताया।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञ प्रोफेसर जीवन लामा डीडब्ल्यू से कहते हैं, अरुणाचल प्रदेश के दक्षिण तिब्बत का हिस्सा होने के चीन के दावों में कोई दम नहीं है। मैकमोहन लाइन के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है। लामा कहते हैं कि चीन सोची-समझी रणनीति के तहत दबाव बनाने की नीयत से ही ऐसा करता रहा है। इसी वजह से हाल के वर्षों में वह अरुणातच से सटे सीमावर्ती इलाको में बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचे का विकास करता रहा है। इनमें हाइवे से लेकर बुलेट ट्रेन और कई नए बांधों का निर्माण शामिल है। लेकिन भारत ने भी जवाबी रणनीति अपनाई है।

-प्रभाकर मणि तिवारी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।एजेंसी। लेवाली के चलते सोमवार को अनाज मंडी में चना सुधार पर रहा। अन्य दलहनों में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा सामान्य रही। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। किराना जिंसों में शक्कर में सुस्त बनी रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख से भावों में सुधार आया। चना बढ़िया मालों में 5800 रू. प्रति क्विंटल बोला गया। अन्य दलहन बने रहे। खाद्य तेलों में सोया व कपास्या तेलों में बाजार सामान्य रहे। तिलहनों में सोयाबीन 4400 रू. प्रति क्विंटल पर रहा। उधर किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4100-4170, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 520-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोंनिया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2650, (160) 2600-2650, (200) 2450-2500, (250) 2800-2850

तेल- सींगदाना 1430-1440, मुम्बई 1460, राजकोट तेलिया 2430, सोया साल्वेंट 1175-1180, सोया रिफाइंड 1240-1245, कपास्या 1230-1235, धूलिया 1240, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1475-1500, मुम्बई पाम 1245, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2260, देवास-उज्जैन 2260, खंडवा-बुरहानपुर 2150, अकोला 3500 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8200-8400, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5775-5800, एवरेज 4800-5000, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार बेहद सुस्त-सुस्त रहा। किन्तु विदेशी बाजारों की अगुवाई में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 172500, चाँदी (99) 172000, टंच 171500, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 129200,

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ ही 89.55 पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन डॉलर के मुकाबले रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी पूंजी निकासी के कारण सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों से मिल रहा समर्थन बेअसर हो गया। शुरुआती कारोबार में यह हल्की गिरावट के साथ 89.46 प्रति डॉलर पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया सीमित दायरे में कारोबार करता दिखा। वहीं शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.45 पर बंद हुआ। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर का सूचकांक 99.44 पर आया, जिसमें 0.02 फीसदी की हल्की गिरावट दर्ज हुई।

भारतीय शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.77 अंक के नुकसान के साथ ही 85,641.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 27.20 अंक फिसलकर 26,175.75 पर था। आज के कारोबार में केवल वाहन और मेटल शेयर ही ऊपर आये। आज निफ्टी ऑटो 0.79 फीसदी और निफ्टी मेटल 0.58 फीसदी बढ़कर बंद हुए। इसके अलावा, निफ्टी आईटी, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी पीएसई भी लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी फार्मा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी इन्फ्रा नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। लार्जकैप की तरफ ही मिडकैप का प्रदर्शन भी मिलाजुला रहा पर स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.15 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 61,043 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 45.45 अंक

की तेजी के साथ ही 17,874.70 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, मारुति सुजुकी, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इटरनल (जोमैटो), एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और इन्फोसिस सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, ट्रेंट, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक और एचयूएल के शेयर नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 86,065 के स्तर पर खुला और 294 अंकों की बढ़त के साथ 86,000 के आसपास कारोबार कर रहा था। इसी तरह, निफ्टी-50 26,325 पर खुला और शुरुआती 20 मिनटों के भीतर लगभग 90 अंकों की बढ़त के साथ 26,292.55 तक पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर, एशियाई बाजारों में सोमवार की शुरुआत मिश्रित रही। अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों ने निवेशकों का आत्मविश्वास बढ़ाया, जबकि जापानी येन की मजबूती ने निक्की 225 पर दबाव बनाया, जो 1.68 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा था। इसके विपरीत, हांगकांग का हैंग सेंग 0.56 फीसदी और चीन का शंघाई एसई 0.11 फीसदी की बढ़त में रहा। अमेरिकी बाजारों ने भी पिछले सप्ताह मजबूती दिखाई, जहां नैस्डैक, एस एंड पी 500 और डाउ जोन्स तीनों हरे निशान पर बंद हुए।

आरबीआई की मौद्रिक नीति बैठक में रेपो दर यथावत रहने की संभावना

नई दिल्ली ।एजेंसी। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) 3 से 5 दिसंबर को बैठक कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार इस बैठक में रेपो दर में बदलाव की संभावना कम है। मौद्रिक नीति का रुख तटस्थ लेकिन नरम रहने की उम्मीद है। जून में 50 आधार अंक की कटौती के बाद दो बैठकों में दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी के मजबूत आंकड़े दर यथावत रखने का कारण बन सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा कि दर में कोई कटौती अब संभव नहीं दिख रही है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक अर्थशास्त्री ने भी कहा कि मौजूदा स्थिति बनाए रखना उचित है, क्योंकि ढील देने की गुंजाइश कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई को दर कम करने के बजाय बैंकिंग तंत्र में तरलता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। ओपन मार्केट ऑपरेशन के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली को चौथी तिमाही में संभावित तरलता समर्थन मिल सकता है। ऋण-जमा अनुपात ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर के करीब है, इसलिए बैंकिंग प्रणाली को पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराना जरूरी है। अधिकांश अर्थशास्त्रियों के अनुसार मौजूदा कटौती चक्र में टर्मिनल दर 5.25-5.5 फीसदी के बीच रहने की उम्मीद है। आरबीआई अप्रैल से पहले कोई दर कटौती नहीं करेगा, हालांकि फरवरी में यह संभव हो सकता है।

नवंबर में देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नौ महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली ।एजेंसी। चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों की खबरों के बीच बिक्री एवं उत्पादन में धीमी वृद्धि की वजह से ?पिछले महीने नवंबर में भारत की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नौ महीने के निचले स्तर पर आ गईं। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्टूबर के 59.2 से नवंबर में 56.6 पर आ गया। यह फरवरी के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे धीमी गति का संकेत देता है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि नवंबर के पीएमआई आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि अमेरिकी शुल्क के कारण विनिर्माण विस्तार धीमा हुआ है। इसमें कहा गया कि कंपनियों ने हालांकि सुझाव दिया कि अंतरराष्ट्रीय बिक्री का रुझान अनुकूल बना हुआ है जो अफ्रीका, एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में ग्राहकों को अधिक बिक्री को दर्शाता है। दूसरी ओर समग्र वृद्धि की गति में मामूली गिरावट आई है। नये निर्यात ऑर्डर औसतन एक वर्ष से अधिक समय में सबसे कम गति से बढ़े हैं। कीमतों के मोर्चे पर नवंबर में मुद्रास्फीति की दर में कमी आई, जबकि कच्चे माल की लागत एवं बिक्री शुल्क क्रमश: नौ और आठ महीनों में सबसे धीमी गति से बढ़े। रोजगार के मोर्चे पर, भारत में विनिर्माताओं ने नए ऑर्डर वृद्धि में मंदी के अनुरूप अपनी भर्ती एवं क्रय गतिविधियों को समायोजित किया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

आज का राशिफल

मेष- आज आपको अपने खर्चों को लेकर बजट बनाकर चलना होगा। प्रेम और सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप कुछ कामों को लेकर त्याग करेंगे, लेकिन आपको यदि कोई शारीरिक समस्या महसूस हो, तो आप उसे नजरअंदाज बिल्कुल ना करें। आप अपने आर्थिक मामलों में सोच विचारकर आगे बढ़ेंगे। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा।

वृषभ- आज आप अपनी आय को बढ़ाने के सोर्स पर पूरा ध्यान देंगे। आप शेयर मार्केट में अच्छा इन्वेस्टमेंट करेंगे, जो आने वाले समय में आपको बेहतर लाभ देगे। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अच्छी स्कीम मिलेगी। आपके बॉस आपके कामों से खुश आज आप मेहनत से बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे, जिससे आपके काम आसानी से पूरे होंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आपके करियर में चल रही समस्या दूर होंगी। आपके बॉस आपके अच्छे कामों से खुश होकर आपको कोई नए पद देने की बात कर सकते हैं। आप अपनी संतान की फरमाइश पर किसी नए वाहन को लेकर आ सकते हैं।

कर्क- आज आप अपने आसपास रह रहे लोगों का भरोसा जीतने में कामयाब रहेंगे। भाग्य का आपको पूरा सफलता मिलेगी। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी और आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा। आप अपने कामों में धैर्य और साहस से आगे बढ़ेंगे। मित्रों का समर्थन आप पर बना रहेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में थोड़ी मेहनत करनी होगी, तभी वह किसी परीक्षा में सफलता हासिल कर सकेंगे।

सिंह- आज आप किसी काम को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं और व्यापार में भी आपको अपनी आंखों का ख्याल रखें। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। संतान से आपकी किसी बात को लेकर बहसबाजी हो सकती है। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचानकर चलना होगा। यदि आपने किसी से धन को लेकर कोई लेनदेन किया था, तो वह आपके लिए समस्या बन सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। दांपत्य जीवन में कुछ समस्याएं थी, तो आप उन्हे मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करेंगे। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलने से भी टीम वर्क के जरिए काम करके पूरे हो सकेगी। आपके बॉस से आपको काम को लेकर शाबाशी मिल सकती हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपको छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना होगा और कामों में आप पूरा अनुशासन दिखाएंगे। आपके किसी के तर्क वितर्क में ना पड़ें, तो भी आपके लिए बेहतर रहेगा। आप किसी बात को लेकर बहकावे में ना आएं और किसी काम में उसके नीति नियमों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए कला कौशल में सुधार लेकर आएगा। आप अपने करीबियों के साथ समय बिताएंगे। आपकी किसी बात से बॉस काफी खुश रहेंगे। अध्ययन व अध्यात्म के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आपको किसी पुराने लेनदेन से छुटकारा मिलेगा। घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपकी कुछ नई कोशिशें रंग लाएंगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। पारिवारिक विषयों में आपको पूरा ध्यान देना होगा। आप किसी काम को लेकर दूसरे पर डिपेंड ना रहें और अति उत्साहित होकर आप यदि किसी काम को करेंगे, तो उसमें कोई गड़बड़ी हो सकती हैं। आपको वाहनों के प्रयोग से सावधान रहना होगा और किसी पुरानी गलती को लेकर आपको पछतावा होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको कुछ नये संपर्कों से लाभ मिलेगा। आप बड़ों की सेवा के लिए भी कुछ समय निकलेंगे। आप भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचें, नहीं तो बाद में आपको उसके लिए पछतावा होगा। जो लोग शेयर मार्केट अथवा लॉटरी आदमी इन्वेस्टमेंट करने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो वह किसी अनुभवी व्यक्ति से बातचीत अवश्य करें।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपके जीवन स्तर में सुधार आएगा। आपको अपनी भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा। आज आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा और बिजनेस में भी कुछ उतार-चढ़ाव के बाद आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आप नौकरी में किसी अजनबी पर थोड़ा सोच समझकर भरोसा करें।

मीन- आज आप अपने सभी कामों में तेजी से आगे बढ़ेंगे और आप अपने बॉस का भरोसा जीतने में भी कामयाब रहेंगे। आपको अपने किसी रुके हुए काम को पूरा करने से काफी खुशी होंगे। जीवनसाथी भी आपके काम में आपका पूरा साथ देंगे। आज आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको अच्छी सफलता हासिल होगी। संतान को पढ़ाई-लिखाई से संबंधित कोई समस्या थी, तो वह दूर होती दिख रही है।

शब्दजाल - 8097

फ	क	म	हें	द्र	ग	अं	बा	ला	ल	ट
द	री	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	क	ड़
पा	नी	प	त	दी	छ	हि	अ	र्म	र	क
इं	स	ल	क	दि	वा	स	सा	ल	ना	क
डि	आ	त	ग	फ	ज	ना	तू	र	ल	क
य	ह	द	गु	दि	री	उ	ती	ण	घ	क
रो	व	ल	ड़	या	प	दा	जू	भि	व	रा
क	एं	ऊ	गां	द	ब	क	बा	ए	वा	क
क	ड	ल	व	र्द	गी	स	री	द	प	नी
क	गॉ	ल	प	म	हें	द्र	ग	ढ़	प	द
य	मु	ना	न	ग	र	स	य	ब	प	म

शब्द जाल में हरियाणा के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

अंबाला,भिवानी,फरीदाबाद,यमुनानगर, पानीपत, गुड़गांव, करनाल, महेंद्रगढ़, रोहतक, हिसार

शब्दजाल - 8096 का हल

पी	क	ल	व	ग	सा	ना	क	प	ल	ओ
र	ब	ल	न	व	ग	ग	से	म	ल	म
त	स	र	ल	र्म	वा	पु	रा	रा	ख	क
क	ज	ज	ग	पु	न	न	प	न	ली	क
यू	क	दो	ग	द	लं	का	ब	ग	झ	क
क	क	ल	प	ह	झ	पू	ना	बू	घ	को
लि	अ	दे	व	ना	र	ल	श	र	ल	ल
प्ट	ता	दा	ई	धा	ब	क	फ	लो	श	पा
स	बा	चे	न	पी	प	ल	र	नी	प	कि
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	म	स्ता
गु	ल	मो	ह	र	न	रा	बा	द	प	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7041

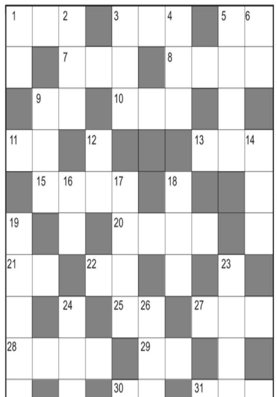

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7040

ए	ल	ओ	सी	■	जा	नी	दु	श्म	न
क	■	म	■	दि	ल	■	श्म	■	गी
रि	श्ते	■	फू	ल	■	अ	न	जा	ना
श्ता	■	शू	■	वा	स्त	व	■	नू	■
■	दि	ल	ज	ले	■	ता	रा	■	प्रि
■	ल्ल	■	ख्म	■	आ	र	जू	■	य
सं	गी	त	■	खु	शी	■	चा	ह	त
ग	■	ला	वा	■	र्वा	■	चा	■	मा
म	हे	श	■	आ	द	मी	■	बू	■
■	मा	■	रं	ग	■	ना	ग	म	णि

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	**धनु**	07.33 बजे से
चंद्र	मेष में	**मकर**	09.38 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	**कुंभ**	11.24 बजे से
बुध	तुला में	**मीन**	12.57 बजे से
गुरु	कर्क में	**मेष**	14.28 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	**वृष**	16.08 बजे से
शनि	मीन में	**मिथुन**	18.06 बजे से
राहु	कुंभ में	**कर्क**	20.19 बजे से
केतु	सिंह में	**सिंह**	22.35 बजे से
राहुकाल		**कन्या**	00.47 बजे से
3.00 से 4.30		**तुला**	02.58 बजे से
बजे तक		**वृश्चिक**	05.13 ब.से

मंगलवार 2025 वर्ष का 336 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 15.58 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 20.52 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 21.08 बजे को समाप्त।
करण बालव 15.58 बजे तदनन्तर कौलव 02.15 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 11.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 57'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872546
जूलियन दिन 2461011.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 10
विशेष प्रदोष व्रत, मत्स्य द्वादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	**काल**	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	**लाभ**	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	**उद्वेग**	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	**शुभ**	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	**अमृत**	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	**चर**	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	**रोग**	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	**काल**	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: दोष-सुधार

एक कुशल चित्रकार ने एक चित्र प्रदर्शनी में रखा और उस के नीचे लिख दिया-' कृपया जहां गलती हो, वहां निशान लगा दीजिए।' चित्रकार को अपनी कला पर पूर्ण विश्वास था। उसने यह नोट इस उद्देश्य से लिखा था कि लोग चित्र को देखकर झूम उठेंगे और उसकी प्रशंसा में जरूर टिप्पणी लिखेंगे। जब अगले दिन चित्रकार प्रसन्न मन से चित्र को लेने पहुंचा तो वह यह देखकर हैरान रह गया कि उसका चित्र निशानों से भरा पड़ा था। चित्र वाकई बेहद खूबसूरत था। उसने यह सपने में भी नहीं सोचा था कि उसका चित्र लोगों के निकाले दोषों से इतना ढक जाएगा कि उसका मूल चित्र ही कहीं खो जाएगा। वह घर आकर दुःखी मन से बैठ गया। चित्रकार की पत्नी भी बेहद गुणी व समझदार थी। वह चित्रकार को परेशान देखकर बोली, 'क्या बात है?' चित्रकार ने दुःखी मन से पत्नी को अपना चित्र दिखा दिया। चित्र देखकर वह मुस्कराकर बोली, 'तो आप इसलिए परेशान हैं। अरे इसका यह अर्थ कतई नहीं है कि आप कुशल चित्रकार नहीं हैं। लोगों की तो आदत होती है अच्छे से अच्छे कार्य में भी दोष ढूंढ निकालना। जिन्होंने आपके चित्र को निशानों से भर दिया है वे केवल दोष ढूंढना जानते हैं, उन्हें सुधारना नहीं।' अब आप दूसरे चित्र में यह लिख दीजिए कि कृपया इस चित्र के दोष दूर कर दीजिए।' चित्रकार ने पत्नी की बात मानकर ऐसा ही किया। अगले दिन जब वह चित्र देखने पहुंचा तो यह देखकर दंग रह गया कि सचमुच चित्र में एक भी निशान नहीं था। न ही किसी ने दोष ढूंढकर उसे दूर करने की कोशिश की थी जबकि इस बार चित्रकार ने सचमुच चित्र में जानकर गलती की थी इसके बावजूद कोई उसे नहीं पकड़ नहीं पाया था। यह देखकर वह प्रसन्न मन से घर आया और पत्नी से बोला, 'तुम बिल्कुल ठीक कह रही थीं। लोग दोष ढूंढना तो जानते हैं किंतु उसमें सुधार करना नहीं।' उसकी पत्नी बोली, 'बिल्कुल सही कहा आपने। आपका यह चित्र पहले वाले चित्र के मुकाबले कुछ भी नहीं है। दुनिया दोष निकालना तो जानती है लेकिन सुधार करना नहीं। बुराई पर चर्चा सब करते हैं, पर बुराई को दूर करना कोई नहीं चाहता। तभी तो दुनिया में इतनी बुराई है।' चित्रकार पत्नी की बात से सहमत हो गया।

सूडोकु नवताल- 7350

★☆☆☆☆ सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7349 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 8565

बाएँ से दाएँ

1. कवि की रचना,गजल-3
3. अनुमान,अंदाज-3
5. सदपुरुष-2
6. अयोग्य,असंगत -2
8. स्वार्थ,लोभ-4
10. सहयोग,सहकार-3
11. उन्माद,सनक-3
12. भगवान का अराधक-2
13. ठंडक,शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन,अशिष्टता-4
20. पैंदा,तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर,फन,आर्ट-2
2. बल,दम,जोर-3
3. समीप,नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम,संदेह-3
7. उपनदी,कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख,सौ हजार-2
11. स्वभाव,आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब,शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा,लाइन-3
21. होठ,अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 8564 का हल

स	ह	ल	ज	■	■	कु	ली	न
रि	■	■	र	सा	त	ल	■	फा
ता	ना	■	■	ग	म	■	■	स
■	जा	म	■	र	■	■	स	त
■	य	म	ज	■	आ	रा	म	■
ह	ज	■	■	ह	■	न	त	■
ज	■	■	क	र	■	■	ल	ब
र	■	स	ला	म	त	■	■	द
त	बा	ही	■	■	य	की	न	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

मुण्डीपार किसान ने 20 साल पुराना अंतर्राज्यीय मार्ग किया अवरूद्ध

लाड़सा-उमरी के ग्रामीणों में आक्रोश

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत लाड़सा उमरी को जोड़ने वाला अन्तर्राज्यीय मार्ग जो कि मध्यप्रदेश को महाराष्ट्र की सीमा से ग्राम मुण्डीपार को जोड़ता है। इन दिनो इस मार्ग को लेकर क्षेत्र वासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि महाराष्ट्र के ग्राम मुण्डीपार निवासी किसान मुन्नालाल गौतम के द्वारा उक्त मार्ग के कुछ हिस्से को अपनी भूमि स्वामी हक कि जमीन बताकर वर्तमान में मार्ग को अवरूद्ध कर दिया गया है। जिसको लेकर अब ग्रामीण जनो को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम लाडसा, उमरी सहित आस पास के ग्रामीण जनों का कहना है कि वर्षो से इस मार्ग के से आवागमन हो रहा है अब क्यो इस तरह की दिक्कतें आ रही है जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने एसडीएम लांजी को की गई है।

लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत लाखों रूपये की लागत से निर्मित है मार्ग

मार्ग को लेकर जब स्थानीय लोगो से जानकारी ली गई तो बताया कि वर्ष 2005 में काम के बदले अनाज योजना अन्तर्गत उक्त मार्ग का निर्माण लोक निर्माण विभाग के द्वारा 18 लाख 71 हजार रूपये लगभग कि लागत से किया गया था। ग्रामीणों ने कहा कि हम को लगभग 20 वर्ष बीत चुके है इस सड़क से आवागमन करते हुये। आस पास के क्षेत्र सहित अन्य ग्रामों के लोग भी रोजाना इस मार्ग का उपयोग करते है ऐसे में इस तरह अपनी मनमानी कर मार्ग को अवरूद्ध कर देना कहा तक सही है या उचित है जिसकी जांच अधिकारियों के द्वारा की जानी चाहिये तथा जब तक जांच पुरी नही होती या कोई निर्णय नही निकलता तब तक मार्ग को आवागमन हेतु प्रारंभ रखना चाहिये। बतादे कि यदि यह मार्ग प्रारंभ नही किया जाता तो आस पास के लोगो को लगभग 8 किमी का फेरा करते हुये उमरी होते हुये उक्त ग्राम मुण्डीपार सहित अन्य ग्रामो में जाना होगा जिससे लोगो को आर्थिक, शाीरिक एवं मानसिक रूप से परेशानी का सामना करना पड़ेगा। ग्राम लाड़सा अन्तर्गत प्रसिद्ध चौंडादेव मेले का आयोजन प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णीमा को किया जा जाता है इस मेले में क्षेत्र सहित आस पास के पडोसी राज्यों से भी बडी मात्रा में बाबा चौंडादेव के दर्शनो के लिये पंहुचते है। यदि उक्त मार्ग को अवरूद्ध किया जाता है तो भक्तों तथा मेले में आने जाने वाले लोगो को व्यापारी गणो को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है।

20 वर्षो से हो रहा आवागमन

मार्ग को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि लाड़सा से मुण्डीपार के बीच जब पुल का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ था वर्ष 2005 में तब से अब तक लगातार इसी मार्ग से आवागमन किया जा रहा है। इसलिये उक्त मार्ग को अवरूद्ध करना नियमों के विरूद्ध है। वहीं शासन के द्वारा भी मार्ग पर लाखो रूपये खर्च किय गये है। अतः नियमानुसार भी मार्ग को अब अवरूद्ध नही किया जा सकता।

इनका कहना है

उक्त मार्ग को लेकर जब लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार से चर्चा कि गई तो आपने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। वर्तमान में आर आई पटवारी को मौका स्थल पर भेजकर कार्य को बंद करवाया गया है। वहीं मार्ग प्रारंभ करने के विषय में कहा गया कि लोक निर्माण विभाग से जानकारी लेकर उचित कार्यवाही कि जावेगी।

पीएम श्री शासकीय कन्या विद्यालय लांजी में गीता जयंती महोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर मुख्यालय में संचालित पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 1 दिसंबर को विकासखण्ड स्तरीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन प्रमुख से विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य पीएम श्री कन्या विद्यालय लांजी प्रमोद भिमटे की उपस्थिती में किया गया। जिसमें विकासखण्ड लांजी के 14 हायर सेकेण्डरी/हाईस्कूल में से प्रत्येक विद्यालय से 10 छात्र छात्राओं ऐसे कुल 940 छात्र छात्राओं तथा इन्ही विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा सहभागिता की गई। आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ देवेश ऐडे भाजपा मण्डल अध्यक्ष बिसोनी, दिनेश लाड़े जनपद सदस्य तथा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भिमटे की उपस्थिती में कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं भगवान श्री कृष्ण जी के छायाचित्र के मसक्ष दीप प्रज्जवलन पूजन अर्चन कर किया गया। तदोपरांत शासन के निर्देशानुसार श्रीमद्भागवत गीता के अध्याय 15 का सस्वर वाचन छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य महेन्द्र अवसरे ने छात्रों को कर्म के सिद्धांत का पालन करते हुये जीवन मे आगे बढने की प्रेरणा दी। प्राचार्य सुभाष बसेना ने श्रीमद्भागवत गीता के उपदेशों पर संक्षिप्त प्रकाश डालते अच्छे कर्म कर अपने जीवन में सदाचार का आचरण कर छात्राओं को जीवन में आगे बढने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य प्रमोद भिमटे ने उपस्थित समस्त अतिथियों एवं विकास खण्ड के सभी हाईस्कूल हायरसेकेण्डरी शालाओं के प्राचार्य एवं शिक्षकों सहित छात्र छात्राओं को आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में शाला परिवार से एस के बोरकर, डीएस वाकड़े, जे एल धारने, अमित आसटकर, बसंत रामटेके, सीआर बडघैया, खिलेश्वर दमाहे, संतोष सोनवाने, महेन्द्र तिड?, राहुल तिड़के, सागर आसटकर, राजकुमार नगपुरे,

सिद्धांत बैस, भारती कोठारे, कुमूदनी कुचलाहे, माया पारधी, ज्योति पोरले, निशा तिड?, यशोदा रणदिवे, सरस्वती बिल्हारे, किरण मानकर, करूणा मानकर, मानसी बोरकर, आम्रपाली पटले, गुरूवंती सिंगोतिया, नोहर लाल पटले, खेमेश्वर रहांगडाले, भूपेन्द्र चौधरी, बीसी टेंभरे, संध्या मुरूकूटे, सोनाक्षी रावते, शिला आसटकर, उपासना मटाले, ललीता सुलाखे, रामकुमार यादव, कौतिका नारनौरे, वरूण गजभिये सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाऐं, कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक आनंद लटारे के द्वारा किया गया।

बहेला संकुल के दो वरिष्ठ शिक्षकों नरबदा प्रसाद मस्करे व पिरमदास दशरिया को समारोह आयोजित कर दी भावपूर्ण विदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। संकुल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला अंतर्गत कार्यरत दो अनुभवी शिक्षकों नरबदा प्रसाद मस्करे तथा पिरमदास दशरिया 30 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त हो गए। दोनों

शिक्षकों ने दशकों तक ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा का उजाला बांटा और ईमानदारी व समर्पण की अनुपम मिसाल कायम की। नरबदा प्रसाद मस्करे शासकीय माध्यमिक विद्यालय डोंगरगांव में तथा पिरमदास दशरिया शासकीय हाई स्कूल रिसेवाड़ा में पदस्थ थे। सेवानिवृत्ति के अवसर पर दोनों शिक्षकों का विदाई समारोह उनकी-अपनी पदस्थ संस्थाओं में अलग-अलग आयोजित किया गया। कार्यक्रमों में ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन, अभिभावक, पूर्व विद्यार्थी तथा संकुल के समस्त शिक्षक-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। दोनों विदाई समारोहों की अध्यक्षता संकुल प्राचार्य गणेश फरदे ने की। अपने मार्मिक उद्बोधन में श्री फरदे ने कहा, 卐गुरु वो दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। श्री मस्करे जी और श्री दशरिया जी ने अपना पूरा जीवन इसी दीपक की तरह बच्चों के भविष्य को रोशन करने में लगा दिया। अब सेवानिवृत्ति के बाद इनके कंधों पर दो नई जिम्मेदारियां आएंगी ङ्क परिवार की सुख-सुविधा और समाजसेवा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये दोनों शिक्षक समाज के लिए भी उतने ही उपयोगी और प्रेरणास्रोत बने रहेंगे जितने विद्यालय में रहे। श्री फरदे ने आगे कहा कि दोनों शिक्षकों ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी कभी अपने कर्तव्य से मुंह नहीं मोड़ा। ग्रामीण क्षेत्र में संसाधनों की कमी के बावजूद इन्होंने बच्चों में पढ़ने की ललक जगाई और अनगिनत विद्यार्थियों का भविष्य संवारा। कार्यक्रम में उपस्थित सरपंचों, ग्रामीणों एवं शिक्षकों ने भी दोनों सेवानिवृत्त शिक्षकों को पुष्पगुच्छ, शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने भावुक विदाई गीत प्रस्तुत किए तथा पूर्व छात्रों ने अपने गुरुओं को स्मृतिचिह्न और आशीर्वचन दिए। अंत में संकुल प्राचार्य गणेश फरदे एवं सभी उपस्थित लोगों ने नरबदा प्रसाद मस्करे एवं पिरमदास दशरिया के सेवानिवृत्त जीवन के लिए उज्ज्वल भविष्य, अच्छा स्वास्थ्य एवं सुख-शांति की कामना की। दोनों शिक्षकों ने भावुक स्वर में सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि वे जीवन भर अपने विद्यार्थियों और समाज की सेवा करते रहेंगे।

शासकीय माध्यमिक शाला खाण्डाफरी में महिला सशक्तिकरण थीम पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। कलेक्टर मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट श्रीमती दीपमाला सोलंकी व मिशन शक्ति के डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के मिशन समन्वयक रचना चौधरी व केस वर्कर श्रीमती यनिता राहंगडाले के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष हाफिजा मिर्जा के नेतृत्व में मिशन शक्ति जागरूकता शिविर व बाल विवाह मुक्त भारत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बाल विवाह के खिलाफ राष्ट्रीय अभियान (27 नवंबर 2025 से 8 मार्च 2026 तक) के तहत विभिन्न स्थानों पर महिला एवं बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इसी कड़ी में 1 दिसम्बर को ग्राम पंचायत खाण्डाफरी के शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला खाण्डाफरी व आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं एवं महिलाओं को अधिकारों, आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण, शिक्षा, एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। साथ ही संबंधित प्रमुख अधिनियमों पर विस्तार से चर्चा की गई घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, 2005 अंतर्गत घरेलू हिंसा में शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं भावनात्मक हिंसा शामिल है।

पीड़िता हेतु रहने का अधिकार, सुरक्षा आदेश, भरण-पोषण एवं आपातकालीन सहायता का प्रावधान अधिनियम अंतर्गत दिया जाता है। शिकायत दर्ज करने के लिए प्रोटेक्शन ऑफिसर, पुलिस, या वन स्टॉप सेंटर से संपर्क किया जा सकता है। कार्यक्रम में ग्रामीण बालिकाओं, महिलाओं एवं युवतियों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी गई।मिशन शक्ति अन्तर्गत संकल्प हब फोर एम्पावरमेंट ऑफ विमेन में (महिलाओं के विकास एवं ज्ञान आधारित उन्नति के लिए सहयोग अंतिम पड़ाव तक पहुँच और क्षमता विकास के प्रयास, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साईबर हेल्पलाइन नंबर 1930, महिलाओं के केन्द्रीय कानून (घरेलु हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005), कार्यस्थल पर महिलाओ का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) 2013, दहेज़ प्रतिषेध अधिनियम (1961), मिशन वात्सल्य, बाल विवाह निषेध अधिनियम (2006), लैंगिक अपराधों से बच्चो का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम (2012), गर्भधारण पूर्व और प्रसवपूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम (1994), मेडिकल टर्मिशन ऑफ़ प्रेगनेंसी (एमटीपी),, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, बाल विवाह से रोकथाम, वन स्टॉप सेंटर एवं अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। उक्त अवसर पर क्षेत्र के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 की कार्यकर्ता द्वारा भी आपातकालीन संपर्क नंबरों से अवगत कराया, जिससे आमजन इन सेवाओं का आवश्यकता पड़ने पर तत्काल लाभ ले सकें। इस अवसर पर खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष हाफिजा मिर्जा, धीरज वाहने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, स्वास्थ्य विभाग से आरिफ हुसैन, माध्यमिक शाला खाण्डाफरी के शिक्षक संतोष पटले, प्राथमिक शिक्षक कु. तुलसी नारनौरे, रीता घोंगड़े, अनिल कुमार शेंडे, शंभूनारायण पांडे, सचिव राजेश्वर मतारे, सहायक सचिव राजू मर्सकोले, पटवारी संजय धारणे, रामदयाल सहारे, काशीराम घोंगड़े, कोटवार राजू गोडवाने, तिलचंद टिकेश्वर, छाया जाम्भुरकर, कु. शुभांगी घोंगड़े, आशा कार्यकर्ता सीता खरे, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सीमा चालाक, गेहश्री घोंगड़े, सहायिका किरण गुर्दे एवं विद्यालय की छात्राएं उपस्थित थी।

कारंजा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का नाम अब 'बाला साहब शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कारंजा'

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी विकासखंड अंतर्गत आने वाले शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कारंजा का नाम आधिकारिक रूप से बदल दिया गया है। अब इस विद्यालय का नया नाम बाला साहब शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कारंजा होगा। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 1 मार्च 2025 को लाँजी में आठ दिवसीय आध्यात्मिक व सांस्कृतिक कोटेश्वर महोत्सव में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कारंजा हायर सेकेंडरी स्कूल का नामकरण बाला साहब देवरस के नाम पर करने की घोषणा की थी। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में जिला स्तरीय नामकरण समिति की अनुशंसा तथा जिला प्रशासन के अनुमोदन के बाद कलेक्टर मृणाल मीना ने इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि अब से विद्यालय के सभी आधिकारिक दस्तावेजों, बोर्ड, साइनेज तथा रिकॉर्ड में नया नाम बाला साहब शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कारंजा ही प्रयुक्त होगा। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि नाम परिवर्तन की औपचारिकताएं शीघ्र पूरी करते हुए इसका पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। साथ ही विद्यालय के मुख्य द्वार, शिलापट्ट, स्टेशनरी तथा सभी सरकारी पोर्टल पर नया नाम अपडेट करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

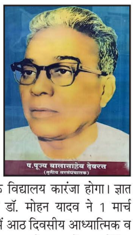

प.पूज्य बालासाहेब देवरस (तृतीय सरसंघचालक)

बाला साहब देवरस और कारंजा का अटूट संबंध

कारंजा, बालाघाट जिले की लांजी तहसील का एक छोटा-सा ग्राम है, जो कि बाला साहेब देवरस का पैतृक गांव है। इनके पिता शासकीय कर्मचारी थे एवं नागपुर के इतवारी में निवास था, तब 11 दिसम्बर 1915 को नागपुर में बाला साहेब देवरस का जन्म हुआ था। किन्तु कारंजा उनका पैतृक गांव होने से उनका जुड़ाव रहा है। बचपन से ही मेधावी रहे बाला साहब ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नागपुर से प्राप्त की। बाद में उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रसेवा को जीवन का ध्येय बनाया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। शिक्षा के प्रति उनकी गहरी आस्था और ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अलख जगाने के प्रयास आज भी प्रेरणास्रोत हैं। क्षेत्रवासियों ने लंबे समय से मांग की थी कि उनके गाँव के इस महान सपूत के नाम पर विद्यालय का नामकरण हो। इस मांग को देखते हुए जिला प्रशासन ने सकारात्मक पहल की और आज यह मांग पूरी हो गई। ग्रामवासियों और विद्यालय के पूर्व छात्रों में इस फैसले को लेकर खुशी की लहर है। कई लोगों का कहना है कि बाला साहब देवरस के नाम से विद्यालय का नाम जुड़ने से छात्र-छात्राओं को अपने गाँव के इस महापुरुष से प्रेरणा मिलेगी और वे भी शिक्षा व राष्ट्रसेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे। आगामी दिनों में विद्यालय परिसर में बाला साहब देवरस की प्रतिमा स्थापना और नामकरण समारोह आयोजित करने की भी तैयारी की जा रही है। इस प्रकार कारंजा का यह शासकीय विद्यालय अब न केवल शिक्षा का केंद्र रहेगा, बल्कि बाला साहब देवरस के विचारों और आदर्शों का जीवंत प्रतीक भी बनेगा।

लांजी क्षेत्र में बैटरी चोर गिरोह सक्रिय, ट्रैक्टर से बैटरी चोरी

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में इन दिनों वाहनों से बैटरी सहित अन्य वाहन सामग्री चोरी की घटनाऐं प्रकाश में आ रही है। ऐसा प्रतित होता है कि क्षेत्र में बैटरी चोर गिरोह सक्रिय नजर आने लगा है। कई बार इस संदर्भ में शिकायत प्राप्त हुई है कि ट्रैक्टर सहित अन्य वाहनों से नगरिय क्षेत्र हो या ग्रामीण इलाके जहां बहार आंगन में खडें वाहनों से बैटरी चोर गिरोह के सदस्यों के द्वारा रात्रि में अंधेरे का फायदा उठाते हुये वाहनों से बैटरी चोरी की घटना को अंजाम दिया जाता है तथा इन बैटरियों को या कबाड़ी की दुकानों मे ले जाकर विक्री किया जा ता है या तो इन चोर गिरोह के साथ सक्रिय जो कि बड़ी संख्या में बैटरी खरीदकर शहरो में ले जाकर बिक्री की जाती है। बैटरी चोरी का एक मामला ग्राम पंचायत टेकरी निवासी नंदकिशोर पिता गोविंद प्रसाद सातपुते के द्वारा संज्ञान में लाया गया जहां उन्होने पुलिस थाना पंहुचकर आवेदन दिया है कि मेरा ट्रैक्टर वाहन क्रमांक एमपी 50 ए 8499 जो वाहन घर के पास खेत खलियान में खड़ा रखा था। जिसमें एमरॉन कंपनी की बैटरी एवं डाबर पट्टा था जिसे अज्ञात चोरो के द्वारा 30 नवंबर की मध्य रात्रि में चोरी कर लिया गया है। बैटरी की कीमत लगभग 7500 हजार रूपये तथा डाबर पट्टे की

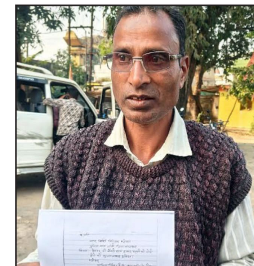

कीमत लगभग 2 हजार रूपये बताई गई है। आवेदन कर्ता ने कहा कि भविष्य में भी अज्ञात चोरों के द्वारा इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया जा सकता है इस हेतु आवेदन किया जा रहा है।

गोवर्धन बेदरे का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के भिलाई रोड़ निवासी गायत्री परिवार के सक्रिय कार्यकर्ता व सेवा निवृत्त शिक्षक जी डी बेदरे का 1 दिसम्बर को सुबह 9 बजे हृदय गति रुक जाने से 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार आज 2 दिसम्बर मंगलवार को सुबह 11 बजे कोटेश्वर मोक्षधाम में किया जाएगा। आप अपने पीछे एक पुत्र रवि बेदरे व तीन पुत्रियों का भरा पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। इनके निधन पर गायत्री परिवार, पेंशनर्स एसोसिएशन संघ परिवार, नाते रिश्तेदार व ग्रामीणजनों ने गहन दुःख प्रकट कर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की है।

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी लाँजी में मनाया गया विश्व एड्स दिवस एवं श्रीमद् भगवत गीता जयंती कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर में संचालित श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी लांजी में 1 दिसंबर को मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस एवं श्रीमद् भगवत गीता जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात माँ सरस्वती एवं माँ भारती के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इसके पश्चात् कार्यक्रम प्रभारी द्वारा विश्व एड्स पर विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए एड्स महामारी के बारे में जागरूक किया गया। इसी विश्व एड्स दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई जिसमें सहभागी विद्यार्थीगण - रिंकु कलपुरे, निर्जला कुशले, उर्वशी रहमतकर, स्वाती रणदिवे, आंचल बसोने सम्मिलित रहे। इसके पश्चात् श्रीमद् भगवत गीता जयंती कार्यक्रम का सीधा प्रसारण अखील भारतीय गीता सम्मेलन द्वारा किया गया। जिसमें गीता के अध्याय 15 के श्लोक का पाठ एवं उनके भावार्थ को बताया गया साथ ही गीता का संक्षिप्त व्याख्यान किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्राचार्य, समस्त शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टॉफ तथा समस्त विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

स्मार्ट तकनीक आधारित त्वरित निराकरण प्रणाली और संवेदनशील पुलिसिंग से बढ़ी सड़क सुरक्षा और नागरिकों का विश्वास

बेहतर यातायात प्रबंधन और महिला सुरक्षा के लिए भोपाल, इंदौर ,अशोकनगर और डिंडोरी पुलिस का सार्थक प्रयास

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा भोपाल, इंदौर, अशोकनगर तथा डिंडोरी में कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और महिला सुरक्षा को नई दिशा देने के लिए तकनीक-संचालित एवं नागरिकङ्केंद्रित सार्थक प्रयास प्रारंभ किए गए हैं। इन पहलों का उद्देश्य ट्रैफिक दबाव, भौगोलिक व संरचनात्मक चुनौतियों तथा महिला सुरक्षा की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए अधिक सुरक्षित, सुगम और नागरिक-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है।

भोपाल-क्यूआर कोड आधारित शिकायत/सुझाव प्रणाली

भोपाल में नगरीय यातायात पुलिस द्वारा आम नागरिकों की आसान और सीधे सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष त्तक्र कोड प्रणाली शुरू की गई है। नागरिक इस क्यूआर कोड को स्कैन कर किसी भी चौराहे, तिराहे, सड़क या क्षेत्र से संबंधित समस्या, सुझाव या अव्यवस्था की सूचना सीधे भेज सकते हैं। प्राप्त जानकारियों का संकलन कर परीक्षण उपरांत पुलिस उपायुक्त, यातायात द्वारा आवश्यकतानुसार स्थल निरीक्षण, त्वरित सुधारात्मक कदम तथा संबंधित विभागों से समन्वय कर निराकरण किया जा रहा है। इस पहल से यातायात प्रबंधन अधिक नागरिक-केंद्रित, सहभागितापूर्ण और पारदर्शी बन रहा है तथा सुरक्षित आवागमन के लिए नियम पालन की जन-जागरूकता भी बढ़ रही है।

इंदौर-व्हाट्सएप हेल्पलाइन से त्वरित ट्रैफिक समाधान

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 7049107620 जारी किया गया है। इस हेल्पलाइन पर प्राप्त 1119 शिकायतों में से 1077 का त्वरित निराकरण कर पुलिस ने नागरिकों में भरोसा और शीघ्र सेवा की अपेक्षा को और मजबूत किया है। शेष 44 शिकायतों पर भी सतत कार्यवाही जारी है। हेल्पलाइन पर मुख्य रूप से ऑटो/ई‍ङ्करिक्शा द्वारा अव्यवस्थित रूप से सवारी बैठाने, शाम के समय मुख्य मार्गों पर बढ़ते यातायात दबाव तथा शादी/बारात/मैरिज गार्डन आदि के कारण होने वाले ट्रैफिक अवरोध से संबंधित समस्याएँ प्राप्त हुईं, जिनका समाधान ट्रैफिक वायरलेस कंट्रोल, फील्ड टीमों, क्रेन/सपोर्ट तथा तत्काल पेट्रोलिंग कार्रवाई के माध्यम से किया गया।

अशोकनगर -'निर्भया पुलिस मोबाइल' से महिला सुरक्षा को नया आयाम

महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अशोकनगर में पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में 'निर्भया पुलिस मोबाइल' सेवा का शुभारंभ किया गया है। इस सेवा का उद्देश्य महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम, सुरक्षा की सतत उपस्थिति तथा त्वरित पुलिस सहायता सुनिश्चित करना है। निर्भया पुलिस मोबाइल स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग सेंटरों एवं अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग कर महिलाओं और छात्राओं में सुरक्षा का भाव मजबूत करेगी। रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 05:00 बजे तक शहर में किसी भी अकेली महिला या बालिका की जानकारी मिलने पर उसे सुरक्षित उसके घर तक पहुँचाने की सुविधा प्रदान की गई है, जिसके लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर 7587619200 जारी किया गया है। इस यूनिट में एक उप निरीक्षक, दो महिला आरक्षक तथा दो पुरुष आरक्षकों का विशेष बल तैनात है, जिसका संचालन एवं समन्वय महिला सुरक्षा शाखा अशोकनगर द्वारा किया जा रहा है।

डिंडोरी पुलिस -क्यूआर कोड आधारित ऑनलाइन शिकायत प्रणाली

जनहित में पारदर्शिता और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने हेतु जिले में ऑनलाइन शिकायत प्रणाली शुरू की गई है, जिसके माध्यम से नागरिक बिना किसी भय या औपचारिकता के अपनी समस्या सीधे पुलिस अधीक्षक तक पहुँचा सकते हैं। क्यूआर कोड आधारित इस सुविधा से नागरिक मोबाइल से कोड स्कैन कर आसानी से ऑनलाइन फॉर्म भरकर शिकायत, सुझाव या दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं। थानों, चौकियों, पुलिस लाइन व विभिन्न शासकीय कार्यालयों में लगाए गए क्यूआर कोड लोगों को घर बैठे या सार्वजनिक स्थान से ही शिकायत दर्ज करने की सुविधा प्रदान करते हैं।

ये सभी पहलें प्रदेश में स्मार्ट, संवेदनशील और नागरिक-अनुकूल पुलिसिंग का सशक्त उदाहरण बन रही हैं। इन पहलों ने न केवल यातायात अवरोधों में कमी और सड़क सुरक्षा को मजबूत किया है, बल्कि महिला सुरक्षा के लिए भरोसेमंद तंत्र विकसित कर पुलिसङ्कनागरिक संवाद एवं विश्वास को भी नई ऊँचाई दी है।

वर्ष की अंतिम लोक अदालत 13 दिसंबर को

विश्व एड्स दिवस पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने लोक अदालत एवं जागरूकता प्रचार रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में 13 दिसंबर 2025 को वर्ष 2025 की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन एवं लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहनों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने जिला न्यायालय भोपाल से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। 01 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस होने से एड्स से बचाव एवं सुरक्षा संबंधी तख्तियां एवं बैनर के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया गया। प्रचार वाहनों द्वारा नेशनल लोक अदालत की जिंगल्स एवं फ्लेक्स बैनर के माध्यम से नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार भोपाल के विभिन्न शहरी एवं सुदूरवर्ती ग्रामों में किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश तथा जिला न्यायाधीश संजय कुमार शाही, जिला न्यायाधीश संतोष कौल अन्य न्यायाधीशगण साहित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अग्नीन्ध्र कुमार द्विवेदी, सुनीत अग्रवाल, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, विधिक सहायता अधिकारी बी.एम. सिंह, जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष दीपक खरे, महासचिव मनोज श्रीवास्तव, तथा संघ के अन्य पदाधिकारीगण एवं उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में विद्युत विभाग एवं नगर निगम द्वारा बकाया बिलों पर एवं न्यायालयों में लंबित प्रकरणों में अधिभार / शारित शुल्क पर लोक अदालत में विशेष छूट दी जा रही है। पक्षकारों के मध्य आपसी सद्भाव बढ़ता है, कटुता समाप्त होती है, समय, धन व श्रम की बचत होती है। कोई भी पक्षकार हारता नहीं है दोनों पक्षकारों की जीत होती है। लोक अदालत में प्रकरण का निराकरण होने से न्याय शुल्क वापस होता है। लोक अदालत का आदेश / निर्णय अंतिम होता है, लोक अदालत के आदेश के विरूद्ध अपील नहीं होती। लोक अदालत में निराकरण होने से पक्षकारों के मध्य विवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है।

भाजपा कार्यालय में मंत्रियों का बैठना शुरू, देवडा और टेटवाल रहे मौजूद

भोपाल। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पहल आखिर कार रंग लाई। उन्होंने प्रदेश भाजपा की कमान संभालते समय इस बात पर बल दिया था कि प्रदेश कार्यालय में भी मंत्री बैठे कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुने और उसका निराकरण भी करें। सोमवार को उनकी यह मंशा पूरी भी हो गई। अब सरकार के मंत्री हर दिन 2 घंटे दोपहर 1 से 3 बजे तक नियमित रूप से यहां बैठेंगे। इसकी शुरूआत प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री गौतम टेटवाल ने यह दो घंटे तक बैंठे कर की। देवड़ा ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के विचार विमर्श के बाद संगठन और सत्ता दोनों का समन्वय हो जिसके लिए एक व्यवस्था बनाई गई है। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में सरकार के मंत्रीगण हर दिन 2 घंटे दोपहर 1 से 3 बजे तक नियमित रूप से बैठेंगे। आज मैं और गौतम टटवाल दोनों बैठे थे। इस व्यवस्था से पूरे मध्यप्रदेश के कार्यकर्ता भोपाल आते हैं और मंत्रिगणों से मुलाकात करना चाहते हैं। उनकी कोई ना कोई समस्याएं रहती है। जिले की छोटी बड़ी समस्याएं व्यक्तिगत भी होती है क्षेत्र की भी रहती है। संगठन की दृष्टि से कोई समस्या होती है तो उन समस्याओं का समाधान कैसे किया जाए और कम से कम वह कार्यालय जाकर मंत्रीगणों के साथ बैठकर अपनी समस्या बता सकते हैं। हम भी यह कोशिश करेंगे कि उन समस्याओं का समाधान यथासंभव जल्द से जल्द किया जाएगा। वास्तव में सराहनीय व्यवस्था है, हमको भी बहुत अच्छा लगा कि आज अनेक कार्यकर्ता हमसे आकर मिले। हम उन सब समस्याओं को सूचीबद्ध करेंगे अगर कहीं विभिन्न विभागों की अलग-अलग विभागों की कोई समस्या है तो हम उसका फॉलोअप लेंगे। उनके कामों को लेकर कार्यकर्ताओं को जानकारी भी मिले और अगर काम हो जाता है तो उनको अवगत कराने का काम भी हम करेंगे। देवडा ने इस व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को धन्यवाद दिया।

भगवान मुनिसुव्रत नाथ भगवान की प्रतिमा पर छत्र आरोहण

भोपाल। मुनि सुव्रतनाथ जिनालय गोंदरमऊ में मुलनायक भगवान मुनिसुव्रतनाथ की विशाल प्रतिमा के अभिषेक के साथ विशेष पूजा अर्चना हुई। प्रथम अभिषेक का सौभाग्य मनोज, सुभाष, पिंटू, मनीष बांगा परिवार ने किया। दिगंबर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज बांगा, मंत्री मनोज आर एम ने बताया मुनि संस्कार सागर महाराज के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भगवान की प्रतिमा के मस्तक पर छत्र आरोहण किया गया। जयपुर राजस्थान से आया अष्टधातु का छत्र लगभग 35 किलो का था। इसी के साथ श्रद्धालुओं ने भक्ति मय आरती के साथ भक्तांमर का वाचन किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज बांगा ने जिनालय में होने वाले निर्माण कार्यों की जानकारी दी। मंदिर समिति के संयोजक एडवोकेट अभिषेक राज जैन ने बताया दिगंबर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के द्वारा भविष्य में जिनालय में शिखर पर भव्य ध्वजारोहण के साथ अनेक कार्य पूर्ण होंगे। मुनि श्री ने कहा संसार सागर से पार उतरने के लिए भक्ति मय नौका बहुत आवश्यक है। हमारी भक्ति बहिरंग से पहले आंतरिक भावों से होना चाहिए। भक्ति भक्त का वह संपदा है, जिससे वह प्रभु के सन्निकट हमेशा पहुंच सकता है। भक्ति का रंग दुनिया का सबसे सुंदर रंग होता है। भक्ति के भाव संसार के श्रेष्ठ भाव, इस अवसर पर ट्रस्टी सुनील पब्लिशर, विपिन जैन एमपीटी, अभि राज एडवोकेट, ऋषभ जैन, साकेत जैन सहित अनेक धर्माव लंबी मौजूद थे।

गुगल मेंप से टारगेट सेट कर मकानो में चोरी करने वाला इंटरस्टेट चोर गिरफ्तार

भोपाल की 6 घटनाओ का खुलासा, 20 लाख का माल बरामद

गुगल मेप से इलाके की जानकारी जुटाने बाद बोलता था धावा

भोपाल। अयोध्यानगर पुलिस ने दो इंटरस्टेट चोरो को दबोचते हुए आधा दर्जन चोरी की घटनाओ का खुलासा करते हुए करीब 20 लाख का माल जप्त किया है। बरामद माल में 150 ग्राम सोने, करीब 1 किलो चांदी के जेवरात सहित एक्टिवा वाहन शामिल है। शातिर आरोपी दिन के समय सूने मकानो की रैकी करता और फिर रात को उन मकानो पर धावा बोलकर माल उड़ा देता था। शातिर आरोपी वारदात से पहले टारगेट किये गये एरिये के लिये आने-जाने वाले रास्तो और मोबाईल फोन पे गूगल मेप पर इलाके को चिंहित करने के बाद वारदाता को अंजाम देता था। गिरफ्तार आरोपी झझर हरियाणा का रहने वाला है, जो देश के एमपी सहित हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान राज्यो में नकबजनी की वारदाते कर चुका है। थाना प्रभारी निरीक्षक महेश लिल्हारे ने जानकारी देते हुए बताया की थाना इलाके मे स्थित मीनाल रेसीडेन्सी मे मई 2025 में चोरी की आधा दर्जन वारदातें हुई थी। इस मामले में गठित की गई टीम लगातार आरोपी का सुराग जुटाने में लगी थी। काफी प्रयासो के बाद पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फूटेज में नजर आ रहे सदिंग्ध हो तकनीकी सुराग और मुखबीर की मदद से इंदौर से धर दबोचा। आरोपी की पहचान विजेन्द्र उर्फ बन्टू पिता भीम सिंह जांगीड (46) निवासी, ग्राम भिण्डवासा थाना बैरी जिला झझर हरियाणा, हाल पता , दुर्गापुर रोड मंगल रेसीडेन्सी ऑयल डिपो के पास वडनेरा अमरावती महाराष्ट्र के रुप में हुई। पूछताछ में आरोपी ने मीनाल रेसीडेंसी में चोरी की 6 वारदातोघटनाओ को अंजाम देने का खुलासा कर दिया। पुलिस ने बताया की पकड़ाया गया आरोपी आदतन चोर है, जो बचपन से वारदातो को अंजाम दे रहा है, उसके खिलाफ जयपुर के थाना सोदाला, माधोपु, वैशावीनग, खेतडीनगर झुनझुनू, वैशावीनगर,नवलगढ झुनझुनू, जोठवारा, ननगाल राज वतन ठोसा, सूरजगढ झुनझुनू, कोतवाली नागौर, बाँडकला भिभानी, कनीना जयपुर, कोतवाली सिकर, आगर मालवा आगर मालवा, विजयनगर इंदौर सहित भोपाल के अयोध्यानगर में 6 मामलो सहित कई राज्यो में चोरी-नकबजनी के दर्जनों मामले दर्ज है। पुलिस ने बताया की बेहद शातिर आरोपी विजेन्द्र उर्फ बन्टू 5वी तक पढ़ा है, और पुरानी गाड़ियां खरीने-बेचने का काम करता है।

मानसिक रूप से अस्वस्थ 50 वर्षीय महिला घर की राह भटकी, डायल- 112 जवानों ने एफआरव्ही वाहन से लेकर परिजन से मिलाया

भोपाल । धार के थाना अमझेरा क्षेत्र में गांव घटोदा के पास मानसिक रूप से अस्वस्थ 50 वर्षीय महिला जो घर की राह भटक गयी है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल में दिनाँक 01-12-2025 को सुबह 05:30 बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल अमझेरा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टाफ सैनिक प्रकाश एवं पायलेट गोकुल ने मौके पर पहुँचकर बताया कि एक 50 वर्षीय महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ थी । डायल-112 जवानों द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए पीड़ित महिला को एफ आर वी से साथ लेकर आस-पास तलाश और पूछ-ताछ करने पर वहां से कुछ दुरी पर पीड़ित महिला के परिजन महिला को तलाश करते हुए मिले, पीड़ित महिला द्वारा पहचान व सत्यापन उपरांत उनके परिजन के सुपुर्द किया। परिजन द्वारा डायल-112 सेवा की प्रशंसा एवं पुलिस स्टाफ का धन्यवाद किया।

एमपीआरडीसी की बड़ी लापरवाही...मप्र में टूटा 50 साल पुराना ब्रिज, दो बाइक समेत 4 पुल से गिरे

एक की मौत; पीडब्ल्यूडी अफसर सस्पेंड

रायसेन/भोपाल। रायसेन जिले में पुल गिरने से घायल हुए लोगों में से सीआरपीएफ के पूर्व जवान देवेंद्र धाकड़ की इलाज के दौरान भोपाल में मौत हो गई है। बाइक सवार देवेंद्र इस हादसे में वे पुल के मलबे में दब गए थे। जिले में बरेली-पिपरिया स्टेट हाइवे पर बना नयागांव का पुल 50 साल पुराना था और इसका निर्माण 1980 में लोक निर्माण विभाग ने किया था। यह पुल कई साल से क्षतिग्रस्त था।

पुल की मरम्मत के दौरान बरेली साइड का एक स्पान गिर गया। हादसे के वक्त पुल के नीचे 8 मजदूर काम कर रहे थे। हादसे में कुल 10 लोग घायल हुए, जिनमें 2 बाइक वाले 4 युवक भी शामिल थे। इन घायलों का उपचार बरेली सिविल अस्पताल में चल रहा है। गंभीर रूप से घायल एक युवक देवेंद्र धाकड़ को भोपाल रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

फील्ड स्टाफ मैनेजर सस्पेंड

पुल के गिरने के बाद प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए फील्ड स्टाफ मैनेजर एए खान को सस्पेंड कर दिया है, क्योंकि पुल के मेंटेनेंस की जिम्मेदारी उन्हीं की थी। एडीबी योजना के तहत तैयार किए गए रैम्स सॉफ्टवेयर के सर्वे में पहले ही यह पाया गया था कि पुल के स्लैब में जंग लगी है, एक्सपेंशन ज्वाइंट में कचरा है और प्रोटेक्शन वर्क खराब है। इन्हीं ऑब्जर्वेशन के आधार पर पुल की मरम्मत और पुनर्निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया था और मेंटेनेंस के लिए 98 लाख की स्वीकृति भी दी गई थी। आरोप है कि मध्य प्रदेश सड? परिवहन निगम ने क्षतिग्रस्त पुल पर नया पुल बनाने के बजाय सिर्फ सड? बना दी थी और चालू पुल के नीचे सेंटिंग लगाकर काम चल रहा था, जिससे यह हादसा हुआ। चीफ इंजीनियर गोपाल सिंह की अध्यक्षता में 3 सदस्यीय समिति बनाई गई है, जो 7 दिवस में घटना की जांच रिपोर्ट पेश करेगी। बता दें कि रायसेन जिले की बरेली तहसील में नयागांव का पुल अचानक ढह गया। यह पुल 50 साल पुराना था और कई साल से क्षतिग्रस्त चल रहा था। इस हादसे में 10 लोग घायल और एक की मौत हो गई है।

रवि फसलों के लिए किसानों को नहीं मिल रही खाद, बारिश से हुई फसलें बर्बाद

विधानसभा में अतिवृष्टि से फसल नुक्सान पर सदस्यों ने की चर्चा

भोपाल। भारी बारिश के चलते दो-दो, तीन-तीन बार फसलें बर्बाद हुई हैं, जिससे किसानों को भारी नुक्सान हुआ है। इस स्थिति से कृषि मंत्री वाकिफ हैं, फिर व्यवस्था क्यों नहीं करते हैं, उन्हें तत्काल व्यवस्था करनी चाहिए। जो इस समय सदन में उपस्थित नहीं हैं। यह बात विधायक यादवेंद्र सिंह ने नियम 139 के तहत किसानों की समस्याओं पर हो रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए कही।

दरअसल विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लंच उपरांत सदन में नियम 139 के अंतर्गत अतिवृष्टि से हुए फसल नुकसान के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी। चर्चा में हिस्सा ले रहे विपक्ष के सदस्य यादवेंद्र सिंह ने कहा कि एक तरफ तो बारिश के चलते किसानों की एक या दो-दो बार नहीं बल्कि तीन-तीन बार फसलें बर्बाद हो गईं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जल्द से जल्द सर्वे कराने का आश्वासन दिया था। कृषि मंत्री जो इस समय सदन में उपस्थित नहीं हैं वो भी जानते हैं, फिर व्यवस्था क्यों नहीं करते हैं, तत्काल व्यवस्था करनी चाहिए। विधायक यादवेंद्र ने रवि फसलों का जिक्र करते हुए कहा कि हालात ये हैं कि अब रवि की फसल बोने के मौके पर खाद नहीं मिल रही है। जो फसलें बर्बाद हो चुकीं उनका सर्वे नहीं कराया। इसी के साथ उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का उल्लेख करते हुए कहा, कि शिवराज सिंह ने सीहोर यात्रा के दौरान इस बात को स्वीकार किया था और कहा था कि किसानों को फसल नुक्सान पर पर्याप्त बीमा राशि नहीं मिल रही। उन्होंने इस पर नाराजगी भी जाहिर की थी। विधायक यादवेंद्र ने कहा कि यहां सीएम कह रहे कि सरकारी रेट पर खरीदी नहीं की जाएगी, ऐसा करके किसानों को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है। इससे पहले चर्चा में हिस्सा ले रहे विधायक दिनेश गुर्जर ने भी किसानों की समस्याओं और फसलों को हुए नुक्सान के साथ ही साथ खाद व बिजली की अपर्याप्ता की बात सदन में रखी। वहीं विधायक बावू जण्डेल ने किसानों को फसल नुक्सान पर बीमा राशि नहीं मिलने का मामला प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि किसानों को बीमा क्लेम के नाम पर महज 200-400 रुपये दिए गये हैं।

5 दिसंबर तक की रजिस्ट्रेशन होंगे परिचय सम्मेलन में

भोपाल। 13 से 15 दिसंबर तक आयोजित होने वाले देश के पहले विशाल अखिल भारतीय जैन युवक -युवती परिचय सम्मेलन में विवाह योग्य युवक-युवतियों के रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 5 दिसंबर तक है। यह जानकारी देते हुए समिति के प्रवक्ता सुनील जैनाविन ने बताया कि देश के विभिन्न प्रांतो के साथ-साथ विदेश में निवास कर रहे अप्रवासी भारतीयों के भी आवेदन निरंतर हो रहे हैं। आयोजन समिति अपने स्तर पर तैयारी की समीक्षा कर तैयारी में लगी हुई है।

एम्स भोपाल में राष्ट्रीय स्तर की फार्माकोलॉजी क्विज़ 'फार्मक्वेस्ट 2025' का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल में फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा देशभर के एमबीबीएस छात्रों के लिए फार्मक्वेस्ट इंटर-कॉलेज फार्माकोलॉजी क्विज़ का नौवां संस्करण आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य मेडिकल छात्रों को दवाओं की वैज्ञानिक समझ, उनके सुरक्षित उपयोग और क्लिनिकल निर्णय क्षमता को और मजबूत करना था, ताकि भविष्य में आम नागरिकों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के एनएमसी मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेजों और सभी एम्स से कुल 34 टीमों के 68 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रारंभिक राउंड के बाद एम्स रायपुर, एम्स बीबीनगर, एम्स भोपाल और सीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, हैदराबाद की चार टीमें अंतिम चरण के लिए चयनित हुईं। अंतिम क्विज़ को इस तरह तैयार किया गया था कि छात्र मज़ेदार तरीके से सीख सकें।

एम्स रायपुर के स्नाहस दिन्नेपल्ली और अनिकेत त्रिपाठी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब जीता। एम्स बीबीनगर के गणराज नल्लवार और मोहम्मद शजर कलीम उपविजेता रहे। एम्स भोपाल के कृष्ण कौशल और वेदांत अमलाथे ने प्ले-अलॉन्ग राउंड में जीत दर्ज की। साथ ही, तीसरा स्थान प्रांजल खत्री और मानव खत्री (एम्स भोपाल) ने हासिल किया, जबकि चौथा स्थान निष्ठा अग्रवाल और बी. वेंकट कार्तिक (सीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, हैदराबाद) को मिला। फार्मक्वेस्ट जैसे आयोजन मेडिकल छात्रों को प्रतिस्पर्धी माहौल में सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ, प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर ने सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी तथा आयोजकों के उत्कृष्ट प्रयासों की भी सराहना की। यह कार्यक्रम छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, दवाओं की समझ और जिम्मेदार चिकित्सा अभ्यास को बढ़ावा देता है।

माँ की डांट से नाराज 12 वर्षीय बालक घर का रास्ता भटका, डायल-112 जवानों ने परिजन से मिलाया

भोपाल। भोपाल जिले के थाना मिसरोद क्षेत्र में अम्बेडकर नगर में एक 12 वर्षीय बालक मिला है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है,सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल में दिनांक 01-12-2025 को प्राप्त हुई।सूचना पर तत्काल मिसरोद थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टाफ प्रधान आरक्षक मानवेन्द्र सिंह एवं पायलट निशांत पांडे मौके पर पहुँचकर बालक को संरक्षण में लिया। डायल-112 जवानों ने बालक से स्नेहपूर्वक परिजन के बारे में पूछताछ करने पर बालक ने बताया कि करेली नरसिंहपुर का निवासी है माता की डांट से नाराज होकर ट्रेन में बैठकर भोपाल आ गया था, डायल-112 जवानों ने बालक के पिता का मोबाइल नंबर लेकर सम्पर्क कर मिसरोद थाना बुलाया गया7 जिन्हें बालक द्वारा पहचान एवं सत्यापन उपरांत पिता के सुपुर्द किया।

विधानसभा में प्रश्न लगाने के बाद दी गई आदिवासी मजदूरों की मजदूरी

भोपाल। सीहोर जिले में 2 हजार आदिवासी मजदूरों को माह जून 2025 से अब तक उनकी मजदूरी का भुगतान नहीं किए जाने का मामला विधानसभा में उठाया गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और विधायक अजय अर्जुन सिंह और डॉ हिरालाल अलावा ने ध्यानाकर्षण सूचना दायर की थी। इस पर सदन में जवाब देते हुए वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने बताया कि श्रमिकों को उनकी म ?दूरी का भुगतान कर दिया गया है। यह भुगतान 17 नवंबर और 26 नवंबर को किया गया था।

ध्यानाकर्षण सूचना दायर करते हुए बताया गया कि आदिवासी मजदूरों का लगभग 8 करोड़ का भुगतान शेष है और बिना भुगतान आज तक कार्य कराए जा रहे हैं। इससे मजदूरों में रोष व्याप्त है। इस पर वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने सदन में जवाब देते हुए बताया कि श्रमिकों को 17 और 26 नवंबर को उनकी मजदूरी का भुगतान किया गया है। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने कहा, उनकी ध्यानाकर्षण सूचना लगाए जाने के बाद ही मजदूरों का भुगतान किया जा सका है। उन्होंने कहा कि जो काम अब किया गया उसे समय रहते पहले भी किया जा सकता था। सवाल यही है कि पहले यह काम क्यों नहीं किया गया? मजदूरों को समय पर मजदूरी मिल सके इसके लिए उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से भी आग्रह किया। इस विलंब से बचने एक बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए।

गावस्कर ने विराट को एकदिवसीय का महानतम बल्लेबाज बताया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया है। उन्होंने कहा कि विराट के 52 शतक बताते है कि वह एकदिवसीय प्रारुप में कितने बेहतरीन खिलाड़ी हैं। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की पारी खेलने के साथ ही इस प्रारुप में सबसे अधिक शतक का रिकार्ड भी अपने नाम किया है।

गावस्कर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई संदेह नहीं है। मेरा मतलब है कि यह केवल मैं नहीं सोचता हूं। मुझे लगता है कि जो लोग विराट के साथ और उनके खिलाफ खेले हैं वे सभी इस बात को जानते हैं कि वह एकदिवीय प्रारूप का सबसे महान खिलाड़ी है।' उन्होंने कहा, विराट ने 52 शतक बनाए हैं। ये आंकड़ा उसे बहुत ऊपर ले जाता है।' यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग भी कोहली की क्षमताओं का लोहा मानते हैं।

गावस्कर ने कहा, 'पोंटिंग ने कहा हैं उन्होंने जिन बल्लेबाजों को देखा है उनमें कोहली एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ हैं। मेरा मतलब है कि जब कोई ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कहता है कि कोहली सबसे अच्छे हैं तो मुझे नहीं लगता कि तब इसमें किसी को कोई संदेह होना चाहिये। हर कोई इस बात से सहमत होगा कि किसी ऑस्ट्रेलियाई से तारीफ काफी कम मिलती है।' गावस्कर ने कहा कि सचिन तेंदुलकर के 51 एकदिवसीय शतक के रिकॉर्ड को पार कर विराट ने अपने को साबित कर दिया है। उन्होंने कहा, 'आप अब तक सचिन 51 शतक के साथ शीर्ष पर थे पर जब आप महान सचिन जैसे महान खिलाड़ी को पीछे छोड़ देते हैं तो आपको पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं।'

गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के कोच शुक्री कॉनराड की भारतीय टीम को घुटने पर लाने वाली टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'यह एक गलत सलाह वाली टिप्पणी हो सकती है।गलत समय, गलत जगह। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मीडिया से बात करते हुए वह ध्यान रखेंगे हालांकि मुझे नहीं लगता कि उन्हें माफी मांगने की जरूरत है। मैं निजी तौर पर माफी में विश्वास नहीं रखता।' गावस्कर ने कहा, 'पर अपनी गलती को स्वीकार करना चाहिये। ऐसी चीजें होती ही रहती हैं। जोश में आकर आप कभी-कभी कुछ ऐसा कह देते हैं।'

दूसरे एशेज टेस्ट से बाहर हो सकते हैं वुड, टंग या पॉट्स को मिल सकता है मौका

ब्रिसबेन। पहले ही एशेज सीरीज में 1-0 से पीछे चल रही इंग्लैंड क्रिकेट टीम की मुश्किलें बढ़ना तय है। इसका कारण है कि उसके तेज गेंदबाज मार्क वुड घुटने की चोट के कारण 4 दिसंबर से शुरु हो रहे इस मैच से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में उनकी जगह पर वुड के स्थान जोश टंग या मैथ्यू पॉट्स आ सकते हैं।

वुड का पुराना घुटने का दर्द उभर गया है वुड ने अपने बाएं घुटने में दर्द की शिकायत की है। इस घुटने की उनकी सर्जरी भी हुई थी। जिसके कारण वह नौ महीने तक क्रिकेट से बाहर रहे थे। पर्थ में पहले मैच में वह खेलने उतरे जरुर थे पर उनकी गेंदबाजी उम्मीद के अनुसार नहीं रही। इस तेज गेंदबाज ने पर्थ में हुए पहले टेस्ट में केवल 11 ओवर फेंके थे, जिसमें इंग्लैंड को दो दिन के अंदर ही करारी हार का सामना करना पड़ा था। वुड के घुटने की सर्जरी भी हुई थी। इसी कारण वह जिम्बाब्वे और भारत के खिलाफ इंग्लैंड की घरेलू सीरीज से भी बाहर रहे थे।

घुटने के दर्द के कारण ही वुड इंग्लैंड के वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भी शामिल नहीं हुए थे। इससे ये तय तय माना जा रहा है कि वह गुरुवार से गाबा में शुरू होने वाले डे-नाइट (गुलाबी गेंद) टेस्ट में नहीं खेलेंगे। ऐसे में उनकी जगह पर वुड के स्थान जोश टंग या मैथ्यू पॉट्स आ सकते हैं। टंग इस समय इंग्लैंड लायंस के साथ कैनबरा में प्राइम मिनिस्टर एकादश के खिलाफ डे-नाइट मैच खेल रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने गाबा में होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट के लिए 14 सदस्यों वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया है, क्योंकि कप्तान पैट कमिंस पीठ की चोट से उबर रहे हैं और दूसरे मैच से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड टीम ब्रिस्बेन पहुंच गयी है। उसके तीन खिलाड़ी जैकब बेथेल, मैथ्यू पॉट्स और जोश टंग को ही प्रधानमंत्री एकादश से खेलने का अवसर मिला है।

मार्करम ने हार के बाद भी अपनी टीम के जुझारु रवैये को सराहा

रांची। पहले एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालने वाले एडन मार्करम ने भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद भी अपनी टीम के प्रदर्शन की तारीफ की है। मार्करम ने कहा है कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है क्योंकि उसने 350 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा काफी अच्छे से किया। शुरुआत में ही 11 रनों पर तीन विकेट गंवाने के बाद भी टीम ने 332 रन बनाये और वह लक्ष्य से केवल 18 रन ही दूर थी। इस दौरान एक समय लग रहा था कि वह लक्ष्य हासिल कर लेगी। मैच के बाद एडन मार्करम ने कहा कि उन्हें अपनी इस टीम पर गर्व है। उन्होंने इस दौरान विशेष रुप से दो खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर सराहना की।

मार्करम ने कहा, हां उन्हें इन खिलाड़ियों पर गर्व है। इनकों अपना काम करते देखना बहुत अच्छा लगता है। इन्होंने कभी भी यह भरोसा नहीं खोया कि हम लक्ष्य नहीं पा सकते हैं।जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ रही थीं, वे काफी उम्मीद लगाए हुए थे। शीर्ष क्रम हालांकि असफल रहा। हमें पता था कि गेंद स्विंग करेगी और फिर लक्ष्य का पीछा करते समय गेंद विकेट से थोड़ी तेजी आएगी, लेकिन फिर भी ऐसा लगा कि लक्ष्य का पीछा करना ही गेम जीतने का सबसे अच्छा तरीका है। अगले गेम में शीर्ष क्रम पर जिम्मेदारी रहेगी। मध्यक्रम पहले ही अच्छा प्रदर्शन कर सकता है।कुल मिलाकर, लड़कों की कोशिशों पर बहुत गर्व है। वे बहुत करीब पहुंच गए और उन्होंने जबरदस्त खेल दिखाया। कप्तान ने मार्को यान्सन और कॉर्बिन बॉश की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह बहुत बढ़िया है। कोई भी टीम जितना हो सके उतनी अच्छी बल्लेबाजी करना चाहेगी और वे हमारे लिए ठीक यही करते हैं।

विलियमसन लखनऊ सुपर जायंट्स को सफलता दिला पायेंगे ?

मुम्बई। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन 2026 आईपीएल सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स में एक नई भूमिका रणनीतिक सलाहकार के तौर पर नजर आयेंगे पर देखना होगा कि वे इसमें टीम को कितनी सफलता दिला पाते हैं। पिछले सत्र में सुपर जायंट्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। इससे टीम टीम मालिक संजीव गोयनका ने सोशल मीडिया में लिखा, विलियमसन का लखनऊ सुपर जायंट्स परिवार में रणनीतिक सलाहकार के रूप में स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। उनकी नेतृत्व क्षमता, रणनीतिक अंतर्दृष्टि, खेल की गहरी समझ और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें टीम के लिए अमूल्य बनाती है। न्यूजीलैंड टीम के पूर्व कप्तान विलियमसन को आईपीएल का अच्छा खासा अनुभव है। आईपीएल में एक खिलाड़ी के तौर पर भी उन्होंने 10 सीजन खेले हैं।

श्रीकांत बोले, विराट और रोहित के अब 2027 विश्वकप में खेलने को लेकर संदेह नहीं

बेंगलुरु। पूर्व क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है 2027 विश्वकप में जीतना है तो विराट कोहली ओर रोहित शर्मा को टीम में रखे। श्रीकांत ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधते हुए कहा है कि जिस प्रकार से विराट और रोहित खेल रहे हैं उसको देखते हुए इन दोनों के 2027 विश्व कप में खेलने को लेकर कोई संशय नहीं होना चाहिए। इन दोनो ने अपने प्रदर्शन से विश्वकप के लिए जगह पक्की कर ली है।

रोहित और कोहली ने मिलकर साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 109 गेंद में 136 रन बनाये थे। जिससे भारतीय टीम एक बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। कोहली ने 135 रन बनाए और अपना 52 शतक लगाया। इससे वह एकदिवसीय में सबसे अधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये जबकि रोहित ने भी तेजी से 57 रन बनाए और इस दौरान एकदिवसीय में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इसी को देखते हुए श्रीकांत ने कहा कि इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के बिना भारत भारतीय टीम विश्वकप नहीं जीत सकती।

श्रीकांत ने कहा, 卐कोहली और रोहित शीर्ष स्तर पर खेल रहे हैं। इन दोनों के बिना 2027 विश्व कप की योजना सफल नहीं रहेगी। आपको इन दोनो की ही जरुर है और इस पर कोई सवाल नहीं उठना चाहिए। श्रीकांत ने दोनों खिलाड़ियों की फिटनेस की भी तारीफ की, जो 37 और 38 साल के हैं और केवल एक ही प्रारुप खेल रहे हैं। साथ ही कहा कि इन दोनो ने रनों के साथ ही फिटनेस पर भी काफी काम किया है।

उनादकट मुश्ताक अली टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने

अहमदाबाद। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने दिल्ली के खिलाफ हुए सैयद मुश्ताक अली क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। उनादकट इस मैच में दिल्ली के कप्तान नितीश राणा का विकेट लेते ही मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गये। उनादकट के नाम अब 121 विकेट हो गये हैं और उन्होंने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज़ सिद्धार्थ कौल 120 विकेट को पीछे छोड़ दिया है। सिद्धार्थ ने 12 साल में 87 मैच खेलकर 120 विकेट लिए थे। वहीं, उनादकट ने अपने 83वें मैच में ही ये रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब उनके नाम 121 विकेट हो चुके हैं। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की संख्या केवल छह है।

ब्रिसबेन में वापसी की तैयारी कर रहे स्टोक्स

ब्रिसबेन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स पर्थ में एशेज क्रिकेट सीरीज की हार से उबरकर अब यहां 4 दिसंबर से शुरु होने वाले दूसरे टेस्ट में टीम को जीत दिलाने का प्रयास करेंगे। स्टोक्स 2010-11 में एंड्रयू स्ट्रॉस बाद एशेज जीतने वाले पहले इंग्लैंड के कप्तान बनना चाहते हैं और इसके लिए अपनी ओर से पूरा प्रयास करेंगे। इंग्लैंड को पर्थ में हार के बाद वापसी के लिए दिग्गज खिलाड़ियों ने कई प्रकार के टिप्स दिये हैं। जिससे स्टोक्स उत्साहित हैं। उनका लक्ष्य गेंदबाजी लाइनअप में विविधता लाना भी है। स्टोक्स टीम के सकारात्मक पक्ष को उभारना चाहते हैं। उनकी टीम ने पहले टेस्ट की पहली पारी में अच्छी बढ़त हासिल की और एक समय पर तीसरी पारी में बड़ी बढ़त की ओर बढ़ रही थी, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि टीम ने ऐसे अवसरों की भी पहचान की है जिससे वे पीछे रह गये थे। स्टोक्स ने कहा, 卐हम जानते हैं कि उस पहली हार के बाद इंग्लैंड के प्रशंसक निराश होंगे पर ये पांच मैचों की सीरीज है, और हमें चार मैच अभी खेलने हैं। हम पहला मैच हार चुके हैं पर हम अब भी सीरीज जीतना चाहते हैं।卐स्टोक्स ने कहा, 卐हमने उस टेस्ट में कुछ अच्छी चीजें कीं। जिस तरह से हमने पहली पारी में प्रभावी गेंदबाजी की, और हम तीसरी पारी में 1 विकेट पर 100 रन ही बना पाये थे। इसके साथ ही हमने ऐसा स्कोर बनाया जिसे हमें लगा कि निश्चित रूप से उसका बचाव किया जा सकता है।卐 उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं, और हमने इस पर ध्यान दिया है कि गलती कहां हुई थी। इसके अलावा वो कौन से अवसर थे जिसमें हम बेहतर कर सकते थे। स्टोक्स ने अपनी टीम के रवैये की भी प्रशंसा की।

बीसीसीआई ने बुधवार को बुलायी अहम बैठक

गंभीर और अगरकर सहित प्रबंधन को बुलाया गया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण (बीसीसीआई) ने बुधवार को रायपुर में एक बैठक बुलाई है। इसमें टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर सहित टीम प्रबंधन को बुलाया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बैठक में बोर्ड गंभीर और अगरकर से टेस्ट क्रिकेट की रणनीति, टीम चयन और प्रबंधन के सीनियर खिलाड़ियों के साथ संबंधों को लेकर जवाब मांगेगा। बैठक में रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों के साथ टीम मैनेजमेंट के रवैये और संवाद पर भी सफाई मांगी जाएगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया, संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया, हेड कोच गौतम गंभीर और राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर शामिल होंगे। अभी यह साफ नहीं है कि बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास बैठक में शामिल होंगे या नहीं।

बीसीसीआई के एक बड़े अधिकारी के मुताबिक बैठक का उद्देश्य चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन ट के बीच सामंजस्य बनाना है। चयन में निरंतरता और टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। अधिकारी ने स्वीकार किया कि टेस्ट फॉर्मेट में हाल में हुई चीजों से बोर्ड चिंतित है। उन्होंने कहा, होम टेस्ट सीजन के दौरान मैदान और मैदान से बाहर की रणनीतियों पर संशय देखा गया। हम स्पष्टता और फॉरवर्ड प्लानिंग चाहते हैं, खासकर तब जब अगल टेस्ट सीरीज 8 महीने बाद है।

बैठक में चर्चा सिर्फ टेस्ट क्रिकेट से जुड़े मसलों पर नहीं होगी। अधिकार ने माना कि मौजूदा टीम मैनेजमेंट जिस तरह से सीमित ओवरों के सीनियर खिलाड़ियों के साथ पेश आ रही है, उससे बेचैनी बढ़ी है।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स टेबल टेनिस-एसआरएम, चितकारा, चंडीगढ़ और कलकत्ता यूनिवर्सिटी ने नॉकआउट चरण में प्रवेश किया

जोधपुर। पांचवें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के टेबल टेनिस इवेंट में आज महिला वर्ग के लीग मैच रोमांचक रूप से समाप्त हुए, जिसके बाद नॉकआउट चरण की तस्वीर स्पष्ट हो गई है। चेनपुरा इंडोर स्टेडियम में आयोजित कड़े मुकाबलों के बाद, एसआरएम यूनिवर्सिटी, चितकारा यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी और कोलकाता यूनिवर्सिटी ने महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है। पुरुष वर्ग में भी पाँच टीमें - चितकारा, चंडीगढ़, जैन, एसआरएम और एडम यूनिवर्सिटी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर चुकी हैं।

महिला वर्ग में एसआरएम यूनिवर्सिटी ने अपने ग्रुप-ए अभियान को त्रुटिहीन रिकॉर्ड के साथ पूरा किया; उन्होंने अपने सभी मैच जीतकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और अविजित रहीं। यह प्रदर्शन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि टीम को अभ्यास के दौरान अपनी प्रमुख खिलाड़ी मानुश्री पाटिल की चोट का सामना करना पड़ा। काव्यश्री भास्कर के नेतृत्व में, टीम ने हर चुनौती पर काबू पाने के लिए विलक्षण जुझारूपन और दृढ़ता प्रदर्शित की। वहीं, पंजाब यूनिवर्सिटी ने भी राजस्थान यूनिवर्सिटी को 3-1 से हराकर नॉकआउट की क्षमता दिखाई।

दिन के सबसे रोमांचक और तनावपूर्ण मुकाबले ग्रुप-बी और ग्रुप-डी में देखने को मिले। ग्रुप-बी में, चितकारा यूनिवर्सिटी ने एडम यूनिवर्सिटी पर 3-2 की बेहद करीबी जीत दर्ज की। यह मैच दो थ्रिलर पाँच-गेम मुकाबलों से उजागर हुआ, जिसने स्कोर को 2-2 पर बराबर कर दिया था। अंत में, निर्णायक रबर में, प्रिता वर्तिकर ने स्नेह भौमिक को हराकर चितकारा के लिए मुश्किल से हासिल की गई यह जीत पक्की की। दूसरी ओर, ग्रुप-डी में कोलकाता यूनिवर्सिटी और जैन यूनिवर्सिटी के बीच मुकाबला किसी रोलरकोस्टर की सवारी से कम नहीं था, जिसमें अंततः कलकत्ता 3-2 से विजयी रहा। कलकत्ता की माहेक दास ने विशेष रूप से यादगार प्रदर्शन किया; उन्होंने शुरुआती गेम गंवाने के बाद, निर्णायक गेम में दो गेम से पिछड़ने के बाद ज़बरदस्त वापसी की और संवेदनशील समय में दबाव को झेलते हुए टीम के लिए एक अविस्मरणीय जीत सुनिश्चित की। ग्रुप-सी में, परिणाम बड़े पैमाने पर अपेक्षित रहे, जहाँ चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी और एसएनडीटी यूनिवर्सिटी दोनों ने अपने-अपने मैच 3-0 के समान स्कोर से जीते।

पुरुष वर्ग में नॉकआउट की स्थिति अभी भी बन रही है। अब तक सिर्फ ग्रुप-डी ने अपने दोनों क्वालीफ़ायर (एसआरएम और एडम) को अंतिम रूप दिया है। अन्य ग्रुपों में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमों का फैसला कल सुबह तीसरे दौर के फिक्सचर्स के पूरा होने के बाद होगा। महिला वर्ग में, शेष ग्रुपों में बचे हुए तीसरे दौर के मैच देर रात समाप्त होंगे, जिसके बाद नॉकआउट लाइनअप को पूरा करने वाली अंतिम चार टीमें भी तय हो जाएंगी।

गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीकी कोच शुकरी कॉनराड की विवादित टिप्पणी के लिए आलोचना की

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टेस्ट सीरीज में विवादित टिप्पणी करने वाले दक्षिण अफ्रीकी टीम के मुख्य कोच शुकरी कॉनराड की कड़ी आलोचना की है। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार की बातें मेहमान टीम के मुख्य कोच ने कही उन्हें उसके लिए पछतावा होना चाहिये। गुवाहाटी टेस्ट के दौरान मीडिया से बात करते हुए कॉनराड कहा था कि हम चाहते हैं कि वे रेंगें।

कॉनराड से पूछा गया कि उन्होंने पहली पारी में फॉलोऑन क्यों नहीं कराया, तो उन्होंने जवाब दिया, 卐हम चाहते थे कि वे अपनी नाक रगड़ना शुरु करें।卐 इस टिप्पणी की दोनो ही टीमों के दिग्गज क्रिकेटरों ने आलोचना की थी। गावस्कर ने कहा कि ऐसे शब्दों का इस्तेमाल ठीक नहीं था। विशेष रुप से उन्हें याद रखना चाहिये कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी में मुख्य भूमिका निभाई थी और तभी से दोनों देशों के बीच गहरे क्रिकेट संबंध हैं। गावस्कर ने कहा, 卐आप कह सकते हैं कि यह शब्द का ग ल त इस्तेमाल था। हमें दक्षिण अफ्रीका की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी को याद करना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका की वापसी का प्रस्ताव बीसीसीआई ने ही रखा था। वहीं वापसी के बाद का पहला अंतरराष्ट्रीय मैच भारत में ही खेला गया था।

इस पूर्व कप्तान ने आगे कहा कि वह माफी की मांग नहीं कर रहे, लेकिन उम्मीद करते हैं कि कॉनराड अपनी अगली पत्रकार वार्ता में इस पर सफाई देंगे और मानेंगे कि उनकी टिप्पणी सही नहीं थी। गावस्कर ने कहा, 卐मुझे उम्मीद है कि अपनी अगली मीडिया बातचीत में वे इस पर बात करेंगे। मुझे नहीं लगता कि माफी जरूरी है। मैं व्यक्तिगत रूप से माफी में विश्वास नहीं करता पर गलती स्वीकार करना और सुधार करना सभी के लिए स्वीकार्य होगा।

2027 एकदिवसीय विश्कप खेलना है लक्ष्य-रोहित

रांची। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने एक बार फिर कहा है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलना है। साथ ही कहा कि उम्र का खेल से कोई संबंध नहीं है। साथ ही कहा कि जब तक आप फिट हैं खेल सकते हैं। रोहित ने कहा कि उनकी क्रिकेट खेलने की भूख अभी समाप्त नहीं हुआ है। उनमें अब भी पहले वाला जुनून है। वह जिस प्रकार डेब्यू के समय खेलते थे अभी भी वैसे ही खेलते हैं ।38 साल के रोहित के बारे में अटकलें हैं कि उन्हें विश्व कप के लिए शायद ही जगह मिलेगी। वहीं रोहित के अनुसार वह विश्वकप खेलने के लिए तैयार हैं। एक वीडियो में रोहित ने कहा, जज़्बा और इच्छा शक्ति हर बार रहती है। फिर चाहे आपकी उम्र 38 हो या 28, हर बार देश के लिए खेलना सबसे बड़ा प्रेरणा स्रोत होता है।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि एकदिवसीय क्रिकेट टेस्ट और टी20 के बीच का होने के कारण सबसे संतुलित और कौशल-आधारित प्रारुप है। उन्होंने कहा, एकदिवसीय टेस्ट और टी20, दोनों का मिश्रण है। इसमें सलामी बल्लेबाज को जिसे नई गेंद स्विंग गेंदों से खेलना पड़ता है, ऐसे में टेस्ट वाली मानसिकता से खेलना होता है कि जितना हो सके छोड़ो, शरीर के करीब खेलो।

रोहित ने बताया कि उनका खेल के प्रति रवैया नहीं बदला है, वह हर मैच ऐसे खेलते हैं जैसे कि पहला मैच खेल रहे हों। जब मैंने 20 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था, तब जैसा ड्राइव था, वैसा ही आज भी है।वहीं भारतीय सहयोगी स्टाफ में शामिल मोनी मॉर्केल और कई पूर्व क्रिकेटरों का भी मानना है कि रोहित और विराट कोहली 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलेंगे। अब रोहित ने भी इसकी पुष्टि कर दी है

टीएल बैठक में की गई समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 01 दिसम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर जी एस धुर्वे, डीपी बर्मन, एसडीएम गोपाल सोनी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाईन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सीएम हेल्पलाईन में प्राप्त शिकायतों का तत्परता के साथ निराकरण करें। अधिकारी शिकायतकर्ता से सम्पर्क कर उसका संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। सभी विभागो को सीएम हेल्पलाईन की ग्रेडिंग में अग्रणी स्थान पर रहना है। बैठक में वृंदावन ग्राम योजना के अंतर्गत चयनित ग्रामों के विकास के लिए अन्य विभागों को कार्य योजना बनाकर शीघ्रता से प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए। बैठक में प्रसूति सहायता योजना एवं आहार अनुदान योजना का लाभ हितग्राहियों को तत्परता के साथ दिलाने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि कोई भी पात्र हितग्राही इसके लाभ से वंचित नही रहना चाहिए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत नक्सल प्रभावित क्षेत्र में अत्यधिक आवश्यकता वाली 10 सड़को का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सातनारी जलाशय के कार्य में प्रगति लाए और नहरों की साफ-सफाई का कार्य तत्परता के साथ पूर्ण करें। इस दौरान बताया गया कि सातनारी जलाशय का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और नहरों की सफाई का कार्य भी किया जा रहा है।

लचर सिस्टम- एम्बुलेंस के पहुँचने से पहले आ गई मौत

नागपुर से एसआईआर के लिए उमरी लौट रहे शख्स की महदुली में हुए सड़क हादसे में गई जान

पद्मेश न्यूज़ ।कटंगी। नागपुर से एसआईआर के कार्य के लिए गृह ग्राम उमरी लौट रहे एक व्यक्ति की महदुली के पास हुए सड़क हादसे में घायल होने के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना सोमवार की सुबह तकरीबन 10.30 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो महदुली के पास बाइक सवार व्यक्ति को अज्ञात चौपहिया वाहन ने टक्कर मार दी थी। मृतक की शिनाख्त ग्राम उमरी निवासी भूपेन्द्र पिता मन्तराम उके उम्र 44 वर्ष के रूप में हुई है। मृतक की शिनाख्त करने वाले उसके रिश्तेदार रामभरोस मासूलकर ने बताया कि भूपेन्द्र के सड़क दुर्घटना में घायल होने की सूचना पर वह तत्काल ही घटना स्थल पर पहुँचे थे तब उसे तत्काल उपचार की जरूरत थी। इसके लिए 108 एम्बुलेंस से संपर्क किया गया परंतु एम्बुलेंस दो घंटा बीत जाने के बाद भी घटना स्थल पर नहीं पहुँची। इस स्थिति में निजी वाहन कर उसे सरकारी अस्पताल कटंगी लाया गया। यहां के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रिफर कर दिया परंतु रिफर करने के लिए भी एम्बुलेंस सुविधा नहीं मिली। जब तक एम्बुलेंस पहुँचती तब तक उसकी मौत हो गई। चिकित्सकों ने भूपेन्द्र के सिर एवं नाक में अत्यधिक चोट लगने के कारण मौत की पुष्टि की है। इस पूरे घटनाक्रम में सुबह 10.30 बजे हादसे का शिकार हुए भूपेन्द्र उके की मौत दोपहर 12.30 बजे हुई। जिससे एम्बुलेंस के पहुँचने में

देरी से इंकार नहीं किया जा सकता है। कटंगी पुलिस ने रामभरोस मासूलकर की रिपोर्ट पर मर्ग क्र. 64/25 धारा 194 बीएनएसएस पंजीबद्ध कर सूचना एसडीएम को भेजी है। मृतक का पीएम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

मनरेगा की मीनाक्षी तालाब योजना ने बदली किसान अशोक की किस्मत

मछली पालन से हर साल 75-80 हजार की अतिरिक्त आय, जीवन स्तर में आया बड़ा बदलाव

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले के लालबर्रा विकासखंड के ग्राम खुरपुड़ी के किसान अशोक पिता मोतीलाल के जीवन में वर्ष 2021 एक नया मोड़ लेकर आया। मनरेगा के अंतर्गत 3 लाख 40 हजार रुपये की लागत से उनके खेत में मीनाक्षी तालाब का निर्माण हुआ। यह तालाब केवल पानी का स्रोत नहीं बना, बल्कि अशोक और उनके परिवार के लिए स्थायी आय का नया आधार भी बन गया।

धान की खेती से सीमित आय, तालाब ने खोला नया रास्ता

तालाब बनने से पहले अशोक केवल धान की खेती पर निर्भर थे, जिससे इतनी आय नहीं हो पाती थी कि परिवार की जरूरतें आराम से पूरी हो सकें। लेकिन मीनाक्षी तालाब बनने के साथ ही उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया। अशोक ने तालाब में रोहू, कतला, मृगल और ग्रासकार्प प्रजाति की मछलियां डालकर मछली पालन शुरू किया। धीरे-धीरे यह उनका मजबूत आय का जरिया बन गया।

हर साल 75-80 हजार रुपये की कमाई

मछली पालन से अशोक को हर वर्ष 75 से 80 हजार रुपये की अतिरिक्त आय होने लगी। तालाब बनने के बाद से वह अब तक 3 लाख 50 हजार रुपए की कमाई कर चुके हैं। तालाब का एक और बड़ा फायदा यह मिला कि अशोक खेतों की सिंचाई के लिए इसी पानी का उपयोग करते हैं। अब सिंचाई की सुविधा बढ़ने से धान उत्पादन पहले से अधिक हो गया है, जिससे उनकी कुल आय में और बढ़ोतरी हुई है। अशोक बताते हैं कि पहले जहां खर्च चलाना मुश्किल होता था, वहीं अब नियमित आय के कारण परिवार का रहन-सहन, खान-पान और जीवन स्तर काफी सुधर गया है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर घर की अन्य जरूरतों तक, अब वे बिना तनाव पूरा कर पा रहे हैं।

मीनाक्षी तालाब बना ग्रामीण आजीविका का मजबूत आधार

अशोक की कहानी यह साबित करती है कि मनरेगा की मीनाक्षी तालाब योजना केवल जल संरक्षण ही नहीं, बल्कि ग्रामीण आजीविका सृजन का भी प्रभावी माध्यम बन रही है। तालाब ने उनके जीवन में समृद्धि की धारा बहा दी है, और अशोक जैसे कई किसानों के लिए प्रेरणा बन गई है।

पांढरवानी पंचायत की मासिक बैठक संपन्न, विकास कार्यों पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी में 1 दिसंबर को पंचायत की मासिक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक पांढरवानी सरपंच अनीस खान, उपसरपंच राकेश अग्रवाल सहित पंचों एवं सचिव की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में पंचायत

क्षेत्र में किये जा रहे निर्माण कार्य, एसआईआर, आवास प्लस के तहत स्वीकृत मकानों एवं छुटे हितग्राहियों को लाभ दिलवाने, कौन-कौन से आगे विकास कार्य करना है सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और पंचों को निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी भी दी गई। साथ ही एसआईआर के तहत अधिक से अधिक मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए पंचों से कहा गया। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि पंचायत की मासिक बैठक सोमवार को संपन्न हुई है। आयोजित बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा कर पंचायत क्षेत्र में जारी निर्माण कार्यों की जानकारी से पंचों को अवगत करवाया गया है और आगामी विकास कार्यों के बारे में बताया गया ताकि पंचायत क्षेत्र में विकास हो सके। साथ ही यह भी बताया कि एसआईआर का कार्य चल रहा है, सभी पंचों से कहा गया कि अपने-अपने वार्ड के मतदाताओं का नाम जुडवाये। इस अवसर पर पंचगण एवं पंचायतकर्मी उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज में मनायी गई गीता जयंती

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 01 दिसम्बर को गीता जयंती कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन में किया गया है। कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में वरिष्ठ संरक्षक गायत्री शक्ति पीठ बालाघाट के महेश खजांची एवं सनातन धर्म समाज अध्यक्ष रत्न भूषणदास, अजिंक्य रूकमनगल सहायक प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक बालाघाट एवं श्री टी.आर. बिसेन व्यवस्थापक गायत्री शक्ति पीठ बालाघाट उपस्थित रहे। इस अवसर पर महेश खजांची ने श्रीमद् भगवत गीता को अपने आदर्श के रूप में स्वीकार करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया एवं गीता के उपदेश का मर्म समझाया। रत्नभूषण दास ने सभी विद्यार्थियों को श्रीमद् भगवत गीता के अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया एवं भगवान श्री कृष्ण के उपदेश एवं उनके विराट रूप की व्याख्या की। अजिंक्य ने शरीर की चेतना से ऊपर आत्मा की चेतना तक पहुंचने का प्रयास करने कहा और विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान श्रीमद्भगवत गीता के अध्ययन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

12 लाख 93 हजार 548 मतदाताओं के गणना पत्रकों का हुआ डिजिटलाइजेशन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (SIR 2026) कार्य में 01 दिसम्-?बर 2025 की शाम तक जिले में कुल 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं में से 12 लाख 93 हजार 548 गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन पूरा कर लिया गया है। इस प्रकार बालाघाट जिले में मतदाताओं के 94.40 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाईजेशन किया जा चुका है।

कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशन में बीएलओ की टीम शत-प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के लिए तेजी से काम कर रही है। बालाघाट जिले के 1675 मतदान केन्द्रों के बीएलओ द्वारा किये जा रहे इस कार्य की नियमित समीक्षा की जा रही है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी एस धुर्वे एवं सभी एसडीएम व तहसीलदार गांव-गांव जाकर एसआईआर कार्य का सतत निरीक्षण कर रहे हैं।

बालाघाट जिले में गणना पत्रकों के डिजिटलाइजेशन में बैहर विधानसभा 95.51 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के किया गया है। बैहर विधानसभा में 02 लाख 37 हजार 371 मतदाताओं में से 02 लाख 26 हजार 841 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। विधानसभा वारासिवनी में 95.52 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 07 हजार 152 मतदाताओं में से 01 लाख 97 हजार 880 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। विधानसभा परसवाड़ा 94.76 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 29 हजार 48 मतदाताओं में से 02 लाख 17 हजार 42 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है।

विधानसभा कटंगी 94.39 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 05 हजार 828 मतदाताओं में से 01 लाख 94 हजार 280 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। विधानसभा लांजी 95.58 गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 52 हजार 714 मतदाताओं में से 02 लाख 41 हजार 556 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। बालाघाट विधानसभा 90.66 गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 38 हजार 199 मतदाताओं में से 02 लाख 15 हजार 949 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है।

एड्स एक ला इलाज बीमारी है जानकारी ही बचाव है विश्व एड्स दिवस का आयोजन

पद्मेश न्यूज ।लामता। शासकीय महाविद्यालय लामता जिला बालाघाट में प्राचार्य डॉ. सुनीता वैद्य के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे के निर्देशन में आज दिनांक 1/12/2025 रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के माध्यम से विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला एवं पोस्टर तथा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन , स्वामी विवेकानंद छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य डॉ. सुनीता वैद्य ने कहा कि एड्स संक्रमित व्यक्ति के साथ हमें संवेदना व्यक्त करना चाहिए और वैश्विक एड्स नियंत्रण में सहभागिता जरूरी है। विषय विशेषज्ञ डॉक्टर श्रद्धा वासनिक ने अपने उद्बोधन में एड्स के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की और कहा कि एड्स लाइलाज बीमारी है । यह चार कारणों से फैलता है तथा इसके रोकथाम और बचाव के बारे में अवगत कराया। रेड रिबन क्लब के सदस्य विकास बिसेन एमए द्वितीय वर्ष ने एड्स के कारण एवं बचाव के बारे में छात्र-छात्राओं को बताया एड्स प्रश्नोत्तरी क्विज का संचालन डॉ विजेंद्र तरुणे के द्वारा किया गया । प्रश्नोत्तरी क्विज में जिन विद्यार्थियों ने प्रश्नों के उत्तर दिए उन्हें पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. डुलेश्वरी टेंम्भरे ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ढालसिंह गौतम ने किया। इस अवसर पर सुंदर बिसेन सहायक प्राध्यापक भूगोल, श्रीमती वंदना मैडम, सहायक प्राध्यापक इतिहास डॉ तुलसी झरिया, प्रवेश यादव, डॉ यादवेंद्र पटेल, डॉ राजपूत सर, डॉक्टर राहुल पटले, यशवंत बिसेन समस्त प्राध्यापक,अधिकारी, कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक रेड रिबन क्लब के सदस्य अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

बालाघाट के 200 युवक-युवतियां प्रतिष्ठित कंपनियों के लिए रवाना

2 दिसंबर को दोपहर 3 बजे कलेक्ट्रेट से बसों को दिखाई जाएगी हरी झंडी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले के युवाओं का एक बड़ा सपना साकार होने जा रहा है। जिले के 200 चयनित युवक-युवतियों को 02 दिसंबर को दोपहर 03 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट से बैंगलोर, अहमदाबाद और पुणे के लिए रवाना किया जाएगा। इन युवाओं का चयन हाल ही में जिला प्रशासन द्वारा स्वयंसेवी एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से आयोजित रोजगार मेले में देश की प्रतिष्ठित कंपनियों—टाटा इलेक्ट्रॉनिक, टाटा मोटर्स और टीवीएस—द्वारा किया गया है। जिले के दूरस्थ ग्रामीण एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं का चयन होना इस उपलब्धि को और भी महत्वपूर्ण बनाता है। कलेक्टर मृणाल मीना के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जिला प्रशासन के इस प्रयास से इन क्षेत्रों के युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

बालाघाट की बेटियां बनाएंगी एप्पल के मोबाइल सेट

रोजगार मेले में चयनित युवतियों को बैंगलोर स्थित टाटा इलेक्ट्रॉनिक कंपनी में भेजा जा रहा है, जहां वे अमेरिका की प्रतिष्ठित एप्पल कंपनी के लिए मोबाइल सेट बनाने का कार्य करेंगी। बालाघाट की बालिकाओं का यह योगदान जिले के लिए गर्व का विषय है।

युवक भी होंगे बैंगलोर, अहमदाबाद और पुणे रवाना

टीवीएस कंपनी द्वारा चयनित युवकों को भी बैंगलोर भेजा जा रहा है, जहां वे कंपनी के लिए बाइक निर्माण में योगदान देंगे। इसके साथ ही टाटा मोटर्स में चयनित युवाओं को अहमदाबाद और पुणे रवाना किया जाएगा। टाटा कंपनी की नई लॉन्च हुई टाटा सियारा कार के निर्माण कार्य में बालाघाट जिले के युवाओ का महत्वपूर्ण योगदान है। टाटा कंपनी की इस नई कार के निर्माण में बालाघाट जिले के 200 युवाओं ने अहम भूमिका निभाई है।

बेहतर भविष्य की ओर कदम

रोजगार प्राप्त करने वाले सभी युवाओं को 15 से 20 हजार रुपये मासिक वेतन दिया जाएगा। रहने और भोजन की व्यवस्था कंपनियों द्वारा की जाएगी। तीन वर्ष तक कार्य करने के बाद पात्र युवाओं को पॉलिटेक्निक का डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा और इच्छुक युवाओं को कंपनी द्वारा बी-टेक की पढ़ाई भी कराई जाएगी। जिले के युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार मिलने से उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और बालाघाट जिले के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में प्राचार्य डॉ.निधि ठाकुर की अध्यक्षता में 01 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव (गीता जयंती) कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्राओं को यूट्यूब लिंक के माध्यम से गीता ज्ञान का प्रसारण छात्राओं को दिखाया गया। तत्पश्चात गीता ज्ञान से संबंधित व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें गीता के ज्ञान से छात्राओं को परिचित कराया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.निधि ठाकुर द्वारा गीता ज्ञान से छात्राओं को अवगत कराया गया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुनील मासुरकर ने गीता ज्ञान को जीवन में उतारने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संयोजन प्रदीप गजभिए श्रीमती पुष्पा कुसरे, डॉ. रामबहोर साकेत द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी, अतिथि विद्वान का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में छात्राओं के द्वारा गीता के ज्ञान से संबंधित जानकारी के लिए लगभग 100 छात्राओं ने हिस्सा लिया ।

माता शबरी कन्या परिसर परसवाड़ा में मनाया गया गीता महोत्सव

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग तथा जनजातीय कार्य विभाग के संयुक्त सहयोग से 01 दिसम्बर को बालाघाट जिले के विकासखंड परसवाड़ा स्थित माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर में गीता जयंती महोत्सव-2025 को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। प्रात॰ 10 बजे से दोपहर 12॰30 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम में कन्या शिक्षा परिसर के साथ-साथ सांदीपनि विद्यालय एवं रानी दुर्गावती शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के लगभग 500 विद्यार्थियों ने भाग लेकर गीता का सस्वर पाठ किया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके बाद भक्ति गीतों का गायन, शंखनाद, तथा गीता पूजन किया गया, जिससे पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो गया। निर्धारित समय पर श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय 'पुरुषोत्तम योग' का सामूहिक पाठ और उसकी सरल व्याख्या प्रस्तुत की गई, जिससे छात्राओं में जीवन मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न हुई। कार्यक्रम में जनपद सदस्य रामेश्वर धानेश्वर मुख्य अतिथि एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी डी.डी. ठाकरे विशेष अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य जयंत खांडवे ने की। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह शिक्षा परिसर संस्कार, संस्कृति और शिक्षा का उत्कृष्ट केंद्र है, जहां छात्राओं का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। प्राचार्य जयंत खांडवे ने भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के संवाद का उल्लेख करते हुए छात्राओं को सकारात्मक सोच अपनाने की प्रेरणा दी। वहीं बीईओ डी.डी. ठाकरे ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी परंपराओं से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं।

रंगोली ने बढ़ाया आयोजन का गौरव

कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा परिसर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के चित्र पर आधारित सुंदर रंगोली बनाई गई, जिसे पूरे मध्यप्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया और छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह का मंच संचालन में शिक्षक संजय राहंगडाले और संगीत शिक्षिका भावना राहंगडाले द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भजन गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम में समस्त विद्यालय स्टॉफ एवं छात्राओं की उपस्थिति रही।

कारंजा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का नाम अब बालासाहेब के नाम पर हुआ

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में जिला स्तरीय समिति के अनुमोदन के पश्चात शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कारंजा का नाम बदलकर बाला साहब शासकीय उच्च्तर माध्यमिक विद्यालय कारंजा कर दिया गया है। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है और जिला शिक्षा अधिकारी को इसका पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए है।

जिला जेल में अंतर्राष्टीय गीता जयंती पर गीता पाठ का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। शासन के निर्देशों के परिपालन में 01 दिसंबर कों अंतर्राष्टीय गीता जयंती के अवसर पर जिला जेल बालाघाट में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समस्त बंदियों द्वारा गीता का पाठ किया गया, जिससे उन्हें भगवान श्री कृष्ण के विचारों को स्वयं में समाहित करने की प्रेरणा मिली। जिला जेल बालाघाट के जेल अधीक्षक रामलाल सहलाम की उपस्थिति में जेल में परिरूद्ध बंदीगणों के मध्य विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम के तहत आमंत्रित पंडित जी द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय का वाचन किया गया। गीता के श्लोकों के माध्यम से जीवन में धर्म, कर्तव्य, आत्मबल और सदाचार के महत्व के बारे में बताया गया। पंडित जी ने उपस्थित कर्मचारियों तथा बंदीगणों को गीता के उपदेशों का जीवन में महत्व समझाते हुए कहा कि गीता मनुष्य को सही मार्ग पर चलने, आत्म संयम रखने तथा सकारात्मक सोच विकसित करने की प्रेरणा देती है।

न्यूज गैलरी

मोटरसाइकिल की टक्कर से वृद्ध की मौत

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। भरवेली थानांतर्गत बैहर रोड ग्राम आंवलाझरी के पास मोटरसाइकिल की ठोकर से एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक इस वृद्ध की पहचान रामलाल पिता तुलसीराम कुंभलकर 65 वर्ष ग्राम टवेझरी थाना भरवेली निवासी के नाम से की गई। 30 नवंबर की शाम 7ः00 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब यह वृद्ध चौकीदारी करने के लिए आंवलाझरी आ रहा था। जिला अस्पताल पुलिस ने इस वृद्ध की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामलाल कुंभलकर ग्राम आंवलाझरी में किसी व्यावसायिक प्रतिष्ठान में रात्रि कालीन चौकीदारी का काम करता था। जिसके परिवार में चार बेटे हैं। जिनमे में तीन बेटों की शादी हो चुकी है। जो अपने परिवार के साथ अलग रहते हैं और मजदूरी करते हैं। रामलाल कुंभलकर पत्नी की मौत हो चुकी है। जो अपने छोटे बेटे मुन्नालाल कुंभलकर के साथ में रहता था। और आंवलाझरी में चौकीदारी का काम करता था। 30 नवंबर की शाम को रामलाल कुंभलकर अपने घर टवेझरी से पैदल ग्राम आंवलाझरी व्यावसायिक प्रतिष्ठान में रात्रि कालीन चौकीदारी करने के लिए निकला था। तभी बैहर रोड़ आंवलाझरी चौक के पास बालाघाट की ओर से तेज रफ्तार से जा रही मोटरसाइकिल ने रामलाल कुंभलकर को ठोस मार दी। रामलाल कुंभलकर को ठोस मारने के बाद मोटरसाइकिल चालक भी मोटरसाइकिल सहित गिर गया था। जिसे मामूली चोट आई थी। मोटरसाइकिल की ठोकर से गंभीर रूप से घायल रामलाल कुंभलकर और मोटरसाइकिल चालक को जिला अस्पताल लाया गया ।जहां पर रामलाल कुंभलकर को इस जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था ।जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई वही मोटरसाइकिल चालक जिला अस्पताल से फरार हो गया। इस घटना के दौरान रामलाल कुंभलकर की पहचान नहीं हो पाई थी। जिला अस्पताल पुलिस ने इस वृद्ध की लाश जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए थे। 1 दिसंबर को सुबह रामलाल कुंभलकर के घर नहीं पहुंचने पर और उनके परिजनों को खबर मिली कि एक व्यक्ति की आंवलाझरी में सड़क दुर्घटना से मौत हो चुकी है ।तब परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। जिन्होंने मृतक की पहचान अपने पिता रामलाल कुंभलकर के नाम से की। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे ने मृतक रामलाल कुंभलकर की लाश पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवाकर उनके परिजनों को सौंप दिए हैं और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलटी, दो घायल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले समनापुर रोड पर स्थित ग्राम कुम्हारी के मोड पर स्कॉर्पियो कार पलटने से इस कार में सवार दो व्यक्ति घायल हो गए। दोनों घायल कुलदीप पिता दिलीप दुबे 34 वर्ष वार्ड नंबर 7 टैगोर वार्ड सिवनी और सुमित पिता संतोष तिवारी 34 वर्ष ग्राम केवलारी जिला सिवनी निवासी है। दोनों का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुलदीप दुबे और सुमित तिवारी अपने दोस्तों के साथ स्कॉर्पियो कार में बालाघाट शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। 1 दिसंबर को सुबह 6ः00 बजे कुलदीप दुबे और सुमित तिवारी स्कॉर्पियो कार में बालाघाट से अपने घर जाने निकले थे। कार अंकित श्रीवास्तव चल रहा था। तभी समनापुर रोड पर स्थित ग्राम कुम्हारी के मोड में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर रोड़ किनारे पलट गई। इस दुर्घटना में कुलदीप दुबे और सुमित तिवारी दोनों घायल हो गए हालांकि दोनों को मामूली चोटे आई थी। दोनों घायल को अन्य वाहन से जिला अस्पताल लाया गया। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। जिला अस्पताल पुलिस ने कुलदीप दुबे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवादी है।

5 वर्षीय मासूम के साथ अनाचार 65 वर्षीय वृद्ध गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र में एक 5 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ एक वृद्ध द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया। यह घटना 26 नवंबर की शाम को हुई। रामपायली पुलिस ने इस मामले में आरोपी अर्जुन पिता अंतराम मसखरे 65 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 नवंबर की शाम यह 5 वर्षीय मासूम घर मोहल्ले में खेल रही थी। तभी अर्जुन मसखरे ने इस बच्ची को बहला फुलाकर अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश कर रहा था। बच्ची ने घर आकर इस संबंध में अपने परिजनों को बताई। इसके बाद इस बच्ची को उसके परिवार के लोग रामपायली पुलिस थाना लेकर पहुंचे। बच्ची की मां द्वारा की गई रिपोर्ट पर रामपायली पुलिस थाने में अर्जुन मसखरे के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की सम्बंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया था। रामपायली पुलिस ने अपराध दर्ज होने के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए अर्जुन मसखरे को गिरफ्तार कर लिये और उसे विद्वान अदालत में पेश कर दिए जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा जेल भिजवा दिया गया है।

आज से कान्हा लैंड स्केप में बाघ समेत सभी मांसाहारियों का सर्वे होगा

अखिल भारतीय बाघ आंकलन: आज से शुरू होगा मांसाहारी वन्यप्राणियों का सर्वेक्षण

एक्सप्रेस विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट जिले में अवस्थित कान्हा टाइगर रिजर्व को बाघ आंकलन का नोडल बनाया गया है. अखिल भारतीय बाघ आंकलन के तहत कान्हा लैंडस्केप में मांसाहारी वन्यप्राणियों का साइन सर्वेक्षण आज यानी 2 दिसम्बर से शुरू किया जाएगा। साइन सर्वेक्षण में ट्रेंड स्टाफ और स्वयं सेवक वन्यप्राणियों के साक्ष्य जुटाएंगे और उन्हें मोबाइल एप पर रियल टाइम अपलोड करेंगे। बीते रविवार को 15 राज्य से आए 44 स्वयं सेवकों को भी प्रशिक्षित किया गया है।

जानकारी के मुताबिक एनटीसीए (राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण) के द्वारा अखिल भारतीय बाघ आंकलन 2026 कराया जा रहा है। कान्हा लैंड स्केप में बाघ आंकलन के लिए कान्हा टाइगर रिजर्व को नोडल बनाया गया है। कान्हा लैंडस्केप में कैमरा ट्रैप के माध्यम से बाघ आंकलन शुरू किया गया है। इसमें मंडला को पूर्व सामान्य वनमंडल, पश्चिम सामान्य वनमंडल, मोहगांव प्रोजेक्ट, कान्हा टाइगर रिजर्व, फेन अभ्यारण, डिंडौरी सामान्य वनमंडल, बालाघाट द्मश्ङ्कउत्तर दक्षिण सामान्य वनमंडल, मोहगांव और लामता प्रोजेक्ट शामिल है। यह क्षेत्रफल करीब 6 हजार वर्ग किलोमीटर है। कान्हा लैंडस्केप में साइन सर्वेक्षण का कार्य 2 दिसम्बर से शुरू हो रहा है। साइन सर्वे में बाघ, तेंदुआ, भेड़िया, सोनकुत्ते समेत अन्य मांसाहारी वन्यप्राणियों का सर्वे किया जा रहा है। इसमें बीट स्कैन कर बाघों के पदचिंह विष्ठा व अन्य साक्ष्य का डाटा मोबाइल एप एम-स्ट्राईप्स में रीयल टाइम अपलोड किया जाएगा। साइन सर्वे में कम से कम पांच किलोमीटर बीट में पैदल चलकर अमला सर्वे करेगा।

कान्हा लैंड स्केप-क्या होगा ?

- दो चरणों में होगा सर्वे
- अभी साइन सर्वे कान्हा लैंड में
- इसके बाद साइन सर्वे कान्हा टाइगर रिजर्व में
- सर्वे में 24000 कैमरे लगाए गए हैँ
- कैमरा ट्रेप बाघों की धारियां कैप्चर कर रहे हैं
- सर्वे 5 माह तक चलेगा
- 15 नवम्बर से कैमरा ट्रेप सर्वे शुरू

15 राज्यों के स्वयं सेवकों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रथम चरण में मांसाहारी वन्यजीवों के साक्ष्य एकत्रित कर मोबाइल एप्प में दर्ज करने की प्रक्रिया में 15 राज्यों के 44 स्वयं सेवक भी हिस्सा लेंगे। चयनित स्वयं सेवकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन खटिया इको सेंटर मे किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कान्हा टाइगर रिज़र्व के क्षेत्र संचालक रविंद्रमणि त्रिपाठी, उपसंचालक अमिथा केबी एवं अन्य अधिकारी कर्मचारियो की उपस्थिति रही। क्षेत्र संचालक द्वारा बाघ आकलन के महत्व के विषय में स्वयं सेवकों को मार्गदर्शन दिया गया, वही उपसंचालक द्वारा आकलन के दौरान रखी जाने वाली सावधानी के विषय में जागरूक किया गया। कान्हा टाइगर रिज़र्व के बायोलॉजीस्ट और मास्टर ट्रैनर्स द्वारा स्वयं सेवकों को मांसाहारी वन्य जीवों के साक्ष्य दर्ज करने की प्रक्रिया के विषय में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अलग-अलग चरणों में होगा सर्वेक्षण

अखिल भारतीय बाघ आंकलन कान्हा लैंडस्केप में अलग-अलग चरण में आयोजित किया जा रहा है। मांसा हारी वन्यप्राणियों का साइन सर्वेक्षण दो चरण और शाकाहारी वन्यप्राणियों का सर्वेक्षण चार चरण में होगा। अभी साइन सर्वे कान्हा लैंड स्कैप में किया जा रहा है। इसके बाद दूसरे चरण में साइन सर्वे कान्हा टाइगर रिजर्व में आयोजित किया जाएगा।

एक पखवाड़े पहले लगाए गए कैमरा ट्रैप

अखिल भारतीय बाघ आंकलन के लिए 15 नवम्बर से कैमरा ट्रैप लगाए गए है। मंडला बालाघाट के सामान्य वनमंडल, फेन अभ्यारण समेत अन्य वनमंडल में 2 हजार जोड़ी कैमरा लगे हैं। जो 25 दिन तक लगे रहेंगे और 2 वर्ग किलोमीटर की ग्रिड में लगे कैमरा ट्रैप बाघों की धारियां कैप्चर कर रहे हैं। कान्हा लैंडस्केप में कैमरा ट्रैप के माध्यम से डाटा कलेक्शन में करीब पांच माह लगेगा।

इस तरह कहा जा सकता है कि इस सर्वे के आंकड़ों से पता चलेगा कि कान्हा टाइगर रिजर्व में कितने मांसाहारी

सोसायटी सालेटेकरी में, खरीदा जा रहा बहेराभाठा में!!

मामला धान खरीदी का

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर क्षेत्र के ग्राम पंचायत सालेटेकरी के ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि धान खरीदी के लिए कलेक्टर द्वारा निर्धारित खरीदी केंद्र सालेटेकरी में ही स्वीकृत किया गया था, लेकिन समिति के कुछ जिम्मेदार लोग धान खरीदी केंद्र को निर्धारित स्थान पर संचालित न करते हुए दूसरे ग्राम में धान खरीदी कार्य करवा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि धान खरीदी केंद्र को दूसरे स्थान पर संचालित किए जाने से किसानों को अधिक दूरी तय कर ट्रॉली और ट्रैक्टर के माध्यम से धान ले जाना पड़ेगा, जिससे समय, श्रम और परिवहन की अतिरिक्त लागत बढ़ेगी।

ग्राम पंचायत सालेटेकरी के ग्रामीणों लक्ष्मण और ईश्वर लाल ने बताया की बहेराभाटा में संचालित हो रही धान खरीदी ,कलेक्टर के आदेशों

का खुला उल्लंघन है। उन्होंने आरोप लगाया कि शासन की बिना अनुमति बहेराभाटा में धान खरीदी शुरू कर दी गई है, जबकि कलेक्टर, खाद्य शाखा बालाघाट द्वारा 27 नवंबर 2025 को जारी आदेश में स्पष्ट रूप से सेवा सहकारी समिति मर्यादित सालेटेकरी को ही अधिकृत खरीदी केंद्र घोषित किया गया था। ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर कार्यालय को दिए गए लिखित आवेदन के अनुसार, सालेटेकरी केंद्र के माध्यम से ही सभी कृषकों की धान खरीदी के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद, ग्रामीणों का कहना है कि बहेराभाटा में बिना अनुमति केंद्र संचालित कर धान खरीदी की जा रही है। इससे नियमों का उल्लंघन हो रहा है, ग्रामीणों ने यह भी बताया कि इससे पहले 25 अगस्त 2025 को सालेटेकरी, रघोली, लालपुर और मछुरदा पंचायतों के कृषकों द्वारा इसी विषय पर शिकायत की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण पुन: आवेदन देना पड़ा। किसानों का कहना है कि यदि नियम विरुद्ध चल रही यह प्रक्रिया नहीं रोकी गई, तो वे सामूहिक रूप से माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में रिट याचिका दायर करेंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग करी है कि बहेराभाटा में बिना आदेश चल रही खरीदी को तत्काल रोका जाए। कलेक्टर के पूर्व आदेश अनुसार धान खरीदी केवल सेवा सहकारी समिति मर्यादित सालेटेकरी, केंद्र क्रमांक 01 पर ही कराई जाए। मामले की जांच कर संबंधित सेल्समैन व मैनेजर की भूमिका स्पष्ट की जाए।

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता

यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।
आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]
स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**, **स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य**, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट